जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोन:- 2386031, 2386032 फैक्स:- 0744-2386033 वर्ष: 48 संख्या: 41 प्रभात कोटा, गुरुवार 24 नवम्बर, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

25 सितम्बर के घटनाक्रम के बाद कांग्रेस नेताओं के संबंधों में आई तल्खी बरकरार

समन्वय समिति की बैठक में गहलोत और पायलट की ना नज़रें मिलीं ना हुआ अभिवादन

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

- हुआ यूं कि, इस बैठक के लिए सुबह 11.30 बजे सचिन पायलट पहुंच गए लेकिन मुख्यमंत्री 1 घंटे बाद 12.30 बजे पहुंचे।
- बैठक में शामिल होने के लिए जैसे ही गहलोत कक्ष में पहुंचे वैसे ही, पायलट के साथ ही अन्य सभी लोग भी खड़े हुए।
- गहलोत अपनी कुर्सी के पास पहुंचे और चारों तरफ देखते हुए बैठ गए। इस दौरान पायलट ने गहलोत को देखा पर दोनों की नज़रें नहीं मिलीं।

सचिन पायलट

जयपुर, 23 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में 25 सितंबर को हुए घटनाक्रम के बाद राजस्थान कांग्रेस के नेताओं के बीच तल्खी काफी बढ़ चुकी है। गत 23 नवंबर को जयपुर में हुई भारत जोड़ो यात्रा के संबंध में हुई बैठक के दौरान भी संबंधों की तल्खी स्पष्ट रूप से नजर आई।

कांग्रेस की कोर्डिनेशन कमेटी की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट दोनों मौजूद तो रहे, लेकिन दोनों नेताओं में ना तो अभिवादन का आदान-प्रदान हुआ, ना ही कोई बातचीत हुई।

हुआ यूं कि इस बैठक के लिए सुबह 11.30 बजे सचिन पायलट पहुंच गए,लेकिन मुख्यमंत्री 1 घंटे बाद 12.30 बजे पहुंचे।

बैठक में शामिल होने के लिए जैसे ही गहलोत कक्ष में पहुंचे तभी पायलट के साथ ही अन्य सभी लोग भी खड़े हुए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने हाथ जोड़कर गहलोत का अभिवादन किया। गहलोत अपनी कुर्सी के पास पहुंचे और चारों तरफ देखते हुए बैठ गए।

इस दौरान पायलट ने गहलोत को देखा, पर दोनों की नज़रे नहीं मिली। बैठक गहलोत के आने के बाद शुरू हुई, लेकिन पायलट आधे घंटे के बाद ही चले गए।

समन्वय समिति की इस बैठक में तय किया गया है कि समन्वय समिति के सदस्य 25 नवंबर को झालावाड़ से अलवर तक के पूरे यात्रा मार्ग का जायजा लेंगे और किस तरह से यात्रा को संपन्न कराया जाए इस बारे में रणनीति तय की जाएगी। बुधवार को हुई बैठक में समिति के सभी 32 सदस्य मौजूद थे।

ई.डब्ल्यु.एस. पर कोर्ट के फैसले को कांग्रेस की चुनौती

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। कांग्रेस नेता जया ठाकुर, जो मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव हैं, ने बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय के 7 नवम्बर के उस निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिये याचिका दायर कर दी, जिस फैसले में न्यायालय ने नौकरियों तथा प्रवेशों में इकॉनॉमिकली वीकर सैक्शंस (ई.डब्ल्यू.एस.) के लिये 2019 में 10 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के सरकार के फैसले का अनुमोदन कर दिया गया था।

- कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई की नेता जया ठाकुर ने गरीबों को आरक्षण संबंधी फैसले को पलटने की मांग करते हुए याचिका दायर की।

ज्ञातव्य है कि इस आरक्षण में एस.सी. /एस.टी. और ओ.बी.सी. श्रेणियों के गरीब लोगों को शामिल नहीं किया था।

उन्होंने पाँच सदस्यीय संविधान पीठ के अल्पमत के फैसले का समर्थन करते हुये, तीन जजों के बहुमत वाले फैसले को उलटने की माँग की।

इस ऐतिहासिक महत्व के फैसले में, सर्वोच्च न्यायालय की पाँच जजों की खंडपीठ ने कहा था कि आर्थिक न्याय प्रदान करने के सरकार के प्रयास को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र का एम.वी.ए. मॉडल, बिहार में लाना चाहती है जे.डी.यू.

एम.वी.ए. (महाराष्ट्र विकास अघाड़ी) गठबंधन, जिसमें शिव सेना, पवार की पार्टी व कांग्रेस भी शामिल हैं, काफी हद तक सफल रहा और महाराष्ट्र में तथा सरकार भी बनाई थी

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। महाराष्ट्र के एम.वी.ए. मॉडल को बिहार तथा उत्तर प्रदेश तक पहुँचाने के प्रयास किये जा रहे हैं ताकि 2024 के चुनावों में भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा सके।

इस प्रकार के प्रयास के संकेत बुधवार को उस समय मिले, जब शिव सेना (यू.बी.टी.) नेता आदित्य ठाकरे तथा पार्टी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पटना में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से भेंट की तथा उसके बाद उनकी मीटिंग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ हुई। शिव सेना पिछले कुछ वर्षों से बिहार में विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव लड़ती आ रही है लेकिन उसे कोई खास

- आदित्य ठाकरे व प्रियंका चतुर्वेदी, पटना में उप मु.मंत्री नीतीश कुमार से इस संदर्भ में मिले।
- नीतीश का नारा है कि, अगर गैर भाजपा पार्टियाँ संगठित होकर चुनाव लड़ें तो, भाजपा को पराजित किया जा सकता है।
- हालांकि, शिव सेना से हाथ मिलाने से नीतीश का मौलिक राजनीतिक सोच आहत होता है, पर इस दुविधा से यह कहकर निपटा जा रहा है कि, गठबंधन भाजपा को हराने के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'फुटबॉल फैडरेशन, फुटबॉल के अलावा सब कुछ करती है'

अपनी इस तीखी टिप्पणी की अनुपालना करते हुए सुप्रीम कोर्ट 6 दिसम्बर के नये संविधान के बारे में सुनवाई करेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह ऑल इण्डिया फुटबॉल फैडरेशन (ए.आई.एफ.एफ.) और इस खेल इकाई से संबंधित संविधान के मसौदे पर उठी आपत्तियों को लेकर दायर एक याचिका पर 6 दिसम्बर को सुनवाई करेगा।

चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) डी.वाय. चन्द्रचूड़, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस जे.बी. पारदीवाला की एक बैंच ने गौर किया कि खेल इकाई को कुछ त्वरित मार्गदर्शन प्राप्त करने की आवश्यकता है।

इससे पूर्व, बैंच ने टिप्पणी की थी कि फुटबॉल एक लोकप्रिय खेल है, इसको आगे ले जाने की जरूरत है। उसने लोगों से कहा था कि वे स्पोर्ट्स नैशनल फैडरेशन के संविधान मसौदे पर न्याय मित्र को सुझाव दें। बैंच ने टिप्पणी की थी "हम फुटबॉल के अलावा सबकुछ कर रहे हैं।

- सुप्रीम कोर्ट ने इस सुनवाई को जल्द से जल्द कराने की दृष्टि से अपने पुराने निर्णय को भी बदला, जिसके तहत तीन सदस्यीय समिति नियुक्त की गई थी, फुटबॉल फैडरेशन का कामकाज देखने के लिये।

बैंच ने गत 9 नवम्बर को सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकर नारायणन से पूछा था कि आपत्तियों को सारणीबद्ध करने के लिए न्याय मित्र के रूप मं बैंच की सहायता कौन कर रहा है ताकि संविधान मसौदे को अंतिम रूप दिया जा सके।

इससे पहले टॉप कोर्ट ने इसके द्वारा नियुक्त तीन सदस्यीयी प्रशासनिक कमेटी भंग कर दी, जिनका गठन नैशनल फुटबॉल फैडरेशन के गठन के लिए किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह अपने पूर्व आदेश में संशोधन कर निलम्बन का खंडन करने की सुविधा प्रदान की। यह निलम्बन अन्तर्राष्ट्रीय फुटबॉल फैडरेशन, फीफा, ने लगाया था। इससे भारत को अण्डर-17 वीमैन्स वर्ल्ड कप 2022 के आयोजन की सुविधा भी मिली।

18 मई को इसने रिटायर्ड जस्टिस अनिल आर. दवे के नेतृत्व में प्रबंध समिति गठित की जिसने पूर्व सी.ई.सी. एस.वाय. कुरैशी, फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान भास्कर गांगुली और राजनेता प्रफुल्ल पटेल शामिल थे।

यह आदेश युवा एवं खेल मामलात मंत्रालय द्वारा दायर याचिका पर दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विद्युत नियामक आयोग तीन माह में विद्युत शुल्क के नियम बनाएं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। विद्युत-शुल्क तय करने में तदर्थवाद का उल्लेख करते हुये, सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को सभी राज्यों के नियामक आयोगों (रेग्यूलेटरी कमीशंस) को निर्देश दिये हैं कि वे तीन माह के अन्दर, शुल्क के निर्धारण की शर्तों पर अधिनियम की धारा 181 के तहत विनिमय तैयार करें।

- सुप्रीम कोर्ट ने टाटा पावर कम्पनी की महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सभी राज्यों के विद्युत नियामक आयोगों को उक्त निर्देश दिए।

यह फैसला महाराष्ट्र इलैक्ट्रीसिटी रेग्यूलेटरी कमीशन के खिलाफ टाटा पावर कंपनी लिमिटेड ट्रांसमिशन द्वारा दायर की गई अपील को खरिज करते हुये दिया गया। फैसले में कहा गया है कि नियामक आयोगों ने अधिनियम में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर काफी तीखी टिप्पणी की सुप्रीम कोर्ट ने

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, आयोग में अधिकतर रिटायर्ड सरकारी अफसर नियुक्त होते हैं। सरकार इन अफसरों की जन्मतिथि से पूरी तरह वाकिफ होती है। अतः चीफ आयुक्त इस तरह नियुक्त किया जाता है कि, उसको काम करने का समय दो-ढाई साल ही मिले

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। यह सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत एवं अपेक्षित मान्यता है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव किसी भी लोकतांत्रिक ढाँचे या लोकतंत्र के प्रति वचनबद्ध राष्ट्र के संचालन के लिये दो महत्वपूर्ण पूर्व शर्ते हैं, लेकिन क्या ये दोनों हमारे देश में मौजूद है?

न्यायमूर्ति के.एम. जोसफ की अध्यक्षता वाली एक संविधान पीठ इस समय इसी प्रश्न पर विचार कर रही है क्योंकि चार जनहित याचिकाओं के समूह ने माँग की है कि भारत के चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति-प्रक्रिया में सुधार की सिफारिशें/अनुशंसाएं की जायें। सर्वोच्च न्यायालय ने इस सप्ताह केन्द्र की इस स्थिति पर प्रश्न खड़े किये कि देश में मुख्य चुनाव आयुक्त तथा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को नियंत्रित करने के लिये कोई भी कानून नहीं है। अदालत ने इस प्रकार के कानून के अभाव को "व्याकुलता पैदा करने वाली प्रवृत्ति या स्थिति" की संज्ञा दी है।

- संविधान मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया के बारे में चुप है। इस चुप्पी का लाभ लेते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त जल्दी-जल्दी बदल दिए जाते हैं, जिनको काम करने का लम्बा समय नहीं मिलता।
- यू.पी.ए. सरकार के दस साल के शासन में 6 मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त हुए। एन.डी.ए. सरकार के आठ साल में आठ नये-नये चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति हुई।
- संविधान की इस चुप्पी का मतलब था, सरकार संसद में इसके मुतल्लिक कानून पारित करे। पर गत 72 सालों में किसी सरकार ने यह काम नहीं किया।
- सुप्रीम कोर्ट ने प्रश्न उठाया कि, प्रजातंत्रीय व्यवस्था के सुचारू रूप से काम करने के लिये, निष्पक्ष व जायज़ चुनाव होना जरूरी है, पर, क्या यह अपने देश में हो रहा है?

आज सुनवाई जारी रखते हुये, सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष भारत के चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर कुछ तीखी टिप्पणियाँ एवं प्रश्न आयें। सर्वोच्च न्यायालय ने आज कुछ विशिष्ट फाइलों की माँग की- आयोग में 19 नम्बर को हुई अरूण गोयल की नियुक्ति से संबंधित फाइल। सुनवाई कल जारी रहेगी।

न्यायमूर्ति के.एम. जोसफ की अध्यक्षता वाली पाँच जजों की इस संविधान पीठ ने कहा कि बैंच यह जानना चाहती है कि क्या नियुक्ति में कोई "चालबाजी" हुई थी क्योंकि उन्हें अभी हाल ही स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दी गई थी तथा तुरन्त ही उन्हें चुनाव आयोग में नियुक्त कर दिया गया था।

इस याचिका-समूह की सुनवाई के दौरान, ऐक्टिविस्ट-वकील प्रशांत भूषण ने अरूण गोयल की नियुति की ही प्रक्रिया का उल्लेख किया। भूषण ने जोर देकर कहा कि गोयल, जो अभी-अभी सेवानिवृत्त हुये आई.ए.एस. अधिकारी हैं, को तीन सदस्यों वाले चुनाव आयोग का हिस्सा बना दिया गया। इसके साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार तथा अनूप चन्द्र पान्डे की नियुक्ति हुई थी। गत सप्ताह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरणों में कितने पद हैं?'

जोधपुर, 23 नवम्बर (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल और न्यायाधीश रेखा बोराणा ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि दो सप्ताह में हलफनामा और तालिका पेश कर बताएं कि राज्य में मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरणों में सभी श्रेणी के कितने पद स्वीकृत हैं और निश्चित रूप से यह भी बताएं कि इन पदों की संख्या कितनी है और रिक्त पदों को सरकार कब तक भर देगी। जिला अभिभाषक संघ बांसवाड़ा की जनहित याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता रणजीत जोशी और

- हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल ने राज्य सरकार से हलफनामा पेश कर जानकारी देने को कहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत जोड़ो यात्रा के विरोध की बात पर पायलट कैम्प के निशाने पर विजय बैंसला

पायलट ने कहा, यात्रा से भाजपा के लोग विचलित हैं, वे यात्रा में बाधा डालना चाहते हैं

जयपुर, 23 नवम्बर (का.प्र.)। गुर्जर नेता विजय बैसला की ओर से भारत जोड़ो यात्रा का विरोध किए जाने के बयानों को लेकर पायलट खेमा मुखर हो गया है। खुद सचिन पायलट के साथ ही मंत्री राजेंद्र गुढ़ा और विधायक इंद्राज गुर्जर ने विजय बैंसला पर निशाना साधा है।

भारत जोड़ो यात्रा को लेकर आयोजित कांग्रेस की समन्वय समिति की बैठक से बाहर आने पर मीडिया से बात करते हुए सचिन पायलट ने विजय बैंसला की यात्रा रोकने की धमकी पर कहा कि यह भाजपा की साजिश है और भाजपा यात्रा को रोकने के प्रयास कर सकती है। पायलट ने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा के जरिए लोगों को जोड़ने का काम कर रही है और राजस्थान में यह यात्रा ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि यह कोई पॉलिटिकल यात्रा नहीं है। इसके जरिए लोगों से जुड़ाव होगा। पायलट ने कहा कि भाजपा यह भी कह रही थी कि दक्षिण भारत के बाद उत्तर भारत में इसका असर नहीं होगा, लेकिन यात्रा महाराष्ट्र के बाद मध्य प्रदेश में शुरु हुई है और अब राजस्थान आएगी तो भाजपा का भ्रम टूट जाएगा।

पायलट ने कहा कि इस यात्रा से भाजपा के लोग विचलित हैं। वह यात्रा में बाधा डालना चाहते हैं। पायलट ने विजय बैंसला की धमकी को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी जब 21 सीट पर सिमट गई थी, हमें उस समय सब वर्गों का सहयोग मिला।कांग्रेस पार्टी को बहुमत सब वर्गों के सहयोग से मिला और अब हम उस बहुमत पर कैसे कारगर हों, उसकी कोशिश कर रहे हैं।

इसी मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि अगर भाजपा को भारत जोड़ो यात्रा का विरोध करना है तो खुलकर करें किसी का सहारा नहीं ले।

- इंद्राज गुर्जर ने कहा, कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला का समाज में बहुत सम्मान है, लेकिन विजय बैंसला...।
- इंद्राज गुर्जर ने कहा कि, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को बदनाम करने के लिए विजय बैंसला ने पुष्कर में षड्यंत्र रचा था, लेकिन उनके षड्यंत्र का भांडा फूट गया।
- राजेन्द्र गुढ़ा बोले, यह सचिन पायलट और गुर्जर समाज को बदनाम करने का प्रयास है, अभिमन्यु की तरह घेरा जा रहा है।

राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा ऐतिहासिक होगी और अभूतपूर्व स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे राजस्थान और गुर्जर समाज में ऐसी कोई परंपरा नहीं है कि किसी मेहमान का विरोध किया जाए। राजस्थान में तो मेहमान नवाजी की परंपरा है। इंद्राज गुर्जर ने कहा कि कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला का समाज में बहुत सम्मान है लेकिन विजय बैंसला तथाकथित गुर्जर नेता है। विजय बैंसला किसी की राजनीतिक साजिश का शिकार हैं और समाज के लोगों ने ही अब उनका विरोध किया हैं। उन्होंने कहा कि कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की आरक्षण संघर्ष समिति और समाज के 72 युवाओं के बलिदान से समाज को आरक्षण मिला है। अगर गुर्जर आरक्षण में कोई विसंगतियां है तो विजय बैंसला को समाज के विधायकों को साथ सरकार से वार्ता करनी चाहिए, लेकिन विजय बैंसला बंद कमरे में वार्ता करके चले आते हैं।

इंद्राज गुर्जर ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को बदनाम करने के लिए विजय बैंसला ने पुष्कर में षड्यंत्र रचा था, लेकिन उनके षड्यंत्र का भांडा फूट गया कि विजय बैसला किन लोगों के साथ मिलकर साजिश रच रहे थे। उन लोगों को समाज के विरोध के सामने भागना पड़ा। उन्होंने कहा कि विजय बैंसला पिछले 2 दिन से सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। वह भाजपा से जुड़े हुए हैं। उन्हें भाजपा की बात करनी चाहिए।

इसी मामले को लेकर मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने आरोप लगाया कि जिन लोगों को पार्टी आलाकमान ने नोटिस दिए हुए हैं,उनके साथ-साथ विजय बैंसला बीजेपी के हाथों में भी खेल रहे हैं। यह सब सचिन पायलट और गुर्जर समाज को बदनाम करने की साजिश है। गुढ़ा ने कहा कि अगर विजय बैंसला के साथ सरकार ने कोई समझौता किया था तो उसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री आवास व सचिवालय का घेराव करना चाहिए। राहुल गांधी की यात्रा का विरोध करने का क्या तुक हैं। राहुल गांधी कोई सरकार में नहीं है। विजय बैंसला की समस्याओं का समाधान तो केवल मुख्यमंत्री के पास है। राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा का ऐसा स्वागत किया जाएगा कि ऐसा स्वागत पहले कभी नहीं हुआ होगा और यह हमारी गारंटी है कि एक पत्ता भी नहीं हिलेगा।

गुढ़ा ने कहा कि सचिन पायलट को अभिमन्यु की तरह घेरा जा रहा है और इसके लिए उनके विरोधी नेता नए-नए षड्यंत्र रच रहे हैं, लेकिन पार्टी आलाकमान पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। विजय बैंसला को भी सामने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अवसर तो सभी को ज़िंदगी में मिलते हैं किंतु उनका सही वक्त पर सही तरीक़े से इस्तेमाल कितने कर पाते हैं?

–संतोष गोयल

हमारे पंच परमेश्वर कितने परमेश्वर हैं?

लोकतंत्र की व्यवस्था ही ऐसी होती है कि व्यक्ति को न्याय मिले। न्याय उसका अधिकार है। विवाद प्रत्येक स्तर पर होते रहते हैं और होते रहेंगे। व्यक्ति अकेला नहीं जीता, समूह में जीता है। विवाह की एक संस्था के कारण एक से दो होते हैं और फिर परिवार बनता है। इस समूह का विस्तार होकर वह समूचे विश्व व समूचे ब्रह्मांड तक पहुंचता है। निश्चय ही समस्त जीव जगत ही नहीं निर्जीव जगत से भी मानव को सामंजस्य बैठाना पड़ता है। प्रकृति के साथ हमारा सामंजस्य बिठाने हेतु उसके पांच मूलभूत तत्वों के साथ समायोजन न होने पर प्रकृति भी रुष्ट हो जाती है और उसके कारण हो रही प्राकृतिक आपदायें इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। हमें पर्यावरण संरक्षण हेतु विश्व स्तरीय संस्थाएं भी बनानी पड़ी हैं। कहने का आशय यह है कि प्रत्येक स्तर पर विवाद हेतु मानव ने न्यायिक व्यवस्था का निर्माण किया है। हमारे देश में भी इन्हीं विवादों को निपटाने हेतु प्रशासनिक, राजनीतिक व न्यायिक संस्थाऐं हैं जिन्हें हम क्रमशः कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका की संज्ञा देते हैं। पटवारी से लेकर मुख्य सचिव तक प्रत्येक राज्य में प्रशासनिक ढांचा है। विधायिका के अन्तर्गत राज्य में विधानसभाएँ व केन्द्रीय स्तर पर संसद है। एक और संस्था पंचायत से लेकर पंचायत राज्य मंत्री तक जाती है। स्वायत्त शासन की भी एक संस्था है जिसमें नगर पालिका व विकास प्रन्यास अथवा विकास ऑथोरिटी आ जाते हैं। जो इकाइयाँ निर्वाचन से बनती हैं वे विधायिका की तरह काम करती हैं और जहाँ निर्वाचन नहीं होते वे प्रशासनिक इकाइयों की तरह काम करती हैं। बहरहाल विधायी एवं प्रशासनिक इकाइयों का नीचे के स्तर पर जो अन्तर्संबंध है उसको भी नकारा नहीं जा सकता। ऐसा भी नहीं कहा जा सकता कि लोकतंत्र में कोई भी संस्था पूर्णतः स्वतंत्र रूप से काम करती है। इनमें अन्तर्संबंध न होने पर किसी भी एक के निरंकुश होने की संभावना हो सकती है। राष्ट्रपति हमारे देश में तीनों सेना का मुखिया है, और संसद के निर्णय पर राष्ट्रपति की मोहर लगती है। उच्चतम न्यायालय के मृत्युदंड के निर्णय पर भी राष्ट्रपति निर्णय देता है। कार्यपालिका के निर्णय की अपील न्यायपालिका में की जाती है। संसद के निर्णय की संवैधानिक समीक्षा भी उच्चतम न्यायालय करता है।

यह संपूर्ण भूमिका इसलिये है कि सभी स्तरों का निर्णय तथा उनकी अपील व समीक्षा हेतु इकाइयों का प्रावधान है जो निर्णय करती हैं। लेखक की यह मान्यता है कि जहाँ कहीं बिना निर्वाचन के जो तंत्र बना है और उसके जिस भी स्तर पर निर्णय दिया जाता है वह व्यक्ति व समूह उस स्तर पर पंच-सरपंच का कार्य कर रहा है। निर्णयकर्ता जो भी पंच-सरपंच हैं उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे ईश्वर के नाम पर तथा संविधान के अन्तर्गत न्याय करें। विधायिका में भ्रष्ट लोग आ जाते हैं जो स्वार्थ के वशीभूत निर्णय देते हैं, दलीय आधार पर निर्णय करते हैं। प्रशासनिक तंत्र भी घोर भ्रष्टाचार से ग्रस्त है और निष्पक्ष नहीं रह पाता। अन्ततोगत्वा न्यायपालिका ही आशा की किरण बनती है। इस दृष्टि से हाल ही सोशल मीडिया पर एक चर्चा ज़ोरों पर है। इसमें उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र का उल्लेख है। इस तथाकथित पत्र में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने हेतु सिफारिश की गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा लिखे पत्र के मुख्य बिंदुओं का भी उल्लेख है। ये समाचार सत्य है कि नहीं परन्तु तथाकथित प्रत्युत्तर के बिंदु सभी के लिये विचारणीय हैं विशेष रूप से न्यायपालिका के लिये।

> **सोशल मीडिया को भी ग़ैर ज़िम्मेदार कहा जाता है। लोग न्यायपालिका की आलोचना से बचते हैं क्योंकि न्यायालय की अवमानना का डर रहता है। इसका यह आशय नहीं हो जाता कि न्यायपालिका दूध की धुली है। स्वयं मुख्य न्यायाधीश उसकी कमी दर्शा चुके हैं, अतः सोशल मीडिया की चर्चा पर सभी पक्षों को विचार करना चाहिये।**

सोशल मीडिया की चर्चा में संपूर्ण न्यायपालिका एवं मुख्यरूप से उच्चतम न्यायालय पर ये बिंदु लागू होते हैं। सामान्यतः 2 से 3 बजे तक सामान्यतः पीठासीन अधिकारी लंच रखते हैं और 4 बजे कार्य बंद हो जाता है। अन्य सरकारी कार्यालयों की तरह 9 से 6 तक कार्य क्यों नहीं हो पाता और क्या उसे लागू नहीं किया जा सकता? उल्लेखनीय है कि फैसले तो प्रशासनिक कार्यालयों में भी राजस्व और कुछ फौज़दारी मामलों के दिये जाते हैं और लम्बे-लम्बे निर्णय लिखाने भी पड़ते हैं। न्यायपालिका पर भार अधिक है तो शनिवार की छुट्टियों को भी कम किया जा सकता है। निश्चय ही जनहित में यह निर्णय लिया जा सकता है। शनिवार-रविवार का अवकाश अंग्रेज़ों के समय का तरीका रहा है और यह प्रयोग भारत के अन्य सरकारी कार्यालयों में भी सफल नहीं रहा है। लोगों में पुरानी 10 से 5 की आदत पड़ी हुई है। न्यायालय में गर्मी की छुट्टियों की निश्चय ही कोई तुक नहीं है। न्याय तो 365 दिन व 24 घंटे करना होता है। राजधर्म में राजा को न्याय हेतु सदैव उपलब्ध रहना होता है। अपराध करने वाले तो छुट्टियों का नाजायज़ लाम उठाते हैं और इन दिनों कई अपराध बढ़ते हैं। कई बार रात्रि में भी सुनवाई की जाती है, उसकी समीक्षा कर उसकी आवश्कयता निर्धारित की जानी चाहिये। आयु सीमा अधिक है और राज्यकोष से सभी सुविधाऐं यथा कार, बंगला, सुरक्षा, भरपूर वेतन तथा केबिनेट मंत्री की सुविधा दी जाती है। क्या उसी अनुपात में परिश्रम की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिये। रविवार की और आवश्यक अवकाशों के अलावा 300 दिन कार्य किया जा सकता है। प्रधानमंत्री 365 दिन काम करते हैं और न्यायालय काफी कम दिन ही कार्य कर पाता है। जनहित याचिकाओं को प्रथम दृष्टया अनावश्यक पाये जाने पर कड़ी कार्यवाई होनी चाहिये और महत्वहीन जनहित याचिकाओं को निरूत्साहित करना आवश्यक है। कई बार महत्वहीन छोटी-छोटी बातों पर की गई याचिकाओं पर समय व्यर्थ चला जाता है। कई बार 2, 3, 5 जजों की बेंच बनती है, इसमें औचित्यपूर्ण कमी की जा सकती है।

न्यायालयों में प्रकरणों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इसमें अन्य कई कारण भी हैं। वकीलों द्वारा पेशी बदलवाते रहना, जज द्वारा उसकी स्वीकृति देते रहना, पक्ष-विपक्ष की विलम्ब कराने की प्रवृत्ति, जज का अवकाश में होना, शौक सभा व अन्य अवसरों पर सुनवाई रोक देना आदि भी कारण बनते हैं। न्यायपालिका का अंग्रेज़ों वाला पेटर्न बदलना चाहिये। वकील, सरकार व जज बैठ कर हमारी न्याय संहिताओं को अधिक व्यावहारिक बनायें तो उचित होगा। सुप्रीम कोर्ट तक साधारण, सामान्य निर्धन व्यक्ति पहुँच ही नहीं सकता वह अत्यधिक व्यय-साध्य है, इस पर भी विचार होना चाहिये।

न्यायालय बेतहाशा बढ़े हैं परंतु न्यायालयों और जज की मांग निरंतर बढ़ती जाती है। इस देश की परिस्थितियों में लोकतंत्र के प्रत्येक स्तंभ को अधिक ईमानदारी व परिश्रम से काम करना होगा, तभी समस्याऐं सुलझेंगी। सोशल मीडिया द्वारा उठाये गये बिंदु कितने सही व सार्थक हैं इन पर जन साधारण विचार करेगा ही, परंतु इतना तो सही है कि न्यायपालिका की कई कार्रवाइयों में तत्काल सुधार की आवश्यकता है तभी पंच परमेश्वर बन सकेंगे।

कार्यपालिका में नौकरशाही की खुलकर आलोचना होती ही रहती है। उसमें व्याप्त भ्रष्टाचार के उदाहरण भी सामने आते ही रहते हैं। उन पर कार्यवाई भी होती है, परंतु वह अभी प्रभावी नहीं हो पाई है। लोगों में यह अवधारणा है कि बिना रिश्वत के अथवा बिना सिफारिश के कोई काम नहीं होता। अपवादों की चर्चा तो सामान्यतः होती ही नहीं जो स्वाभाविक है। इसी प्रकार राजनेताओं के भ्रष्टाचारों की भी खूब चर्चा होती है। उनमें कई दागी, अपराधी हैं, यह भी सच है। उनमें दल बदलने की प्रवृत्ति अधिक है। उनका कोई आदर्श, कोई सिद्धांत नहीं हैं, मात्र स्वार्थ ही प्रधान होता है, सेवा भावना नहीं। मीडिया में झूठी व फर्जी खबरें फैलाई जाती है। सोशल मीडिया को भी ग़ैर ज़िम्मेदार कहा जाता है। लोग न्यायपालिका की आलोचना से बचते हैं क्योंकि न्यायालय की अवमानना का डर रहता है। इसका यह आशय नहीं हो जाता कि न्यायपालिका दूध की धुली है। स्वयं मुख्य न्यायाधीश उसकी कमी दर्शा चुके हैं, अतः सोशल मीडिया की चर्चा पर सभी पक्षों को विचार करना चाहिये। केन्द्रीय कानून मंत्री ने भी एक सुझाव दिया था कि जजों के चयन में वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली में भी सुधार की आवश्यकता है। जजों के चयन में सिफारिश, पक्षपात, राजनीतिक दखल आदि का कोई स्थान न रहे और वह और पारदर्शी हो सके यह प्रयास हो जिससे कि हमारे पंच वास्तव में परमेश्वर बन सकें।

–अतिथि सम्पोदक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

कर्मयोगी : घुमन्तू

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारकेवं विचारक भाई दुर्गादास जी द्वारा लिखित पुस्तक ''अपने घुमन्तु'' पढ़ ने पर भारतीय संस्कृति के पुरोधा तथा पुरूषार्थी समूह के बारे में जो जानकारी प्राप्त हुई, मैं स्तब्ध रह गया। जन समूह भी छोटा-मोटा नहीं अपितु जिनकी संख्या करोड़ों में होते हुए भी समाज, सरकार और मीडिया की नजरों से औझल है। शिक्षा, स्वास्थ्य और मकान जैसी प्राथमिक मानवीय आवश्यकताओं से वंचित रहने के बावजूद हमारी परम्पराओं और संस्कृति का संरक्षक बन कर सभी प्रकार की विषम एवं विपरीत परिस्थितियों में भी उसे सम्भालने का उत्तरदायित्व बखूबी निभा रहा है।

दूसरी ओर शैक्षणिक उन्नयन के शिखर पर बैठा समूह भारतीय संस्कृति से दूर भाग रहा है। पाश्चात्य संस्कृति को गर्व के साथ गले लगा रहा है। श्रेष्ठ कला एवं कौशल का पुजारी आजादी की जंग में बलिदान देने वाला जाबांज जनजाति समूह अंग्रेजी हुकुमत का शिकार भी रहा है। कष्ट का विषय तो यह है कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी यह देश की मुख्य धारा में नहीं आ पाया है।

''घुमन्तु'' अर्थात् जो अपने जीवन यापन तथा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए घूमते रहते है। जिनका कोई ठिकाना नहीं होता है। जहाँ रात हो गयी, वहीं सो गये। यही इनके जीवन का यथार्थ है। यह यथार्थ बहुत कष्टदायक और चुनौतिपूर्ण है। जेल में सजा काट रहा कैदी भी इनसे कहीं अच्छा जीवन जी रहा है। सर्दी हो या गर्मी, आंधी हो या तूफान इनकी अनवरत गति को कोई रोक नहीं पायें। श्रीकृष्ण के ''कर्म करते रहो'' के संदेश को घुमन्तु ने अक्षरशः अपने जीवन में उतारा है। घूमते-फिरते व्यवसाय करना, विभिन्न कलाओं के प्रदर्शन से समाज का मनोरंजन करना, पशुपालन के साथ पशु व्यापार, परिवहन का कार्य करना, कारीगरी के माध्यम से घरेलू व कृषि उपकरणों के साथ-साथ अस्त्र-शस्त्र बनाना, राजा-महाराजाओं की सैन्य गतिविधियों में भाग लेना इनके मुख्य कार्य थे। घुमन्तु समाज एवं शेष समाज के आपसी संबंध मजबूत थे, दोनों एक-दूसरे पर निर्भर थे।

आजादी के लिए 1857 की क्रान्ति में घुमन्तु समुदाय ने अंग्रेजों के खिलाफ अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के साथ जबरदस्त संघर्ष किया। अंग्रेजों ने

डॉ. कैलाश सोडाणी

प्रतिशोध में 1871 में 'आपराधिक जनजाति अधिनियम' लागू किया, जिसके आधार पर लगभग 200 जनजातियों में जन्म लेने वाले नवजात के माथे पर 'चोर' शब्द खुदवाया जाता था। पिता थाने में जाकर अपने बेटे का नाम अपराधियों की सूची में लिखवाने के लिए मजबूर था। ऐसे पिता के दर्द को हम समझ सकते है। सौभाग्य से 81 वर्ष पश्चात् 1952 में यह काला कानून समाप्त किया गया।

भारतीय इतिहासकारों ने घुमन्तु जनजाति समूहों द्वारा ब्रिटिश हुकुमत के खिलाफ स्वतंत्रता आन्दोलन में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका को नजरअंदाज किया। इतिहास में इनके बलिदान को पर्याप्त एवं प्रतिष्ठित स्थान नहीं दिया। उमा जी नाइक, भीमा जी नाइक, लक्खीशाह बंजारा, गोविन्द गुरू, संत सेवालाल जी महाराज, अमरा भगत आदि घुमन्तु समाज के प्रमुख महानायक रहे है, जिन्होने सामाजिक कुरूतियों को समाप्त करने के साथ-साथ आजादी के आन्दोलन के गौरवशाली सितारें भी थे।

देश में ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से जैसे-जैसे विकास का रथ आगे बढ़ ता गया ये जनजातियाँ अपने पारम्परिक व्यवसाय से हाथ धोती गयी। यातायात के आधुनिकीकरण की वजह से बंजारों का व्यवसाय कमजोर हो गया। तकनीकी विकास ने गाड़िया लौहारों को बेरोजगार कर दिया। प्लास्टिक के खिलौनों ने कुचबन्दा समुदाय के मिट्टी के खिलौनों को बाजार से बाहर कर दिया। कम्प्यूटर ने समुदाय की पोथियों को छीन लिया। टी.वी., मोबाईल, इन्टरनेट के युग में मनोरंजन के लिए बहुरूपियें, बाजीगर, नट या कालबेलियों की कला के लिए लोगों के पास समय नहीं है। धीरे-धीरे इन लोगों की व्यावसायिक प्रासंगिकता शहर से कस्बों, कस्बों से गांवों, गांवों से दुर्गम स्थानों तक सिमटकर आज लगभग समाप्त ही हो चुकी है। विकास की आधुनिक दौड़ में घुमन्तु लगातार पिछड़ते जा रहे है।

राष्ट्र प्रेम और भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत कर्मयोगी घुमन्तु को गरीबी से मुक्त करने के लिए रोजगार से जोड़ना होगा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ घुमन्तु के घर तक पहुँचाने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र आदि दस्तावेज बनाने होंगे। प्रधानमंत्री आवास, स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ पहॅुचाना होगा। बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रावास सुविधा प्रदान करनी होगी।

ब्रिटिश राज से पहले घुमन्तु जनजातियों का जीवन सम्पन्न और सम्मान जनक हुआ करता था। हमें वहीं सम्पन्नता और सम्मान लौटाना होगा। माननीया द्रोपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना घुमन्तु समुदाय की दशा एवं दिशा बदलने के क्रम में एक अच्छी खबर है।

–डॉ. कैलाश सोडाणी,
कुलपति-वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

वर्ष भर पक्षियों के कलरव से आबाद रहेगा मोरेल बांध

लालसोट, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के मोरेल बांध में आठ फीट पानी रिजर्व रखने के निर्णय के बाद पक्षी प्रेमियों एवं पर्यावरण प्रेमियों में खुशी की लहर देखी गई है। सिंचाई के लिए पानी छोड़ने को लेकर जल वितरण समिति की बैठक के दौरान जिम्मेदारों के बीच यह निर्णय लिया गया। मोरेल बांध में देसी विदेशी विभिन्न पक्षियों के प्रवास के चलते पानी को रिजर्व रखने की आवश्यकता महसूस हो रही थी ताकि आने वाले पक्षियों से आसपास की खेत की फसल में लगे कीटो से नुकसान होने से बचाया जा सके एवं वहां पर आने वाले सेलानियों के चलते स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो। बैठक सवाईमाधोपुर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें दौसा व सवाई माधोपुर के किसान व पदाधिकारी उपस्थित रहे।दौसा जिले से कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में उपखंड

मोरेल बांध में पर्याप्त जलभराव होने के चलते हजारों मील यात्रा तय कर आए राजहंस ग्रेटर फ्लैमिंगो कलरव करते हुए।

अधिकारी रामगढ़ पचवारा तथा उपवन संरक्षक वी केतन कुमार और पक्षिवीद डॉ सुभाष पहाड़िया मौजूद रहे। डॉ सुभाष पहाड़िया ने कलेक्टर सभागार में मोरेल बांध की जैव विविधता और प्रवासी पक्षियों को लेकर प्रजेंटेशन दिया तथा बांध में 8 फिट पानी रिजर्व रखने की मांग रखी। जिसे आम सहमति से स्वीकार कर कलेक्टर द्वारा नहर खोलने के आदेश दिए। राजेश पायलट राजकीय महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुभाष पहाड़िया पिछले चार सालों से मोरल बांध के संरक्षण के लिए प्रयासरत थे। हाल ही में डॉ पहाड़िया द्वारा संभागीय आयुक्त को पत्र लिखकर भी बांध के जल को आठ फिट रिजर्व रखने की मांग की गई थी। डॉ सुभाष पहाड़िया ने बताया की मोरेल बांध में आठ फिट पानी रिजर्व रखने से पक्षी प्रेमी बहुत खुश है। अब यहां प्रवासी पक्षी स्वच्छंद विचरण कर पाएंगे ।बांध में पानी रहने से पक्षियों के लिए हैबिटाट विकसीत होगा।कई पक्षी प्रजातियां यहां प्रजनन करेगी और उनकी संख्या में वृद्धि होगी। ग्रीष्म ऋतु में जीव जंतुओं के लिए पीने के पानी का संकट नहीं होगा। स्थानीय भू जल स्तर में वृद्धि होंगी।

141वीं जयन्ती पर विशेष

किसान-मजदूर के दीनबंधु-चौधरी छोटूराम

चौधरी छोटूराम अद्भुत व्यक्तित्व के धनी थे। किसान वर्ग द्वारा उन्हें कृषकों का मसीहा, रहबरे आजम तथा श्रमिक व दलित वर्ग ने दीनबंधु की उपाधियों से सम्मानित किया था। उनके लिए जाति या धर्म विशेष का कोई अन्तर नहीं था, जिसकी जीविका का मुख्य आधार कृषि है, वही किसान है। चौधरी छोटूराम वास्तव में महान् कर्मयोगी थे। उन्होंने जीवन पर्यन्त पंजाब, यूपी व राजस्थान (उत्तरी भारत) के किसान श्रमिकों तथा दलित शोषित वर्ग के हित में तत्कालीन अंग्रेजी सरकार से भूमि व ऋण उन्मोचन तथा लगान एवं अनेकों लाग-बाग करों से कानून बनवाकर, मुक्ति दिलायी। उनके सहयोग एवं सुधारों से प्रभावित होकर अंग्रेजों ने 1937 में नाइट या सर की उपाधि से अलंकृत किया था।

छोटूराम का जन्म 24 नवम्बर, 1881 को माता हरकी देवी व पिता सुखीराम, ग्राम सांपला, तहसील झज्जर (रोहतक) वर्तमान हरियाणा में हुआ था। पिता कर्जे एवं मुकदमों में फँसे होने से आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। उनकी प्राथमिक शिक्षा झज्जर में तथा आगे की पढ़ाई क्रिश्चन मिशन स्कूल में हुयी और सन् 1905 में सेन्ट स्टीफन कॉलेज दिल्ली से स्नातक किया था। उनका जन्म का का नाम राम रिछपाल था। किन्तु परिवार में सबसे छोटे होने से उन्हें प्यार से छोटूराम बोला जाता था। स्कूल में दाखिले के वक्त भी यही नाम लिखा दिया गया। आगे छोटूराम के नाम से पंजाब-हरियाणा ही नहीं बल्कि उत्तरी भारत में किसान कमेरा वर्ग के हितैषी नेता के रूप में प्रसिद्ध हुए। उन्होंने 1907 में आगरा (यू.पी.) से कानून की पढ़ाई कर डिग्री हासिल की।

विधि की उपाधि प्राप्त करने के बाद उन्होंने, काला-कांकर के राजा रामपालसिंह के यहाँ निजी सचिव के रूप में कार्य किया और साथ-साथ यहीं से 1907 में अंग्रेजी अखबार 'हिंदुस्तान' का सम्पादन भी किया था। तदुपरांत 1912 में अपने मित्र चौधरी

यादराम सिंह यादव

लालचन्द के साथ आगरा में वकालत शुरू की एवं इसी वर्ष जाट महासभा का गठन किया। उसके बाद सन् 1916 में उन्होंने 'जाट गजट' नामक साप्ताहिक अखबार हिंदी में रोहतक से प्रारम्भ किया। वह अखबार में मजदूर-किसानों की समस्याओं को उठाते थे। अंग्रेजी सरकार तथा जमींदारों साहूकारों व सूदखोरों की गलत नीतियों के द्वारा शोषण दमन के विरूद्ध तीखे कटाक्ष भरे लेख लिखते थे।

'जाट गजट' हरियाणा का सबसे पुराना अखबार है, जो 106 वर्ष बाद आज भी प्रकाशित हो रहा है। इस पत्र को अंग्रेजी दौर में साप्ताहिक रूप से प्रकाशन के समय पन्द्रह सौ प्रतियाँ छपना शुरू हुयी थी। इसका उद्देश्य तो विशेषकर जाट जाति के उत्थान के लिए था किन्तु बाद में वह जमींदार पार्टी का कट्टर समर्थक बन गया। छोटूराम ने किसानों की जमीन गिरवी रखने, उन्हें बंधुआ मजदूरी कराने के लिए साहूकारों द्वारा उत्पीड़न करने के खिलाफ आवाज उठायी। अपने पत्र में वह भ्रष्ट सरकारी अफसरों, सूदखोर, महाजनों के शोषण के विरूद्ध लेख लिखते थे। उन्होंने कोर्ट में भी इन शोषकों के विरूद्ध अनेक मुकदमें लड़े व जीते थे। सर छोटूराम ने अंग्रेजों से ही मोरों के शिकार पर भी पाबन्दी लगवा दी थी। इनके प्रमुख लेखों के शीर्षक 'मोर बचाओ', 'ठगी के

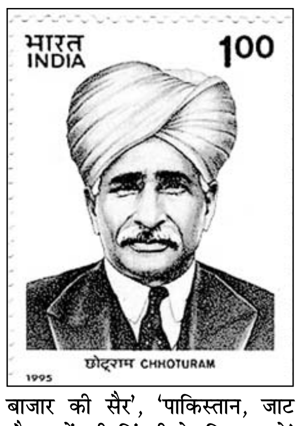

बाजार की सैर', 'पाकिस्तान, जाट नौजवानों की जिंदगी के लिए नुस्खे' आदि थे। सर छोटूराम अपने लेखों से साहूकार ही नहीं अंग्रेज अफसरों के विरूद्ध भी आम जनता में राष्टीय चेतना जगाते थे।

छोटूराम गांधीजी के असहयोग आन्दोलन 1920 से सहमत नहीं थे। उनका तर्क था कि इससे गरीब किसानों व श्रमिकों का कोई फायदा होने वाला नहीं है। इसलिए वह स्वयं कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर अलग हो गये। परन्तु मत भेदों के बावजूद वह गांधीजी के प्रशंसक भी थे।

सर छोटूराम ने किसानों के हित में दो बड़े महत्त्वपूर्ण कानून अंगेजों से पास कराये थे। '411' दी पंजाब रिलीफ इनडैब्टनैस एक्ट, 1934; '421' दी पंजाब डेब्टर्स प्रोटेक्शन एक्ट, 1936, इससे पूर्व पंजाब लैण्ड रैवन्यू एमैन्डमेन्ट एक्ट 1929 भी पास कराया था। इन कानूनों के लागू होते ही किसानों को साहूकारों के शोषण से मुक्ति मिली थी। इन कानूनों के तहत् किसानों की कर्जामुक्ति एवं जमींदारों-साहूकारों व सूदखोरों से गिरवी रखी जमीनें किसानों को वापस मिली एवं वे जमीनों के मालिक बन गये। इसके तहत् किसानों द्वारा जमींदारों-साहूकारों से लिया गया ऋण नकद या जमीन गिरवी रखने पर ऋण की दो गुनी रकम चुकाने पर ऋण एवं भूमि मुक्ती का प्रावधान किया गया था। इससे हजारों किसानों, जमींदारों, साहुकारों के चंगुल से मुक्त हो गये। यह व्यवस्था 'दाम-दु पट्टा' कहलाती थी। इसके अलावा छोटूराम ने बालश्रम एवं बंधुआ मजदूरी पर कानून बनाकर पाबन्दी लगवायी। मजदूरों को काम के 8 घंटे तय किये गये एवं सप्ताह में एक छुट्टी का नियम बनवाया।

सर छोटूराम ने अंगेजों के लिए द्वितीय विश्व युद्ध में उनकी मांग पर 22,000 से अधिक युवक सेना में भर्ती कराये। इनकी वफादारों से खुश होकर अंग्रेजों ने भांखड़ा नांगल बांध के निर्माण एवं सतलज नदी के पानी के लिए जिस पर बिलासपुर 'एच.पी.' के राजा का अधिकार था। छोटूराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर राजा से लिखित में समझौता कराके पानी का अधिकार प्राप्त किया था। उन्होंने दलित शिक्षित युवकों को ऊँचे-ऊँचे पद देकर अपनी उदारता व दलित प्रेम का परिचय दिया। छोटूराम ने स्वयं एक गांव में जाकर अछूतों को कुएँ पर चढ़ाया जाकर पानी भरवाना शुरू किया। उन्होंने अंग्रेजों से संघर्ष/आन्दोलन करके तत्कालीन समय में प्रचलित साहूकारों जमीदारों द्वारा गरीब किसानों मजदूरों से वसूले जाने वाले अनेकों व्यवसाय कर एवं लाग-बाग आदि जैसे कुम्हारों पर 'चाक-लाग', भेड बकरी पालकों पर 'कतरन लाग', दलित बुनकरों पर 'बुनकर लाग', नाइयों पर 'कतरन-लाग' को खत्म करार के शोषण से मुक्ति दिलायी।

छोटूराम ने कौमी एकता के लिए सभी पिछडी जातियों को 'अजगर' नाम देकर, अत्र अहीर, जत्र जाट, गत्र गुर्जर एवं रत्र राजपूत और रोड़े सभी कृषक जातियों को संगठित कर एक कराने का प्रयास किया। वह साम्प्रदायि ऐकता के भी प्रतीक थे। वह एक साधारण व्यक्ति थे किन्तु उन्होंने मजदूर किसानों के हित में असाधारण कार्य किये। सन् 1937 में झज्जर के जुझारू नेता चौधरी छोटूराम पहले विकास, शिक्षा व राजस्व मंत्री बने थे। उस समय अंग्रेजी सरकार ने किसानों की उपज गेहूँ की खरीद का मूल्य 6 रु. प्रतिमन घोषित किया। किन्तु छोटूराम ने किसानों के हित में अंगेजों से सीधे टक्कर लेकर 10 रु. प्रतिमन करने को कहा। नहीं करने पर किसानों की खेतों में खडी फसल जलाने की अंगेजों को धमकी दी। अन्त में अंग्रेजी सरकार झुकी और गेहूँ का खरीद मूल्य 11 रु. प्रतिमन घोषित किया गया।

28 मार्च, 1944 को जिन्ना ने पंजाब प्रांत के प्रधानमंत्री खिजर हयात खां पर पाकिस्तान में शामिल होने का दबाव बनाया किन्तु चौधरी छोटूराम के निर्देश पर प्रधानमंत्री हयात खां के द्वारा जिन्ना को 24 घंटे में पंजाब छोड़कर निकल जाने का आदेश करवाया। जिन्ना को आदेश की पालना में पंजाब से बाहर निकलना पड़ा। अहंकार की मूर्ति जिन्ना का ऐसा अपमान व प्रतिष्ठा मिट्टी में मिल गयी थी। क्योंकि पंजाब में हिन्दू-मुस्लिम बड़े प्रेम एवं एकता से मिल-जुलकर रह रहे थे। सन् 1924 से 1945 '422 वर्ष' तक पंजाब की राजनीति में अकेले सूर्य, चौधरी छोटूराम का 9 जनवरी, 1945 को 63 वर्ष 6 माह की आयु में निधन हो गया। वह आजीवन किसानों एवं कमेरा वर्ग के हित में कार्य करते रहे। वह एक सफल वकील/पत्रकार, प्रखर वक्ता एवं राजनीतिज्ञ तथा समाजसेवी थे। उनके स्तर का जमीनी नेता तत्कालीन समय में कोई नहीं था। वह वास्तव में किसानों, गरीब कमेरा वर्ग, दलितों के मसीहा थे। भारत सरकार के डाकतार विभाग ने उनकी स्मृति में सन् 1995 में एक डाक टिकट जारी कर सम्मानित किया है। वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उनके ग्राम सांपला में 64 फुट ऊँची प्रतिमा का अनावरण किया है। ऐसे महान व्यक्तित्व, बहुजनहितैशी महापुरुष बिरले ही पैदा होते हैं। आओ जो उनकी जयन्ती पर सादर श्रद्धा स ुमन अर्पित करते हैं।

–यादराम सिंह यादव,
वरिष्ठ लेखकेवं स्वतंत्र पत्रकार

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 24 नवम्बर, 2022

मार्गशीष मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, अनुराधा नक्षत्र सांय 7:37 तक, अतिगंड योग दिन 12:19 तक, किस्तुघ्न करण दिन 3:02 तक, चन्द्रमा वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-वृश्चिक, गुरू-मीन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 7:37 तक है। आज शुक्र उदय रात्रि 12:15 पर होगा। आज रूद्रव्रत (पीडिया व्रत), भगवान पुष्प दन्त जन्म और तप कल्याणक दिवस (जैन) है और भैरव षटगत उत्सव आरम्भ होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:16 तक, चर 10:54 से 12:13 तक, लाभ-अमृत 12:13 से 2:51 तक, शुभ 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:57, सूर्यास्त 5:30

मेष

परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वाणी की कटुता के कारण परिवार में तनाव हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कर्क

परिवार में मांगलिक और महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में संदेश प्राप्त होंगे।

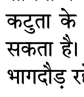

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

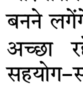

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

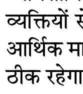

धनु

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

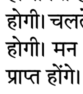

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

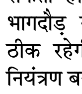

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यक्तिगत कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

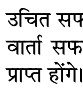

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

एनएसएस कार्यशाला का शुभारंभ

छीपाबड़ौद, (निसं)। छीपाबड़ौद मे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के सानिध्य में बुधवार को एनएसएस कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला उपखंड कार्यालय छीपाबड़ौद के सभागार में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के प्रभारी रतन सोनी वरिष्ठ विशेषज्ञ समठा शिक्षा ने बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ तहसीलदार शंभूदयाल मित्तल एवं अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भगवत किशोर नामदेव के द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं वंदना के साथ किया गया। इस एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर की निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जा रहा है इसमें प्रत्येक पीईईओ परिक्षेत्र से 7 अध्यापकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भगवत किशोर नामदेव ने अपने उद्बोधन में बताया कि, आप सभी शिक्षक पूर्ण मनोयोग से इस कार्यशाला के बिंदुओं पर चर्चा करें और प्रशिक्षण प्राप्त करें तथा आपसे आशा है कि इस प्रशिक्षण के उपरांत में अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं में अपेक्षित परिवर्तन लाने के प्रयास करेंगे।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांकः-उ.आ.आ./को.वृ.को./2022-2023/3348 — जाहिर आम सूचना — दिनांकः 23.11.22

आवास संख्या 357 एमएनसीपी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्रीमती कुलसुम बेगम पत्नी श्री शैदा मोहम्मद को किया गया। श्रीमती कुलसुम बेगम द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये इकरारनामा, मुख्तारनामा एवं वसीयतनामा आलेखित कर दिनांक 12.11.2002 को श्री मोहनलाल पुत्र श्री रघुनाथ को किया गया। श्री मोहनलाल की मृत्यु दिनांक 04.08.2005 को हो गयी, मृत्युपरांत श्री मोहनलाल की पत्नी श्रीमती मनभर बाई पत्नी स्व. श्री मोहनलाल द्वारा समस्त मूल दस्तावेज क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र तथा अन्य सभी वारिसानों के अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का नियमितिकरण अपने स्वयं के पक्ष में करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती मनभर बाई पत्नी स्व. श्री मोहनलाल के नाम करने में किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती मनभर बाई पत्नी स्व. श्री मोहनलाल के नाम किए जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का नियमितिकरण श्रीमती मनभर बाई पत्नी स्व. श्री मोहनलाल के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3344 — जाहिर आम सूचना — दिनांक - 23.11.22

आवास संख्या 4-एफ-16 दादाबाड़ी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री नन्द किशोर दाधीच पुत्र श्री ज्योति स्वरुप दाधीच को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री नन्द किशोर दाधीच पुत्र श्री ज्योति स्वरुप दाधीच के नाम दिनांक 19.04.2002 को किया गया। श्री नन्द किशोर दाधीच पुत्र श्री ज्योति स्वरुप दाधीच की मृत्यु दिनांक 17.08.2006 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत उनके समस्त वारिसानों श्रीमती शिव कान्ता पत्नी स्व. श्री नन्द किशोर दाधीच, श्री शिवशिव दाधीच पुत्र स्व. श्री नन्द किशोर दाधीच, श्रीमती अरुंधती दाधीच पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर दाधीच पत्नी श्री संजय शर्मा व श्री तपोधन दाधीच पुत्र स्व. श्री नन्द किशोर दाधीच द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) आलेखित कर दिनांक 22.07.2022 को अपने भाई व पुत्र श्री अश्वत्थामा दाधीच पुत्र स्व. श्री नन्द किशोर दाधीच के पक्ष में किया गया। श्री अश्वत्थामा दाधीच पुत्र स्व. श्री नन्द किशोर दाधीच द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) के आधार पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) के आधार पर श्री अश्वत्थामा दाधीच पुत्र स्व. श्री नन्द किशोर दाधीच के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) के आधार पर श्री अश्वत्थामा दाधीच पुत्र स्व. श्री नन्द किशोर दाधीच का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) के आधार पर श्री अश्वत्थामा दाधीच पुत्र स्व. श्री नन्द किशोर दाधीच के नाम मंडल अभिलेख में दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3298 — जाहिर आम सूचना — दिनांक - 17.11.22

आवास संख्या 4-एल-2 महावीर नगर तृतीय कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री रमाकान्त पुत्र श्री दीन दयाल को किया गया। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती भावना चंचलानी पत्नी श्री मनोज कुमार चंचलानी के नाम दिनांक 07.03.1995 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती भावना चंचलानी पत्नी श्री मनोज कुमार चंचलानी द्वारा दिनांक 07.04.1995 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरांत श्रीमती भावना चंचलानी पत्नी श्री मनोज कुमार चंचलानी द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 14.06.2021 को श्री योगेश खण्डेलवाल पुत्र श्री रामपाल खण्डेलवाल को किया गया। श्री योगेश खण्डेलवाल पुत्र श्री रामपाल का नाम दिनांक 29.10.2021 को उक्त आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज किया जा चुका है। तत्पश्चात श्री योगेश खण्डेलवाल पुत्र श्री रामपाल खण्डेलवाल द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 16.06.2022 को श्री राम मुकेश मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा, श्रीमती मावा मीणा पत्नी श्री दीपज्ञान मीणा एवं श्री दीपज्ञान मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा को संयुक्त रुप से किया गया। श्री राम मुकेश मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा, श्रीमती मावा मीणा पत्नी श्री दीपज्ञान मीणा एवं श्री दीपज्ञान मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास के मंडल अभिलेख में अपना नाम विक्रय पत्र के आधार पर संयुक्त रुप से दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास को विक्रय पत्र के आधार पर श्री राम मुकेश मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा, श्रीमती मावा मीणा पत्नी श्री दीपज्ञान मीणा एवं श्री दीपज्ञान मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा के नाम मंडल अभिलेख में संयुक्त रुप से दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री राम मुकेश मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा, श्रीमती मावा मीणा पत्नी श्री दीपज्ञान मीणा एवं श्री दीपज्ञान मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा का नाम संयुक्त रुप से दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री राम मुकेश मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा, श्रीमती मावा मीणा पत्नी श्री दीपज्ञान मीणा एवं श्री दीपज्ञान मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा के नाम मंडल अभिलेख में संयुक्त रुप से दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांकः-एफ11/विक्रय/2022/2368 — दिनांकः-15.11.22

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा श्रीरामकृष्णपुरम-ए आवासीय योजना के भूखंड संख्या 526 का दिनांक 29.04.1997 को श्री सुरेश शर्मा पुत्र श्री माधव लाल शर्मा के नाम आवंटन किया गया था। श्री सुरेश शर्मा पुत्र श्री माधव लाल शर्मा द्वारा उक्त भूखंड जर्ये मुख्तारआम श्रीमती मन्जु महावर पत्नी श्री हरीश महावर द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 16.09.2022 को श्री नितिन महावर पुत्र श्री हरीश महावर को विक्रय कर दिया गया है। अत: श्री नितिन महावर पुत्र श्री हरीश महावर द्वारा उक्त भूखंड का स्वामित्व अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरीये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 526 श्रीरामकृष्णपुरम-ए आवासीय योजना का नामहस्तान्तरण श्री नितिन महावर पुत्र श्री हरीश महावर के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांकः-एफ 5/पुनर्वास/2022/1004 — विज्ञप्ति — दिनांकः-16.11.22

नगर विकास न्यास कोटा की योजना उडिया बस्ती तलवंडी पुनर्वास का भूखंड/आवास संख्या 61 को आवंटन/नीलामी न्यास के पत्र दिनांक 1024 को श्री किशन ठाकुर पुत्र श्री मीना ठाकुर को आवंटन किया गया था। आवंटी श्री किशन ठाकुर पुत्र श्री मीना ठाकुर की मृत्यु दिनांक 10.12.2013 को हो चुकी है। मृत्यु उपरांत आवंटी के विधिक वारिसान पत्नी श्रीमती सुखली बाई पत्नी स्व. किशन ठाकुर द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, रिलीज डीड, वारिसान शपथ पत्र, आई.डी. इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखंड/आवास अपने नामान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नामहस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड/आवास संख्या 61 योजना उडिया बस्ती तलवंडी पुनर्वास की इस नामहस्तांतरण स्वीकृति श्रीमती सुखली बाई पत्नी स्व. किशन ठाकुर के नाम जारी कर दिया जावेगा।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांकः-एफ-15/कृ.भू.रू./2022/1756 — विज्ञप्ति — दिनांकः-22.11.2022

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम भदाना में स्थित कृषि भूमि योजना बापू कालोनी खसरा नं. 67 में स्थित भूखंड संख्या 7-सी व 7-ए आवेदिका श्रीमती विमला रानी देवरा पत्नी श्री यशपाल देवरा निवासी 12 बापू कालोनी रंगपुर रोड कोटा जं. द्वारा पट्टा जारी करने हेतु पत्रावली प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत पत्रावली में संलग्न दस्तावेज के अनुसार खातेदार रामेश्वर प्रसाद शृंगी पुत्र श्री राम गोपाल द्वारा इकरारनामा 13.11.1972 को भैरु लाल मीणा पुत्र श्री रामहेत को बैचान किया गया। भैरु लाल द्वारा इकरारनामा दिनांक 15.09.1996 को यशपाल देवरा पुत्र श्री रामनाथ देवरा व श्रीमती विमला पत्नी श्री यशपाल देवरा को बैचान किया गया। सहक्रेता यशपाल देवरा की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 17.04.2014 को हो चुकी है। मृतक के वारिसानों द्वारा आवेदक तथा सहक्रेता विमला रानी देवरा के पक्ष में रजिस्टर्ड रिलिज डीड निष्पादित की है।

अत: श्रीमती विमला रानी देवरा पत्नी श्री यशपाल देवरा के पक्ष में पट्टा जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांकः-353 — नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना — दिनांकः-18.11.022

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना विनोबा भावे नगर "निर्धन को आंगन" आवासीय भूखंड संख्या 536 का आवंटन श्री नरेन्द्र कुमार नागर पुत्र श्री रामकल्याण नागर को आवंटन पत्र क्रमांक 795 दिनांक 05.09.2011 को किया गया था। आवंटी श्री नरेन्द्र कुमार नागर पुत्र श्री रामकल्याण नागर द्वारा उक्त भूखंड का विक्रय श्री मनोज कुमार पुत्र श्री सदाशिव को किया गया था। विक्रय उपरांत श्री मनोज कुमार पुत्र श्री सदाशिव की मृत्यु दिनांक 26.07.2022 को हो चुकी है। मृत्यु उपरांत क्रेता के वसीयती हकदार श्री गोपाल नागर पुत्र श्री मनोज कुमार नागर द्वारा वसीयत नामा, हकत्याग पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति पेश कर नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड संख्या 536 विनोबा भावे नगर "निर्धन को आंगन" योजना का हस्तान्तरण श्री गोपाल नागर पुत्र श्री मनोज कुमार नागर के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांकः-1010 — नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना — दिनांकः-22.11.022

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा भूखंड/आवास संख्या 603 श्रीनाथपुरम-बी योजना में आवंटन न्यास के पत्र दिनांक 13.02.1996 को श्रीमान रमेशचन्द रेगर पुत्र श्री देवीलाल रेगर के नाम से आवंटन किया गया था। आवंटी श्रीमान रमेशचन्द रेगर पुत्र श्री देवीलाल रेगर द्वारा उक्त भूखंड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री बीरम गुर्जर पुत्र श्री कालू गुर्जर द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 24.04.2006 को श्रीमती चन्द्रकला उर्फ चन्द्री बाई पत्नी श्री बीरम जी को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता श्रीमती चन्द्रकला उर्फ चन्द्री बाई पत्नी श्री बीरम जी द्वारा उक्त भूखंड के नामहस्तान्तरण की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 603 योजना श्रीनाथपुरम-बी का नाम हस्तान्तरण श्रीमती चन्द्रकला उर्फ चन्द्री बाई पत्नी श्री बीरम जी के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

चोरी व लूट की वारदात का खुलासा, चार गिरफ्तार

बूंदी पुलिस ने चोरी व लूट की वारदात का खुलासा कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बून्दी, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने पिछले दिनों कापरेन व लाखेरी कस्बे सहित बून्दी जिले में हुई चोरी, नकबजनी व लूट की घटनाओं को गम्भीरता से लेते हुए उक्त अपराधियों पर कार्यवाही करने, अपराध के खुलासा करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन व वृताधिकारी के.पाटन के निकटतम सुपरविजन में विशेष पुलिस टीम का गठन कर निर्देश दिये थे। इस पर बुधवार को बून्दी पुलिस की विशेष टीम ने लूट-डकैती गैंग का खुलासा कर चार हिस्ट्रीशीटर आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपीगण ने मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात व कर्नाटक राज्यों में दो दर्जन से भी अधिक वारदात करना स्वीकार किया है। गैंग सरगना भिसन सिंह भील पर एरोड्रम इन्दौर पर डकैती के दो प्रकरणों में डेढ साल से फरार होने से 10 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया हुआ है। आरोपीगण से अन्य वारदात के सम्बंध में अनुसंधान व पूछताछ जारी है।

पुलिस अधीक्षक जय यादव ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया किफरियादी दीपक बागडा निवासी शिवनगर कापरेन थाना कापरेन ने रिपोर्ट पेश की कि मेरा मकान रिद्धी सिद्धी कोलोनी शिवनगर कापरेन में स्थित है। रात्रि 2.30 बजे करीब मेरे मकान मे 4 व्यक्ति ऊपर की बालकनी मे चढकर खिडकी की ठिाल तोडकर अन्दर घुस गये तथा मेरे मकान की गोदरेज आलमारी का ताला तोडा तो मेरी निंद खुल गई तो मेरे सामने 2 व्यक्ति धारदार हथियार, सरिया लेकर खडे थे। 2 व्यक्ति मकान में गोदरेज के सामान बिखेर रहा था। मेरी निंद खुलते ही सामने खडे डकेतो ने धमकी दी कि चुपचाप बैठ जा वरना गोली मार देंगे। आवाज सुनकर मेरी पत्नी किरण भी जाग गई। तो हम दोनो पति- पत्नी के आरोपियो ने हथियार रख दिया। तथा कमरे में आलमारी में रखा सुटकेस ले लिया तथा हमसे पुछा कि सोने व चांदी के सामान कहा रखे है। तथा मैंने सोने की चेन पहन रखी थी जो छीन ली।

पत्नी ने भी सोने की चेन व कान के पहन रखे थे। जो आरोपियो ने खुलवा लिये। आरोपी जो सुटकेस लेकर गये है, उसमें 57,000 रुपये नकदी, सोने के आभुषण में गले का हार, चिक सेट, 4 चुडी, 2 पाटला, 2 सिक्का, 4 चेन, 2 मंगलसूत्र, 7 अंगुठी, 4 जोडी कान से, रकडी, 1 टीका, 2 नथ व चांदी के आभुषण मे चांदी की बच्चो व पत्नी की कुल 24 पायल (करीब 3 किलो) रखी थी। जिन्हे ले गये तथा मेरे मोबाईल कि सिम निकाल गये। एवं मोबाईल को टीवी की दराज में रख गये। आलामं बजने पर फोन का पता चला। सुटकेस के अन्दर सोने चांदी के आभुषण के बिल भी रखे हुए थे।

सार-समाचार

भाजपा की बैठक संपन्न

कोटा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी की जन आक्रोश यात्रा रैली को लेकर जयपुर में प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में कोटा शहर से जन आक्रोश यात्रा रैली के जिला संयोजक जगदीश जिंदल सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे। जगदीश जिंदल ने बताया कि जयपुर में बैठक में प्रतिपक्ष नेता गुलाब चंद कटारिया, प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने बताया कि 1 दिसंबर से 20 दिसंबर तक जन आक्रोश यात्रा रैली के तहत रथयात्रा को विभिन्न विधानसभाओं में घुमाया जाएगा। आम सभाएं भी की जाएगी इस आक्रोश रैली रथयात्रा के माध्यम से कांग्रेस के जनविरोधी कार्यों झूठे वादों बिगड़ते कानून व्यवस्था बढ़ता अपराध आदि विषयों को बताया जाएगा। जिला संयोजक जगदीश जिंदल ने, जनाक्रोश यात्रा रैली को लेकर कोटा उत्तर संयोजक लव शर्मा को, तथा कोटा दक्षिण संयोजक विकास शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी। जयपुर बैठक में कोटा शहर से जिला महामंत्री जगदीश जिंदल, नेता प्रतिपक्ष दक्षिण विवेक राजवंशी, नेता प्रतिपक्ष उत्तर लव शर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अनसूईया गोस्वामी सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लॉ कॉलेज स्टूडेंट गौतम भार्गव ने पहली बार स्वैच्छा से की एसडीपी डोनेट

कोटा, (निसं)। कोटा शहर में एसडीपी को लेकर काफी जागरुकता आई है, ऐसे में लोग स्वयं आगे चलकर स्वैच्छा से रक्तदान व एसडीपी के लिए आगे आ रहे हैं। ऐसे में लॉ कॉलेज के स्टूडेंट अपनी प्राचार्य डॉ. क्षिप्रा गुप्ता की प्रेरणा से एसडीपी के लिए आगे आए और सामाजिक सेवा के इस कार्य में अपनी महत्ती भूमिका निभाई। इस कार्य में मददगार बनी टीम जीवनदाता ने डोनर गौतम भार्गव का भरपूर सहयोग किया। टीम जीवनदाता के संयोजक व लायंस क्लब के रीजन चेयरमैन भुवनेश गुप्ता ने बताया कि देवली निवासी मरीज कलावती को डेंगू होने पर उसकी हालत गंभीर हो रही थी, परिजन टीम जीवनदाता के सहसंयोजक वर्द्धमान जैन के सहयोग से उसे लेकर कोटा आए और निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महाविद्यालय का औचक निरीक्षण

बूंदी। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बूंदी में सचिवालय से आए अधिकारी महबूब अली पठान एवं अंकित भादू द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। संस्था में केवल 3 अधिकारी प्रधानाचार्य मुकेश चंद्र राजौरा, सुनील प्रजापत, अवधेश कुमार सिंह प्रवक्ता कंप्यूटर ही उपस्थित पाए गए थे। सचिवालय से निरीक्षण के लिए आई हुई टीम की सूचना मिलने पर अन्य सभी अधिकारी आधे रास्ते से ही घर भाग गए और छुट्टी के प्रार्थना पत्र व बीमार होने संबंधी झूठे प्रार्थना पत्र महाविद्यालय में ईमेल करके फर्जी मेडिकल बनाने बूंदी अस्पताल व डॉक्टरों के घरों की तरफ भागने लगे। अन्य सभी अधिकारी व मंत्रालय कर्मचारी महाविद्यालय में अनुपस्थित पाए गए निम्नलिखित अधिकारी फूलन कुमार, तरुण सिंह, दिलीप जैन प्रवक्ता गणित, सायर हुसैन प्रवक्ता भौतिकी, श्रीमती वंदना प्रवक्ता यांत्रिकी, विकास शर्मा, सुश्री प्रियंका वर्मा, हिमांशु चौहान, हेमंत गौतम, शिवली लाल सैनी, श्रीमती लक्षिता राय प्रवक्ता इलेक्ट्रॉनिक, प्राची सक्सेना, संजय कुमार मीणा इत्यादि कर्मचारी अनुपस्थित थे।

भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों को लेकर शहर कांग्रेस की बैठक आयोजित हुई।

कोटा, (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी द्वारा भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों को लेकर गुमानपुरा स्थित कांग्रेस कार्यालय में शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से बैठक आयोजित की गयी जिसकी अध्यक्षता शहर कांग्रेस अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी ने की जिसमे कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी द्वारा भारत जोड़ो यात्रा सफल बनाने के लिए कॉर्डिनेटर नियुक्त एवं वरिष्ठ नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों,ब्लॉक अध्यक्षों, कार्यकर्ताओं से सुझाव लेकर उनको आवश्यक दिशा-निर्देश देकर उनको जिम्मेदारियां दी गयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जहां-जहां प्रदेशों, शहरों से गुजर रही है वहां-वहां पर आमजन का अपार जन समर्थन मिल रहा है कई शहरों में संघ प्रचलित स्कूलों के बच्चे भी राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होकर उनका जबरदस्त स्वागत करने के लिए बढ़-चढ़कर भाग ले रहे। रविन्द्र त्यागी ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से भाजपा की सरकारों, नेताओं की नींद उड़ी हुई है घबराई हुई मोदी सरकार गुजरात की गलियों में समर्थन के लिए भटकना पड़ रहा है उनको धक्के खाने पड़ रहे है मोदी सरकार की कार्यगुजारी को जनता समझ चुकी है आनन-फानन में मोदी सरकार कांग्रेस के नेताओं को बदनाम करने की नाकाम कोशिश कर रही, देश महंगाई, बेरोजगारी, भुखमरी, घटती विकास दर से आमजन त्रस्त हो चुका है देश के आमजन, युवा राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखने को आतुर है रविन्द्र त्यागी ने कहा कि देश का अगला प्रधानमंत्री राहुल गांधी होंगे। रविन्द्र त्यागी ने सभी कांग्रेसजनों, वरिष्ठ नेताओ, ब्लॉक अध्यक्षों से सुझाव लेकर भारत जोड़ो यात्रा को अनुशासित होकर सफल बनाने के लिए तथा आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने, कोटा के विकास कार्यों की झलकियों को यात्रा मार्ग में शामिल के लिए कार्यकर्ताओं,वार्ड पार्षदों, पदाधिकारियों से वार्ड वाइज मीटिंग करने का आव्हान किया।

सिद्धार्थ दीक्षित का किया सम्मान

कोटा, (निसं)। जिला स्तरीय 66वीं राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में एसआर स्कूल के छात्र सिद्धार्थ दीक्षित ने कोटा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीतने पर भाटिया एंड कंपनी के निदेशक प्रेम भाटिया ने सिद्धार्थ दीक्षित को माला दुपट्टा प्रतीक चिन्ह देकर उपहार व पारितोषिक भेट कर सम्मानित किया। राम भाटिया ने बताया कि खेलों में मेडल लाने वाले बच्चों को हमारी कंपनी मोटिवेट करती है और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हमेशा सहयोग करती हैं सिद्धार्थ ने गोल्ड मेडल जीत स्कूल व परिवार का नाम रोशन किया जिस पर मुझे गर्व है अब सिद्धार्थ राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेगा। इस अवसर पर सिद्धार्थ के पिता धर्मेंद्र दीक्षित माता वर्षा दीक्षित भी उपस्थित थे

रामकथा के पोस्टर का विमोचन

कोटा, (निसं)। कंसुआ रायपुर स्थित मोटे महादेव सिद्ध स्थान आश्रम पर 25 नवंबर से आयोजित श्रीराम कथा के पोस्टर का विमोचन लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी ने किया। इस अवसर पर मोटे महादेव आश्रम के महंत दशरथ दास महाराज, मॉर्निंग क्लब शिवाजी पार्क के अध्यक्ष धर्मेंद्र दीक्षित, फल मंडी अध्यक्ष ओम मालव, कैलाश कहार, आदि उपस्थित थे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री गुलाबचंद जैन पुत्र श्री कन्हैया लाल जैन की आराजी खसरा संख्या 584 रकबा 0.18 हेक्टेयर के ग्राम कसार तहसील लाडपुरा जिला कोटा (राज) से संबंधित मूल विक्रय पत्र जो उप पंजीयन पंजीयक मंडाना कोटा के यहां दिनांक 29-01-2007 को क्रेता श्री गुलाबचंद जैन पुत्र श्री कन्हैया लाल जैन निवासी ए-55, तलवंडी कोटा (राज.) के पक्ष में पंजीकृत करवाया था कहीं गुम हो गया है। सूचित हो।

एडवोकेट आर.पी. मीणा
एडवोकेट राज. हाईकोर्ट, 207, अजय आहुजा नगर Ext., रंगबाड़ी, कोटा-8829072604

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारान श्रीमती करुणा शर्मा पत्नी स्व. श्री मनीष कुमार शर्मा एवं सार्थ शर्मा एवं पार्थ शर्मा (नाबालिग) पुत्रान स्व. श्री मनीष कुमार शर्मा, जर्ये वली माता श्रीमती करुणा शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी मकान नम्बर 17 गणपति रेजीडेन्सी रिद्धि-सिद्धि नगर 1 कुन्हाड़ी (राज.) के पति एवं पिता श्री मनीष कुमार शर्मा के स्वामित्व का एक मकान नम्बर 17 गणपति रेजीडेन्सी रिद्धि-सिद्धि नगर 1 कुन्हाड़ी (राज.) में स्थित है, जिस पर मेरे पक्षकारान के पति एवं पिता स्व. श्री मनीष कुमार शर्मा ने HDFC Ltd. कोटा से ऋण लिया हुआ था जिसका ऋण खाता सं. 616137034, 624715859 है तथा उक्त वर्णित मकान के समस्त असल दस्तावेजात HDFC Ltd. कोटा में रहन (MORTGAGE) कर रखे है तथा मेरे पक्षकारान के पति एवं पिता श्री मनीष कुमार शर्मा का देहावसान दिनांक 01.04.2022 को हो चुका है तथा उक्त मकान के पेटे लिए गए ऋण की पूर्ण अदायगी HDFC Ltd. कोटा को की जा चुकी है, इसलिये उक्त भूखंड के समस्त असल दस्तावेज मेरी पक्षकारा श्रीमती करुणा शर्मा पत्नी स्व. श्री मनीष कुमार शर्मा प्राप्त करना चाहती है, यदि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस की अवधि में HDFC Ltd. कोटा फोन नं. 0744243698 पर अथवा मुझे सम्पर्क करें, कृपया सूचित हो।

कोटा
दिनांक : 23.11.2022

भवदीय
गोविन्द नामदेव एडवोकेट
मो. 9414284515

कोटा में गूंजेगी रेल कर्मियों की आवाज

कोटा, (निसं)। वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन 2 व 3 दिसम्बर को होगा कोटा में। मण्डल सचिव अब्दुल खालिक ने बताया है कि आगामी 2 व 3 दिसम्बर को वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन कोटा में आयोजित किया जा रहा है इस अधिवेशन में जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मण्डल के हजारों रेल कर्मी उपस्थित रहेंगे ये रेल कर्मी अपनी लम्बित मांगो के साथ-साथ कार्यदशा में सुधार सहित संगठन को मजबूत करने की रणनीति बनायेंगे। ज्ञात हो कि कोरोना काल में जब हर ओर काम बन्द था तो रेल कर्मियों ने दिन रात गाड़ी संचालन कर ऑक्सीजन, राहत सामग्री एवं माल ढूलाई लगातार कर अपना अमूल्य योगदान दिया था और इस अवधि में रेलवे ने रिकॉर्ड माल ढूलाई की थी किन्तु फिर भी 18 माह तक महंगाई भत्ता नहीं दिया। पूरानी पेंशन स्कीम की मांग भी जोर पकड़ रही है और रेल कर्मी राजस्थान और छत्तीसगढ़ का उदाहरण दे रहे हैं हाल ही में 17 नवम्बर को रेल मंत्री द्वारा घोषणा हुई कि सुपरवाईजर को अपग्रेडेशन का लाभ 5400 तक मिलेगा किन्तु सुपरवाईजर ग्रेड में अपग्रेडेशन में कई विभागो के सुपरवाईजर इस लाभ से वंचित हो गये हैं उनकी आवाज भी उठेगी। रेलवे में रिक्तियों की संख्या काफी अधिक हो गइ है इस कारण रेल कर्मियों को अधिक कार्य करना पड़ रहा है। निजीकरण के कारण संरक्षा प्रभावित हो रही है। इस अधिवेशन में सामान्य सभा ब्ब्की बैठक सहित युवा सम्मेलन भी आयोजित होगा। 2 दिसम्बर को स्टेशन के सामने खुला क्षेत्र होगा जिसमें राजस्थान सरकार में नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री शांति धारीवाल मुख्य अतिथि होंगें। अध्यक्ष गुमान सिंह एवं महामंत्री डॉ. एम. राघवैया मुख्य वक्ता होंगें। खुले सत्र का उद्घाटन पश्चिम मध्य रेलवे के महा प्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता करेंगे। खुला सत्र से पूर्व रेलकर्मी के विरोध में कोटा वर्कशॉप से एक विशाल रेली भी निकालेंगे।

कारण बताओ नोटिस जारी

कोटा, (निसं)। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक शिक्षा कोटा स्थानीय कार्यालय में प्रोबेशनर ट्रेनी के रूप में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत नीलांशु आहूजा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक शिक्षा प्रदीप चौधरी ने बताया कि नीलांशु आहूजा ने 4 सितम्बर 2017 को कार्यालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यग्रहण किया था। 15 सितम्बर 2017 को एक दिन का आकस्मिक अवकाश प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर आदिनांक तक स्वेच्छा से अनुपस्थित चल रहे हैं। जिसके लिए स्थानीय कार्यालय द्वारा कनिष्ठ सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

किसानों की खुशहाली के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : कृषि विपणन राज्यमंत्री

कृषि उपज मंडी में 12.35 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले विकास कार्यों का कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा ने शिलान्यास किया।

बूंदी, (निसं)। कृषि विपणन एवं संपदा, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग राज्यमंत्री मुरारीलाल मीणा ने कहा कि प्रदेश को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार किसानों को सशक्त करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। किसानों को आर्थिक संबल देने की दृष्टि से कई अभूतपूर्व निर्णय किये हैं। मीणा बुधवार को कुवारेती स्थित कृषि उपज मण्डी परिसर में 12.35 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों के शिलान्यास समारोह में किसानों एवं आमजन को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने आमजन को महंगे उपचार से मुक्ति दिलाने के लिए चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की है। इसके माध्यम से आमजन को 10 लाख रूपए तक का निःशुल्क उपचार मिल रहा है। साथ ही, 5 लाख रूपए तक का दुर्घटना बीमा भी दिया जा रहा है। आईपीडी, ओपीडी में सभी प्रकार के उपचार निःशुल्क कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हर वर्ग और हर तबके को मुख्यधारा में लाने हेतु कल्याणकारी योजनाएं संचालित की है। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल के दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना ने ग्रामीणों को संबल मिला। इसी कड़ी में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारों को रोजगार मुहैया करवाने के लिए राज्य सरकार ने इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना लागू कर बडी राहत दी है। इससे शहर में रहने वाले लोगों को शहर में रोजगार उलब्ध हो रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रदेश के हर वर्ग का भला हो। इसके लिए जनहित में निर्णय लेकर उनकी क्रियान्विति सुनिश्चित की जा रही है। राज्यमंत्री ने कहा कि बूंदी कृषि उपज मंडी में किसानों एवं व्यापारियों की समस्याओं का समाधान कर शीघ्र राहत दी जाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि मंडी में आवागमन के वैकल्पिक मार्ग के लिए दूसरे गेट पर एक करोड की लागत से पुलिया निर्माण करवाया जाएगा। इस दौरान उन्होंने मंडी प्रशासन को संडक किनारे प्लांटेशन करने के निर्देश भी दिए। इससे पहले राज्यमंत्री ने सुबह शहर में स्थित पुरानी कृषि उपज मण्डी का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान किए। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए पूर्व वित्त राज्यमंत्री हरिमोहन शर्मा ने राज्य सरकार किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार उदारता के साथ हर वर्ग के कल्याणार्थ अनेक योजनाओं के माध्यम से राहत देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में राज्य सरकार ने किसानों और गरीबों को इलाज की सुविधा के लिए चिरंजीवी जैसी महत्पूर्ण योजना योजना लागू की हैं। इस योजना से प्रत्येक प्रदेशवासी को इलाज की सुविधा वर्तमान में मिल रही है। बडे बडे अस्पतालों में 10 लाख रूपए तक इलाज की सुविधा दी जा रही है। अरबन कॉपरेटिव बैंक चेयरमैन सत्येश शर्मा ने कहा कि कहा कि आने वाले दिनों में मंडी परिसर में किसानों और व्यापारियों को राहत देने कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ ही आमजन के कल्याण तथा प्रदेश के सर्वांगीण विकास की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। इस दौरान उन्होंने मंडी परिसर में स्थाई पुलिस चौकी स्थापित करने की बात कही। 12.35 करोड़ रुपए का किया शिलान्यासः कृषि विपणन राज्यमंत्री मुरारी लाल मीणा ने बूंदी के कुवारेती में स्थित कृषि उपज मण्डी परिसर में 12.35 करोड की लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस राशि से मंडी परिसर में 692.81 लाख की लागत से कवर्ड ऑक्शन प्लेटफार्म, 246.06 लाख की लागत से प्लेट फार्म नम्बर 6 के चारों ओर सीसी सड़क का निर्माण, 141.49 लाख रूपए की लागत से चार दीवारी को ऊंचा कर वायर फेंसिंग का कार्य तथा 154.95 लाख रूपए की लागत से विशिष्ट श्रेणी बूंदी मुख्य मंण्डी प्रांगण में कार्यालय का निर्माण करवाया जाएगा।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN-L65910KL1992PLC006623, IV/470A (old) W638A(New), Manappuram House, Valapad, Thrissur, Kerala - 680 567.

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.12.2022 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुनः सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

भरतपुर, भरतपुर, 138080700001207, 1332, 1333, 1352, 1358, 1372, 1379, 1380, 138080730011063, 1137, 1139, भरतपुर राजस्थान, 135690700007829, 8128, 8131, 8156, 8157, 8163, 8171, 8176, 8177, 8204, 135690730034046, 4120, 4121, 4242, 4395, 4929, 4985, 5024, 5081, भरतपुर, 138000700001167, 1176, 1198, 1227, 138000730013123, 3756, 3972, कोटा, गुमान पुरा, 112700700028793, 9148, 9251, 9272, 9287, 9290, 9319, 9349, 9355, 9357, 9360, 9366, 9374, 9375, 9381, 9385, 9393, 9402, 9408, 9419, 9423, 9460, 9467, 9469, 9474, 9475, 9480, 9481, 9493, 9495, 9501, 9507, 9525, 9531, 9542, 112700700030107, 0288, 0329, 0427, 0548, 0556, 0685, 0728, 0894, 1007, 1039, 1151, 1193, 1210, 1211, 1226, 1248, 1256, 1291, 1306, 1309, 1325, 1345, 1364, 1365, 1386, 1388, 1389, 1398, 1417, 112700730050175, 0176, 0201, 0599, 0785, 0941, 0985, 0986, 0988, 1140, 1142, 1143, 1144, 1145, 1218, 1219, 1220, 1867, 1897, 1945, 1975, 2151, 2277, 2903, 2917, 2947, 3348, 3535, 3537, 3560, 3613, 3627, 3666, 3674, 3712, 3740, 3794, केशवपुरा कोटा, 114320700021376, 1709, 2211, 2254, 2294, 2397, 2423, 2507, 2531, 2557, 2558, 2564, 2565, 2577, 2578, 2584, 2585, 2589, 2590, 2603, 2605, 2618, 2622, 2623, 2636, 2646, 2648, 2649, 2654, 2662, 2665, 2668, 2674, 2696, 114320730036848, 7296, 7399, 7838, 7839, 8120, 8324, 8335, 8337, 8388, 8389, 8396, 8425, 8427, 8476, 8480, 8481, 8488, 8489, 8505, 8507, 8512, 8513, 8546, 8591, 8609, 8611, 8618, 8619, 8620, 8630, 8666, 8680, कोटा जंक्शन, 112630700022724, 2806, 2833, 2911, 2926, 2939, 2941, 2943, 2954, 2962, 2995, 3001, 3035, 3037, 3051, 3052, 3061, 3067, 3079, 3564, 3798, 3823, 3863, 4069, 4149, 4249, 4287, 4320, 4394, 4509, 4530, 4532, 4606, 4668, 4676, 4697, 4710, 4716, 4725, 4728, 4740, 4741, 4755, 4765, 4776, 4788, 4794, 4796, 4811, 4823, 4829, 4840, 4858, 4863, 4868, 4875, 4882, 4883, 4901, 4904, 4912, 112630730033564, 3648, 3924, 3933, 3936, 3960, 3972, 3984, 4011, 4039, 4050, 4065, 4074, 4085, 4462, 5011, 5115, 5261, 5282, 5289, 5436, 5437, 5443, 5444, 5464, 5469, 5487, 5488, 5566, 5581, 5730, 5798, 6042, 6063, 6082, 6085, 6100, 6120, 6136, 6141, 6153, 6154, 6163, 6165, 6166, 6258, 6259, 6261, नयापुरा कोटा, 112380700022612, 2653, 2736, 2760, 2764, 2772, 2786, 2803, 2811, 2813, 2820, 2831, 2839, 2854, 2875, 2904, 2920, 2927, 2928, 2931, 2940, 2942, 2943, 2945, 3455, 3797, 3859, 3933, 3944, 4004, 4032, 4216, 4243, 4268, 4335, 4360, 4363, 4388, 4389, 4395, 4398, 4405, 4406, 4408, 4411, 4424, 4464, 4466, 4475, 4511, 4513, 4520, 4521, 4528, 4532, 4539, 4541, 4544, 4551, 112380730028415, 8590, 8660, 8661, 8662, 8664, 8665, 8669, 8752, 8774, 8775, 8784, 8809, 8838, 9646, 9934, 112380730030171, 0519, 0529, 0644, 0787, 0830, 0835, 0852, 0876, 0882, 0905, 0907, 0928, 0960, 0962, 0963, 0969, 0974, 0989, 1010, 1011, 1051, 1058, 1059, सवाई माधोपुर, सवाई माधोपुर, 135230700006475, 6579, 6644, 6648, 6649, 135230730036130, 6441, 7324, 7531, 7533, 7552, 7578, 7633, 7865,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 9072604049 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

मंदिर हटाने पर आक्रोशित भीड़ ने पुलिस पर किया पथराव

एएसपी, सीओ सहित चार पुलिसकर्मी चोटिल

आबूरोड, (निसं)। सिरोही जिले के आबूरोड के सातपुर में बुधवार को तालाब की पाल पर बने मंदिर को हाईकोर्ट के आदेश के बाद मंदिर व तालाब पर बने अन्य अतिक्रमण को हटाया गया। बुधवार सुबह 6 बजे से पुलिस का भारी जाब्ता सातपुर पहुंचा। जहां एडीएम कालूराम खौड के नेतृत्व में कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस व प्रशासन की भारी मौजूदगी के बीच लोग लगातार नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस व प्रशासन के अधिकारी लगातार लोगों से समझाइश कर रहे थे। जैसे जैसे समय गुजरता गया लोगों की भीड़ मौके पर जमा होती रही।

मौके पर पहुंचे भाजपा ग्रामीण मण्डल के अध्यक्ष दिनेश खंडेलवाल ने प्रशासन से हनुमान जी की मूर्ति को अन्य मंदिर में शिफ्ट करने को कहा जिसपर पुलिस प्रशासन की टीम ने मूर्ति को निकाल सातपुर के अन्य मंदिर में शिफ्ट की। मौके पर जेसीबी की मदद से मंदिर को तोडा। वही तालाब की जद में आ रहे अन्य अतिक्रमण को भी मौके से तोड़ा गया। कार्रवाई के दौरान आबूरोड-सातपुर मार्ग पर लोग जाम लगाकर बैठे रहे। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर बाद भाजपा व हिन्दू संगठनों के नेताओं ने मंदिर तोडे जाने के विरोध में सांकेतिक रूप से गिरफ्तारी दी। पर स्थानीय लोग सड़क पर जमे रहे।

पुलिस ने लोगों से समझाइश की पर लोग नहीं माने तो पुलिस ने सड़क पर बैठें लोगों को उठाया और अपने घर जाने को कहा। आक्रोषित लोग जैसे

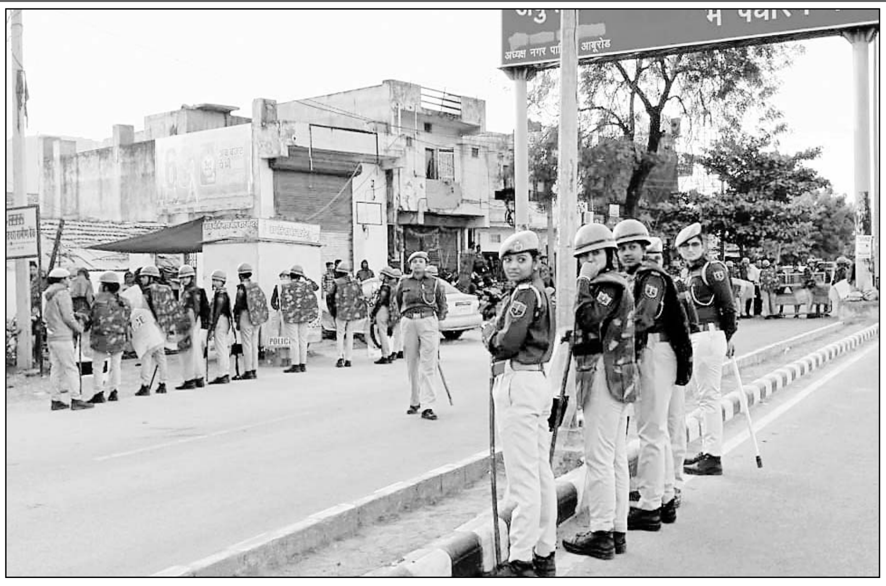

पथराव की घटना के बाद आबूरोड के सांतपुर में पुलिस बल तैनात रहा।

ही गलियों में गए तो गलियों में जाकर पथराव शुरू कर दिया। पथराव में एएसपी देवाराम चौधरी के नाक पर चोट लगी। वहीं माउंट आबू सीओ योगेश शर्मा के मुँह पर चोट लगी। साथ ही अन्य दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। लोगों के पथराव के बाद पुलिस ने मौके पर हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज किया। गलियों में जाकर पुलिस ने पथराव करने वाले करीब 2 दर्जन लोगों को हिरासत में लिया। मौके पर कुछ देर के लिए बने तनाव के बाद पुलिस ने शांति स्थापित की। वही इस दौरान पुलिस कार्रवाई का विरोध करने आए भाजपा नेता अरुण परसरामपुरिया पर भी पुलिस ने लाठिया भांजी। घटना की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर डॉ. भंवरलाल, एसपी ममता गुप्ता भी मौके पर पहुंचे और मौके पर घटना के बारे में जानकारी लेकर राजकीय अस्पताल पहुंचे। जंहा उन्होंने घायल पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों कर बारे में जानकारी ली।

जिला कलैक्टर डॉ. भवरलाल चौधरी ने बताया कि सांतपुर निवासी कांतिलाल उपाध्याय द्वारा हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी कि तालाब की 14 बीघा भूमि पर अतिक्रमण है जिसके बाद हाईकोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। वहीं भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दिनेश खंडेलवाल ने कहा कि हाईकोर्ट का हम सम्मान करते है पर याचिकाकर्ता द्वारा भी अतिक्रमण कर मकान बनाया गया जिसपर पर कार्रवाई नहीं की गई। जिसके विरोध में गुरुवार को आबूरोड बन्द का आव्हान किया गया है बन्द में सभी हिन्दू संगठन शामिल है।

पुलिस द्वारा लाठीचार्ज करने और प्रशासन द्वारा मंदिर हटाए जाने की जानकारी मिलने पर रेवदर विधायक

■ **आबूरोड में हाईकोर्ट के आदेश पर हटाया हनुमान मंदिर**

जगसीराम कोली, आबू-पिण्डवाडा विधायक समाराम गरासिया आबूरोड पहुंचे। जंहा उन्होंने मंदिर तोड़े जाने और पुलिस द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओ और स्थानीय लोगों पर पुलिस द्वारा की गई लाठीचार्ज का विरोध किया। विधायक जगसीराम कोली ने कहा की सरकार हमारी धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है और विरोध करने पर लाठीचार्ज की जा रही है। समाराम गरासिया ने कहा कि यह सरकार हिन्दू विरोधी है।

विधायक ने आरोप लगाया की आज जिस प्रकार से घरों में घुस कर पुलिस ने बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की है। यह उचित नहीं हो सकता है। मंदिर के टूटने से कुछ आक्रोशित भीड़ ने गलत कदम उठाया हो पर पुलिस को समझाइश से मामला सुलझाया जा सकता था। बच्चों और महिलाओं पर घरों में घुस कर मारपीट की गई है। जिसकी निंदा करते है। पुलिस प्रशासन से मांग की के जिन स्थानीय लोगों को पकडा और भाजपा पदाधिकारियों को हिरासत में लिया है पर वो पथराव में शामिल नहीं थे उन्हें तुरंत छोडा जाए। पुलिस की कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया जाएगा कल आबूरोड बन्द का आव्हान किया गया है।

पटवारी एवं उसका दलाल नौ हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी

रामगंजमंडी, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर कोटा इकाई द्वारा बुधवार को कार्यवाही करते हुए प्रीती खूबचंदानी पटवारी पटवार हल्का रीछड़िया, अतिरिक्त प्रभार मण्डा, तहसील रामगंजमण्डी, जिला कोटा को उसके दलाल लेखराज (प्राइवेट व्यक्ति) के माध्यम से परिवादी से 9 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि एसीबी की कोटा इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि भूमि का नामान्तकरण खोलने की एवज में प्रीती खूबचंदानी पटवारी द्वारा उसके दलाल लेखराज के माध्यम से 9 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी, कोटा के पुलिस अधीक्षक आलोक श्रीवास्तव के सुपरवीजन में एसीबी की कोटा इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर पुलिस निरीक्षक चन्द्रकंवर एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये प्रीती खूबचंदानी निवासी 2 - एफ-18, विज्ञान नगर, कोटा हाल पटवारी पटवार हल्का रीछड़िया, अतिरिक्त प्रभार मण्डा, तहसील रामगंजमण्डी, जिला कोटा को उसके दलाल लेखराज निवासी ग्राम कुदायला, तहसील रामगंजमण्डी, जिला कोटा (प्राइवेट व्यक्ति) के माध्यम से परिवादी से 9 रूपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी के निर्देशन में आरोपी के निवास सहित अन्य ठिकानों की तलाशी एवं पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

घूसखोर प्रीती खूबचंदानी

दलाल लेखराज

उपनिरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, (कासं.)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर ग्रामीण इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये संगीता मीणा उपनिरीक्षक पुलिस, थाना जमवारामगढ़, जयपुर ग्रामीण, जयपुर को परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जयपुर ग्रामीण इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरूद्ध दर्ज प्रकरण में मदद करने की एवज में संगीता मीणा उपनिरीक्षक पुलिस, थाना जमवारामगढ़, जयपुर ग्रामीण, जयपुर द्वारा परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी जयपुर ग्रामीण इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आहद खान के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर पुलिस निरीक्षक मानवेन्द्र शर्मा एवं टीम जयपुर ग्रामीण द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये संगीता मीणा निवासी ग्राम रानोली, पुलिस थाना

घूसखोर संगीता मीणा

रानोली, जिला सीकर हाल उपनिरीक्षक पुलिस, थाना जमवारामगढ़, जयपुर ग्रामीण, जयपुर को परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन में आरोपिया से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

एक रुपया अधिक वसूला, अब चुकाने होंगे 1000 रु.

जिला उपभोक्ता संरक्षण आयोग का फैसला

जोधपुर, (कासं)। ग्राहक से सामान पर अंकित मूल्य से एक रुपया अधिक वसूल करना दुकानदार को महंगा पड गया। जागरूक ग्राहक ने इसका विरोध करते हुए जिला उपभोक्ता संरक्षण आयोग में शिकायत पेश की। इस पर जिला उपभोक्ता संरक्षण आयोग द्वितीय ने एक रुपए के बदले अब एक हजार रुपए ग्राहक को वापस लौटाने का दुकानदार को आदेश दिया है।

मामले के अनुसार पाल लिंक रोड निवासी प्रणव मेहता ने आयोग में परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि मुख्य पाल रोड स्थित रिलायंस स्मार्ट पोइंट शोपिंग स्टोर से उसने मार्च, 22 में टूथ ब्रुश खरीद किया। जिस पर 39 रूपये मूल्य अंकित होने के बावजूद बिल में 40 रूपये वसूल किये गये। मैनेजर को शिकायत करने व कानूनी नोटिस दिलाने के बावजूद अधिक ली गई राशि वापस नहीं लौटाई गई। उल्टे उसका मजाक उड़ाया गया। विपक्षी रिलायंस शोपिंग स्टोर द्वारा ज़बाब प्रस्तुत कर बताया गया कि उनके स्टोर के नियमों के अनुसार अधिक राशि वसूल होने पर उनके मैनेजर द्वारा क्षमा मांगते हुए राशि लौटाने के अलावा ग्राहक को एक सौ रूपए अतिरिक्त भुगतान भी किया जाता है। आयोग के अध्यक्ष डॉ श्याम सुन्दर लाटा, सदस्य डॉ अनुराधा व्यास, आनंद सिंह सोलंकी की बैंच ने सुनवाई के बाद निर्णय में कहा कि परिवादी द्वारा मौखिक रूप से मांग करने व अधिवक्ता से नोटिस दिलवाने के बावजूद विपक्षी द्वारा राशि लौटाने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की गई है। यह विवाद मात्र एक रुपये की मामूली राशि की अधिक वसूली का नहीं होकर उपभोक्ता अधिकारों के प्रवर्तन एवं संरक्षण से संबंधित है। विभिन्न आइटमों के इस प्रकार निर्धारित मूल्य पर विक्रेताओं द्वारा छोटी-छोटी राशि के रूप में ग्राहकों से अधिक वसूली करने की नाजायज प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाना आवश्यक है। आयोग ने विपक्षी

रिलायंस स्टोर को अनुचित व्यापार व्यवहार के लिए दोषी मानते हुए एक रुपया की राशि वापस लौटाने के अलावा परिवादी को क्षतिपूर्ति के रूप में एक हजार रुपए अदा करने का आदेश दिया है। परिवादी को कानूनी कार्यवाही का खर्चा भी विपक्षी स्टोर द्वारा ही भुगतान किया जावेगा।

पुलिस कांस्टेबल की वाहन की चपेट में आने से मौत

टोंक, (निसं)। पुलिस कांस्टेबल हरिराम वर्मा की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार पीपलू थाना क्षेत्र के नानेर निवासी हरिराम वर्मा पुत्र फूलचंद रैगर जो कि बूंदी पुलिस में कांस्टेबल है, अपने मित्र मुकेश पुत्र प्रहलाद रैगर 28 साल के साथ मोटरसाईकिल पर जा रहा था कि काशीपुरा के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे हरिराम की मौत हो गई और मुकेश घायल हो गया। पीपलू पुलिस ने मृतक कांस्टेबल का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनो को सुपूर्द कर मामले की जांच शुरु कर दी।

चार आरोपियों को आजीवन कारावास

टोंक, (नि.स.)। विशिष्ट न्यायाधीश अनुसूचित जाति, जनजाति (अ.नि.) प्रकरण टोंक ने मेहंदवास क्षेत्र में जमीनी विवाद के मामले में एक जने की केरोसिन डालकर जला देने के बाद इलाज के दौरान मौत होने पर हत्या के दर्ज प्रकरण में 4 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 5 आरोपियों को बरी करने के आदेश पारित किए।

एसी-एसटी न्यायालय के विशिष्ट लोक अभियोजक राकेश चौपडा ने बताया कि मामला इस प्रकार है कि 3 नवम्बर 2015 को दोपहर 11 बजे जमीनी विवाद के मामले में आरोपी परिवादी नाथूलाल बैरवा पुत्र कंवरी लाल बैरवा निवासी मेहंदवास के खेत पर सरसों की उगी फसल को ट्रेक्टर से

हत्या के दर्ज प्रकरण में आजीवन कारावास के आरोपी।

नष्ट करने गए, जिस पर परिवादी के बेटे राजाराम ने मना किया, जिस पर आरोपियों ने पहले मारपीट की और ट्रेक्टर के टब में से केरोसिन की बोतल निकालकर राजाराम पर डाल दी और माचिस लगाकर जला दिया।

इलाज के दौरान जयपुर एसएमएस में राजाराम की तीन-चार दिन के बाद मौत हो गई। राजाराम ने मौत से पहले पुलिस को पर्चा बयान दिया था, जिसके आधार पर मामला दर्ज हुआ है। जिस पर पुलिस ने 31 दिसम्बर 2012 को एफआर लगा दी थी, जिस पर न्यायालय ने 16 सितम्बर 2016 को पुनः प्रसंज्ञान लिया, जिस पर मामला धारा 302 में दर्ज किया गया। जिस पर पुलिस ने न्यायालय में चालान पेश किया गया। इस मामले में कुल 9 आरोपियों में से चार आरोपियों मनराज, रामसहाय उर्फ राजू, हंसराज पुत्रान जमनालाल, महावीर पुत्र गोपी जाति बैरवा निवासी मेहंदवास को न्यायालय ने दोषी मानते हुए आजीवन कारावास एवं 25-25 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित करने के आदेश पारित किए। वहीं इस मामले में शेष 5 आरोपियों जगदीश, लालाराम, रुपा देवी, गोपाली, गोपीलाल को दोषमुक्त करते हुए बरी करने के आदेश पारित किए।

विद्या के मंदिर में शराब-मांस पार्टी

श्रीडूंगरगढ़ में स्टेट हाइवे पर स्थित एक सरकारी स्कूल का मामला

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ में स्टेट हाइवे पर स्थित एक सरकारी स्कूल की क्लास में स्टूडेंट्स के होश उस समय उड़ गए, जब टेबल पर चिकन-मटन के टुकड़े मिले। इतना ही स्कूल के बाहर शराब की बोतलें भी पड़ी मिली। इसके बाद से स्टूडेंट्स और अभिभावकों में आक्रोश है। बुधवार सुबह श्रीडूंगरगढ़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की।

भैरव दरबार के लिए प्रसिद्ध तोलियासर के सरकारी स्कूल में मंगलवार को मांसाहार किया गया। इस दौरान शराब पार्टी भी होने की आशंका है। इसकी जानकारी मिलने के बाद से ग्रामीणों में आक्रोश है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की कक्षा 11 के कमरा नम्बर 17 में मांस के टुकड़े मिले थे। साथ ही रोटी व रोटी को पैक करने वाले कागज भी मिले। मौका देखने से पता लगता है कि अज्ञात लोगों ने यहां रात में मांसाहार किया। कुछ लोग क्लास रूम का कुंडा तोड़कर भीतर घुसे है। खाना खाने के बाद हड्डियां, मांस, तंदूरी रोटी आदि वहीं फैंक दिए। स्टूडेंट्स ने ये सब देखा

■ **स्टूडेंट्स क्लास में पहुंचे तो टेबल पर पड़े थे चिकन-मटन के टुकड़े, स्कूल के बाहर शराब की बोतलें**

तो प्रिंसिपल व टीचर्स को सूचना दी। सरपंच प्रतिनिधि गिरधारी सिंह राजपुरोहित सहित अनेक ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। सभी ने रोष जताया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। राजपुरोहित ने कहा कि पूर्व में भी पुलिस को स्कूल में नल आदि तोड़ने की सूचना दी थी परंतु कार्रवाई नहीं हुई।

स्कूल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी है, जिसके बाद मौका मुआयना किया गया। इससे पहले दस सितम्बर को इसी स्कूल में अज्ञात लोगों ने घुसकर कमरों के ताले तोड़ दिए थे। बच्चों के उपयोग का कुछ सामान भी चोरी हो गया था। तब स्कूल प्रिंसिपल ने पुलिस को रिपोर्ट दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। ये ही कारण है कि चोरों और असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं।

373 बीघा चरागाह पर बोई गई फसल नष्ट की

मालपुरा, (निसं)। राजस्थान सरकार मे बीसूका उपाध्यक्ष डॉ. चन्द्रभान की जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत का निस्तारण करते हुए एसडीएम के आदेशों पर डिग्गी नायब तहसीलदार कैलाश नारायण मीणा के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने बुधवार को 373 बीघा सिवायचक व चरागाह भूमि पर बोई गई फसल को जेसीबी व ट्रेक्टरो सहित मवेशियों की सहायता से नष्ट कर उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया।

नायब तहसीलदार कैलाश नारायण मीणा ने बताया कि चरागाह पर अतिक्रमण कर अतिक्रमियो द्वारा फसल जुताई करने की मिली शिकायत पर कार्यवाही करते हुए बुधवार को सरपंच उम्मेद सिंह, पटवारी इन्द्रा चौधरी, लावा पटवारी दिनेश सैनी, कडीला पटवारी बाबूलाल वर्मा, कलमंडा श्रवण लाल बाकडीवाल, चबराना गिरदावर गोपाल

■ **मालपुरा के चबराना गांव में राजस्व विभाग की टीम ने अतिक्रमण से मुक्त कराई जमीन**

खंगार, लावा गिरदावर राजेश कुमार मीणा, डिग्गी थाने के हैड कांस्टेबल सुरेश कुमार, रामसिंह व मालपुरा आरएएसी जवानों के कड़े जाप्ते की मौजूदगी में 11 ट्रैक्टरों व जेसीबी मशीन की सहायता से खड़ी फसल को नष्ट किया गया एवं मवेशियो को फसल में छोडा गया। प्रशासनिक अमले व कड़े पुलिस जाप्ते की उपस्थिति में 373 बीघा चरागाह को अतिक्रमण मुक्त करने की कार्यवाही की गई जो कि गुरूवार को भी जारी रहेगी।

ग्रेवल सड़क का निर्माण किए बिना उठा लिया लाखों रुपये का भुगतान

सायला, (निसं)। सायला के निकट तूरा ग्राम पंचायत में ग्रेवल सडक का निर्माण करवाए बिना लाखों रूपए भुगतान उठाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार तूरा ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2019-20 में तूरा गांव से सोनारिया स्कूल तक ग्रेवल सडक निर्माण के लिए 14.78 लाख रूपये राशि स्वीकृत की गई थी लेकिन माह फरवरी 2022 तक उक्त मार्ग का निर्माण नही किया गया था। जिस पर विकास अधिकारी पंचायत समिति सायला द्वारा 8 फरवरी 2022 को ग्राम विकास अधिकारी सुनील चौधरी को नोटिस भेजकर उक्त अपूर्ण कार्य को पूर्ण करवाने के निर्देश दिए थे। साथ ही नोटिस प्राप्ति के तीन दिवस के भीतर कार्य पूर्ण नही करवाने का ठोस कारण सहित प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे।

लेकिन ग्राम विकास अधिकारी एवं ठेकेदार की कथित मिलीभगत के चलते उक्त ग्रेवल सडक का निर्माण कार्य कागजों मे ही पूर्ण बताकर दिनांक 29 मार्च 2022 को करीबन 7 लाख 20 हजार रूपये का भुगतान फर्म श्री अंबिका उद्योग के खाते में कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि तूरा गांव से सोनारियां स्कूल तक करीबन 4-5 साल से कोई ग्रेवल सडक मार्ग नही बनाया गया है

सायला के निकटवर्ती तूरा-सोनारियां ग्रेवल सड़क मार्ग पर रेत जमी हुई है।

और ना ही किसी प्रकार की मरम्मत करवाई गई है। ऐसे में ग्राम पंचायत द्वारा बिना ग्रेवल सडक का निर्माण करवाए भुगतान उठाकर सरकारी खजाने को चपत लगाई जा रही है।

इस प्रकार किया भुगतानः- ग्राम पंचायत तूरा द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 में तूरा गांव से सोनारिया स्कूल तक ग्रेवल सड़क निर्माण के नाम पर फर्म श्री अंबिका उद्योग के खाते में 21 अक्टूम्बर 2022 को बिल संख्या 3 व्यय राशि 242497, बिल संख्या 4 व्यय राशि 242497 एवं बिल संख्या 5 व्यय राशि 235106 का बिल भुगतान किया गया। इस प्रकार ग्राम पंचायत तूरा द्वारा कुल राशि करीबन 7 लाख 20 हजार रूपये का फर्म श्री अंबिका उद्योग के खाते में भुगतान किया गया। वही उक्त बिल 29 मार्च 2022 को भुगतान के लिए ऑनलाइन अपलोड किए गए थे।

■ **ग्रामीणों का कहना है कि तूरा गांव से सोनारियां स्कूल तक करीब 4-5 साल से कोई ग्रेवल सडक मार्ग नही बनाया गया है और ना ही किसी प्रकार की मरम्मत करवाई गई है**

जगह जगह बने गड्ढे व रेत जमाः- तूरा गांव से सोनारियां स्कूल तक ग्रेवल मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे बन गए है तथा रेत पडी हैं। जिससे वाहनचालकों को आवागमन के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही सड़क किनारे बबूल की कंटीली झाडियां उगने से रास्ता संकरा हो गया है। जिससे पैदल चलने वाले राहगीरों को ग्रेवल सडक मार्ग के बीचों-बीच चलना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना हैं कि इस मार्ग पर राजकीय विद्यालय सोनारियां भी आया हुआ है तथा कई कृषि बेरे भी स्थित है। ऐसे में इस मार्ग से आवागमन के दौरान विद्यार्थियों एवं किसानों को परेशानी का सामना करना पडता है।

बलवंतसिंह दहिया, उपसरपंच तूरा का कहना है कि तूरा गांव से सोनारियां स्कूल तक ग्राम पंचायत द्वारा बिना ग्रेवल सडक का निर्माण किए ठेकेदार को भुगतान किया गया है। जिसकी विभागीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

सुनील चौधरी, ग्राम विकास अधिकारी तूरा ने बताया कि तूरा गांव से सोनारियां स्कूल तक तीन वर्ष पहले ग्रेवल सडक निर्माण की स्वीकृति मिली थी जो मार्च 2022 में बनाया गया था तथा भुगतान किया गया है। अगर ग्रेवल सडक नही बनी है तो देखते है।

मनमोहन मीणा, विकास अधिकारी, पंचायत समिति सायला ने कहा कि यह मामला मेरी जॉइनिंग से पहले का है। जिसकी जानकारी लेता हूं। अगर बिना ग्रेवल सड़क निर्माण किए भुगतान हुआ है तो नियमानुसार वसूली निकालकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय जिला परिषद राजसमन्द

क्रमांकः-जिपरा/क.लि. भर्ती-2013/प्र.सू.द्वि./2022-23/1940 दिनांकः 23.11.2022

विज्ञप्ति

जिला परिषद राजसमन्द द्वारा कनिष्ठ लिपिक भर्ती हेतु 2013 के अन्तर्गत पर्याप्त संख्या में पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण अतिरिक्त अस्थाई प्रतीक्षा सूची दिनांक 9-11-2022 को जारी कर दिनांक 17-11-2022 तक आपत्तियां मांगी गई थी। प्राप्त आपत्तियों के निराकरण उपरान्त अतिरिक्त अस्थाई प्रतीक्षा सूची दिनांक 23-11-2022 को जारी कर विभागीय पोर्टल www.rajpanchayat.rajasthan.gov.in पर अपलोड हेतु प्रेषित कर दी गई है एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है।

उक्त विभागीय वेबपोर्टल पर अपलोड अतिरिक्त द्वितीय प्रतीक्षा सूची में उल्लेखित क्र.सं. 1 से 100 तक के अभ्यर्थी दिनांक 28-11-2022 एवं क्र.सं. 101 से शेष अभ्यर्थी दिनांक 29-11-2022 को दस्तावेज सत्यापन एवं पात्रता जांच हेतु प्रातः 10.00 बजे से कार्यालय समय तक कार्यालय जिला परिषद राजसमन्द के सभागार में अभ्यर्थी अपने साथ आवेदन पत्र मूल दस्तावेज मय स्वप्रमाणित प्रति, वांछित शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज सहित स्वयं उपस्थित होना सुनिश्चित करावें। सम्बन्धित अभ्यर्थी के निर्धारित दिनांक में उपस्थित नहीं होने की स्थिति में अभ्यर्थी को नियुक्ति हेतु विचार नहीं किया जायेगा एवं दस्तावेज सत्यापन हेतु पुनः अवसर प्रदान नहीं किया जावेगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी अभ्यर्थी की स्वयं की रहेगी।

(उत्साह चौधरी) IAS,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
जिला परिषद राजसमन्द

अंजलि ने अब्दुल लतीफ से शादी रचाई तो जेठ ने दोस्त की मदद से करवाई फायरिंग

मुरलीपुरा स्थित रोड नंबर-5 पर बुधवार सुबह हुआ जानलेवा हमला

जयपुर के मुरलीपुरा इलाके में बुधवार को दिन-दहाड़े गोलीबाजी होने से स्थानीय नागरिकों में हड़कंप मच गया।

जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में घायल अंजलि को भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर गोली को निकाल दिया है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के मुरलीपुरा इलाके में बुधवार सुबह विवाहिता को दिनदहाड़े गोली मारने की सनसनीखेज वारदात सामने आयी है। जानकारी के मुताबिक घायल अंजलि पर उसके पति अब्दुल लतीफ के बड़े भाई अब्दुल अजीज ने अपने दोस्त की मदद से जानलेवा हमला कराया था। देशी कट्टे से गोली लगने के कारण घायल हुई विवाहिता सड़क पर ही गिर गई, जिसे पहले शास्त्री नगर स्थित कांवटिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में एसएमएस अस्पताल में रैफर कर दिया गया। जहां डॉक्टर्स ने ऑपरेशन कर महिला के पेट से गोली निकाल दी है, फिलहाल उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने देर रात इस प्रकरण में तीन बदमाशों मोहम्मद राजा उर्फ राजू, मो. आबिद और मो. कलीम को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात का मास्टरमाइंड अब्दुल अजीज फिलहाल फरार है। हालांकि पुलिस इस प्रकरण को पैसों के लेनदेन का विवाद बता रही है।

- **एसएमएस अस्पताल में डॉक्टर्स ने महिला का ऑपरेशन कर गोली निकाली, फिलहाल हालत स्थिर बनी हुई है।**
- **झोटवाड़ा एसीपी प्रमोद स्वामी के मुताबिक ''पूरा मामला पैसों के लेनदेन का सामने आया है, देर शाम तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।''**

झोटवाड़ा एसीपी प्रमोद स्वामी ने बताया कि फायरिंग में घायल अंजलि बुधवार सुबह रोड नंबर-5 पर स्थित आयुर्वेदिक शॉप पर नौकरी कर रही थी। इस दौरान स्कूटी सवार दो बदमाशों ने देशी कट्टे से उसे गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने पीड़िता का बयान लेकर मामला दर्ज किया। देर रात फायरिंग करने वाले बदमाश मो. राजा उर्फ राजू, मो. आबिद और मो. कलीम को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात का मास्टरमाइंड अब्दुल अजीज फिलहाल फरार है।

एसीपी प्रमोद स्वामी ने बताया कि युवती के पति अब्दुल लतीफ और उसके बड़े भाई अब्दुल अजीज के बीच पैसों का लेनदेन का विवाद चल रहा है। आरोपी अब्दुल अजीज ने अपने दोस्त मोहम्मद राजा उर्फ राजू को फायरिंग के लिए तैयार किया था। मो.राजा चूड़ी बनाने का काम करता है। आरोपी राजा ने चूड़ी बनाने वाले अपने परिचित आबिद व कलीम को बुधवार सुबह अंजलि पर हमला करने के लिए भेजा था। स्कूटी पर सवार होकर मुरलीपुरा पहुंचे आबिद ने अंजलि को गोली मारी, जबकि कलीम स्कूटी चला रहा था। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता के पर्चा बयान और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस बदमाशों तक पहुंची। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में स्वीकारा है कि उन्हें आरोपी अब्दुल अजीज ने फायरिंग के लिए कहा था। पुलिस टीम उसकी तलाश में जुटी है।

वहीं दूसरी ओर युवती के पति अब्दुल लतीफ ने पुलिस को बताया कि उनकी 27 जुलाई 2021 को कोर्ट में लव मैरिज हुई थी। उसके बड़े भाई अब्दुल अजीज और उनके साथी रियाज खान परेशान कर रहे थे। इस संबंध में सदर थाने में भी एफआईआर दर्ज कराई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस से कोई सुरक्षा भी नहीं मिली। जानकारी के मुताबिक पुलिस जांच में सामने आया है कि लतीफ ने अंजलि से पहले भी किसी और लड़की से शादी कर रखी थी। जिसे 25 लाख रुपए देकर तलाक दिया था। दोनों ने मर्जी से शादी की है। उधर सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती अंजलि को डॉक्टर्स ने ऑपरेशन कर गोली निकाल दी है। डॉक्टर्स के मुताबिक गोली लगने के कारण उसके पेट में छेद हो गया था, जिसे सर्जरी करके भर दिया गया है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर है।

ब्यावर नगर पालिका सभापति के निलंबन आदेश रद्द

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने ब्यावर नगर पालिका के सभापति को निलंबित करने के आदेश और बाद में निलंबित करने की अनुमति देने के आदेशों को रद्द कर दिया है। न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश सभापति नरेश कनोजिया की ओर से दायर याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

- **हाईकोर्ट ने झालावाड़ नगर पालिका चेयरमैन संजय शुक्ला को निलंबित करने के आदेश के खिलाफ दायर स्टे प्रार्थना पत्र को भी खारिज कर दिया है।**

याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद और अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को राज्य सरकार ने नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने का आरोप लगाते हुए 17 जून को निलंबित किया था। जबकि प्रकरण में स्वायत्त शासन निदेशक की ओर से विभाग के मंत्री को अनुमति के लिए भेजी फाइल में न्यायिक जांच का हवाला दिया गया। इसके बावजूद विभाग ने याचिकाकर्ता को निलंबित कर दिया। ऐसे में सक्षम अधिकारी की अनुमति नहीं होने के कारण निलंबन आदेश को रद्द किया जाए। सुनवाई के दौरान बीते मंगलवार को अदालत ने मौखिक रूप से अतिरिक्त महाधिवक्ता को कहा कि वे राज्य सरकार से ऐसे बिना अधिकार जारी आदेश को वापस लेने की मंशा पूछकर बताएं। वहीं बुधवार को सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल मेहता ने अदालत को बताया कि निलंबन आदेश जारी करने के बाद भी सक्षम अधिकारी की मंजूरी ली जा सकती है और मामले में अब सक्षम अधिकारी से अनुमति ले ली गई है। इसलिए याचिका को खारिज किया जाए। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने 17 जून के निलंबन आदेश और मंगलवार को निलंबित करने की अनुमति के आदेश को रद्द कर दिया है।

वहीं दूसरी ओर हाईकोर्ट ने झालावाड़ नगर पालिका के चेयरमैन संजय शुक्ला को निलंबित करने के आदेश के खिलाफ दायर स्टे प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। राज्य सरकार ने पेटा तालाब की भूमि को लेकर अनियमितता के मामले में संजय शुक्ला को निलंबित किया था।

अनुराग सिंह ठाकुर का राजपूत सभा ने स्वागत किया

जयपुर के राजपूत सभा भवन में केन्द्रीय सूचना प्रसारण एवं युवा कार्यक्रम-खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर (दायें से दूसरे) का स्वागत किया गया। समारोह में अनुराग सिंह ठाकुर एवं राजपाल सिंह शेखावत पूर्व केबिनेट मंत्री (बायें से दूसरे) को सभाध्यक्ष रामसिंह चन्दलाई, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह राणावत, महामंत्री बलवीर सिंह हाथोज, संगठन मंत्री धीर सिंह शेखावत, सहमंत्री मोहन सिंह बगड़, कोषाध्यक्ष प्रद्युमन सिंह मुंडरू ने माला, मोमेन्टो और राजस्थानी साफा पहना कर स्वागत किया।

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय सूचना प्रसारण एवं युवा कार्यक्रम-खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के स्वागत में राजपूत सभा भवन में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। अनुराग सिंह ठाकुर एवं राजपाल सिंह शेखावत पूर्व केबिनेट मंत्री को सभाध्यक्ष रामसिंह चन्दलाई, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह राणावत, महामंत्री बलवीर सिंह हाथोज, संगठन मंत्री धीर सिंह शेखावत, सहमंत्री मोहन सिंह बगड़, कोषाध्यक्ष प्रद्युमन सिंह मुंडरू एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने माला, मोमेन्टो और राजस्थानी साफा पहना कर स्वागत किया। राजपूत सभा अध्यक्ष ने राजपूत सभा द्वारा करवाये जा रहे कार्यों के बाबत् अवगत कराया पूर्व केबीनेट मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने कहा कि मैं अनुराग जी के पिताजी से काफी मिला लेकिन मुझे आज राजपूत सभा में अनुराग ठाकुर से मिलने का मौका मिला कि ऐसी शख्सीयत है चाहे खेल जगत हो चाहे संसद हो और चाहे भारत का रक्षा विभाग हो जिसमें हमेशा अपनी अग्रणी भूमिका निभाई है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि राजपूत सभा ने मुझे राजनीतिक लोगों से मिलने के उपरान्त अपने लोगों में बुलाया उसके लिये मैं उनका आभारी हूँ राजपूत सभा समाज को आगे बढ़ाने के लिये सामाजिक स्तर पर शिक्षा, रोजगार एवं सामूहिक विवाह और समाज की कुरितियों को दूर करने का कार्य कर रही है वह सराहनिय है।

जिला अध्यक्ष जयपुर नगर गणपत सिंह राठौड़, जयपुर देहात मोती सिंह सांवली, झुन्झुन पंकज सिंह राठौड़, भरतपुर संगठन मंत्री लक्ष्मण सिंह परमान, संरक्षक सवाई सिंह नदेरा, मानसरोवर इकाई अध्यक्ष बहादुर सिंह शेखावत आदि ने उन्हे माला पहना कर सम्मानित किया।

प्रदेश में करोना से एक संक्रमित की मौत

राज्य में बुधवार को 7 जिलों में 14 नए मरीज मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बुधवार को करोना से फिर एक और मरीज की मौत हुई है। वहीं इस बीच 14 नए संक्रमित मिले हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 214 हो गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को करोना से जयपुर में एक मरीज की मौत हुई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है। इधर राज्य में आज 7 जिलों में 14 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को इनकी संख्या 11 रही थी। पिछले चौबीस घंटों में सर्वाधिक 4-4 नए संक्रमित जयपुर और उदयपुर में मिले हैं। इसके अलावा सीकर में 2 तथा अजमेर, बीकानेर, दौसा और कोटा में एक-एक नया संक्रमित मिला। इस बीच राज्य में 4339 जांचे की गई है।

प्रदेश में बुधवार को केवल 6 ही संक्रमित ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 214 हो गए हैं। इनमें राजधानी जयपुर में 71 मरीजों का इलाज चल रहा है। जयपुर में आज गांधी नगर, मानसरोवर और सांगानेर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं एक मरीज का पता गलत पाया गया है।

सहकारी उत्पाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे

जयपुर। रजिस्ट्रार सहकारिता एवं प्रशासक कॉनफैड मेघराज सिंह रत्नू ने कहा कि सहकारी क्षेत्र के उत्पादों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध करवाया जाएगा। कॉनफैड के उपहार ब्राण्ड के गुणवत्तापूर्ण उत्पाद घर बैठे लोग उचित मूल्य पर मंगवा सकेंगे। कॉनफैड के सदस्यों को 7.50 प्रतिशत लाभांश वितरण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में उपभोक्ता सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए नवीन सुपर स्टोरों का संचालन किया जाएगा। तथा कॉनफैड को रियायती दर पर जमीन का आवंटन भी राज्य सरकार से करवाया जाएगा। रत्नू बुधवार को कॉनफैड की 37वीं वार्षिक साधारण सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कॉनफैड द्वारा वर्ष 2021-22 में 15 करोड 93 लाख रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए कहा कि वर्ष 2021-22 में कॉनफैड का कुल टर्न ओवर 1457 करोड 84 लाख रुपए रहा है।

प्रशासक ने कहा कि कॉनफैड एवं सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डारों की दवाइयों की खरीद के लिए जैनरिक दवाओं के ई-टेण्डर के लिए केन्द्रीकृत व्यवस्था लागू की गई है। वहीं मुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में कॉनफैड द्वारा नोडल एजेंसी के रूप में सहकारी दवा केन्द्रों के लिए कॉमन सॉफ्टवेयर लागू किया गया है।

रोडवेजकर्मियों की हड़ताल स्थगित

जयपुर। राजस्थान रोडवेज के कर्मचारियों की 24 नवंबर को प्रस्तावित हड़ताल बुधवार देर रात वार्ता के बाद स्थगित हो गई। रोडवेज सीएमडी नथमल डिडेल से संयुक्त मोर्चे के पदाधिकारियों की वार्ता हुई, जिसमें आगामी एक माह में तमाम मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

20 लाख की फिरौती मांगने वाला गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। सांगानेर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर आनंदपाल सिंह का फैन (गुर्गा) व्हाट्सएप कॉल करके 20 लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी ने सांगानेर निवासी हरजेष नराणिया को धमकी देकर फिरौती मांगी थी और रुपये नहीं देने पर बच्चे को गोली मारने की धमकी दी थी। आरोपित सोशल मीडिया के जरिए कई अपराधियों से जुड़ा हुआ है। फिलहाल आरोपी से पुलिस पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व करण शर्मा ने बताया कि सांगानेर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर आनंदपाल सिंह का फैन गुर्गा ने व्हाट्सएप कॉल करके बीस लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले एक आरोपी शोएब खान उर्फ सॉफ्टी निवासी मण्डावर जिला दौसा हाल निवासी बंधा बस्ती नाहरी का नाका शास्त्री नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि वह गैंगस्टर आनन्दपाल सिंह का फैन है तथा आनन्दपाल सिंह के केसावर व गैंग के लोगों से सोशल मीडिया के माध्यम से जुडा हुआ है जो आनंदपाल की तरह बडा गैंगस्टर बनना चाहता था।

न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन जारी, डीजे मिलने पहुंचे

जयपुर। शहर की निचली अदालत में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के न्यायिक अधिकारी के घर आत्मदाह से जुड़े मामले में अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारियों ने बुधवार को पांचवे दिन भी सामूहिक अवकाश जारी रखा। कर्मचारी घटना की सीबीआई जांच और न्यायिक अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच की मांग के साथ-साथ कर्मचारियों ने मृतक कर्मचारी के आश्रितों को 50 लाख रुपए का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग करते हुए बीते पांच दिनों से सामूहिक अवकाश पर हैं। वहीं एक कर्मचारी की ओर से किए जा रहे आमरण अनशन को लेकर शहर के तीनों जिला एवं सत्र न्यायाधीश धरना स्थल पर पहुंचे और कर्मचारी के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

कर्मचारियों ने बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। वहीं जिला अदालत में जाकर प्रदर्शन किया। संघर्ष समिति के अध्यक्ष बद्रीलाल चौधरी ने बताया कि गुरुवार को धरने के बाद शहीद स्मारक तक रैली निकाली जाएगी। गौरतलब है कि एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत में पदस्थापित कर्मचारी सुभाष मेहरा ने गत दस नवंबर को न्यायिक अधिकारी के घर की छत पर आत्मदाह कर लिया था।

''राजएपीकॉन-2022'' 26 से

जयपुर। राज्य भर के फिजियोज 26 नवंबर से महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में फिर जुटेंगे। कॉन्फ्रेंस दो दिन चलेगी। आयोजन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स ऑफ इंडिया के जयपुर चैप्टर द्वारा महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से यूनिवर्सिटी परिसर के आर एल स्वर्णकार ऑडिटोरियम में किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस "एमपावरिंग फिजियन फॉर हॉलिस्टिक डवलपमेंट" थीम पर आयोजित होगी।

वर्ल्ड रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप शुरू

जयपुर। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, नई दिल्ली की ओर से उत्तर पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ, जयपुर द्वारा यूएसआईसी वर्ल्ड रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2022 का आयोजन रेलवे ऑफिसर्स क्लब, जगतपुरा, जयपुर में किया जा रहा है। इसका शुभारंभ अपर महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे सिरी गौतम अरोड़ा ने दीप प्रज्वलन कर किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार वर्ल्ड रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2022 में भारत सहित कुल 5 देशों की टीमों (चेक रिपब्लिक, डेनमार्क, फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड एवं भारत) के महिला एवं पुरुष खिलाडी भाग ले रहे हैं।

शुभारंभ समारोह में अपर महाप्रबंधक गौतम अरोड़ा ने सभी खिलाडियों को संबोधित करते हुए सभी खिलाड़ियों का जयपुर में स्वागत करते हुए टीम भावना से खेलते हुए जीत की शुभकामनाएं भी दी। शुभारंभ समारोह में अनुज तायल उप महाप्रबंधक सामान्य एवं महासचिव उत्तर पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ, प्रेम लोचब, सचिव रेलवे खेलकूद संवर्धन बोर्ड, रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली ने भी अपने विचार व्यक्त किए। शुभारंभ समारोह में भारतीय खिलाडी पूर्व ओलंपियन सुतीर्था मुखर्जी ने सभी खिलाड़ियों को खेल की प्रतिज्ञा दिलाई।

जयपुर के जगतपुरा रेलवे ऑफिसर्स क्लब में यूएसआईसी वर्ल्ड रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2022 का शुभारंभ उत्तर-पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक गौतम अरोड़ा ने दीप प्रज्वलन कर किया।

प्रॉपर्टी कारोबारी विजेन्द्र सिंह की सरेराह हत्या करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

आरोपियों ने 14 दिन पहले बैनाड़ रोड पर डंडे-सरियों से पीटकर विजेन्द्र की हत्या की थी

जयपुर (कासं)। करधनी इलाके में 14 दिन पहले सरेराह स्कॉर्पियो रोककर प्रॉपर्टी डीलर विजेंद्र सिंह गुलाबबाड़ी की हत्या करने वाले चार बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में दो बदमाशों को पुलिस पहले ही पकड़ चुकी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने विजेन्द्र की रैकी करवाकर पूरी प्लानिंग के साथ उसकी हत्या की थी। यहां तक कि फरारी काटने के लिए जयपुर में अलग-अलग जगहों पर किराये पर पहले ही फ्लैट ले लिए थे।

- **बदमाश दो महीने से बना रहे थे हत्याकांड की योजना, फरारी काटने के बाद भांकरोटा, जगतपुरा विद्याधरनगर व मानसरोवर में रहने के किराए पर फ्लैट भी ले लिए थे**

प्रॉपर्टी कारोबारी विजेन्द्र सिंह की हत्या करने वाले चार बदमाशों को करधनी थाना पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) वंदिता राणा ने बताया कि करधनी इलाके में 9 नवंबर को सरेराह स्कॉर्पियो रोककर प्रॉपर्टी डीलर विजेंद्र सिंह की हत्या करने वाले मुख्य आरोपित सागर सिंह उर्फ दीपेन्द्र (30) निवासी अजीतगढ़ हाल झोटवाड़ा, जितेन्द्र सिंह (26) निवासी परबतसर नागौर, दुर्गेश सिंह चन्द्रावत (28) निवासी आंधी जयपुर ग्रामीण और शैलेन्द्र सिंह उर्फ नागर सिंह राठौड़ उर्फ सोनू (22) निवासी नावां नागौर हाल बालाजी विहार करधनी जयपुर को गिरफ्तार किया है।

एसीपी प्रमोद स्वामी ने बताया कि हत्या का मुख्य आरोपी सागर सिंह व महावीर मीणा हत्याकांड में शामिल था। बदमाशों ने बलदीप सिंह राठौड़ और विजय सिंह से विजेन्द्र की रैकी कराई थी, इन दोनों बदमाशों को पुलिस पहले ही पकड़ चुकी है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि हत्याकांड में शामिल गिरफ्तार सागर सिंह उर्फ दीपेन्द्र, नागर सिंह, जितेन्द्र हुलढाणी, दुर्गेश सिंह कुछ चिन्हित किये गये व्यापारियों को धमकाकर रुपये ऐंठने की फिराक में थे।

इसके अलावा सामने आया कि प्रॉपर्टी डीलर विजेंद्र सिंह की हत्या से पहले आरोपितों ने पूरा मर्डर प्लान बना लिया था। जिसके बाद फरारी काटने के लिए आरोपितों ने पहले से ही विद्याधर नगर, भांकरोटा, जगतपुरा, मानसरोवर में किराए के फ्लैट लिए थे।आरोपित सागर सिंह, शिवराज सिंह जूसरिया, शिवराज उर्फ शेखू, भगवान सिंह, संग्राम सिंह किरडोली, अजय सिंह सिंगोद, अजय सिंह निटूटी, सुलतान गुर्जर, दुर्गेश सिंह, जितेंद्र हुलढाणी, नागर सिंह राठौड़, भूपेंद्र उर्फ भूपी, बलदीप सिंह, विजय सिंह उर्फ सस्ते, अंकित आकोदा, रविन्द्र सिंह खानडी, राघवेन्द्र उर्फ बंटी ने पिछले 2 माह में कई बार अलग-अलग स्थानों पर एकत्र होकर विजेन्द्र सिंह गुलाबबाडी को मारने की योजना बनाई थी और बदमाशों को वारदात को अंजाम देने के लिये अलग-अलग टास्क दिये गये थे। गौरतलब है कि 9 नवंबर को करधनी इलाके में विजेंद्र सिंह गुलाबबाडी पर बदमाशों ने हमला किया था। विजेंद्र सिंह पर लाठी, सरिये व चाकू आदि से हमला किया गया था। इसके बाद विजेंद्र सिंह को घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान विजेंद्र सिंह की मौत हो गई थी।

योजनाओं के नाम तक नहीं बता पाए बीडीओ, सीईओ चौधरी की मॉनिटरिंग पर उठे सवाल

पंचायतराज मंत्री रमेश मीणा ने ली विभागीय अधिकारियों की बैठक

झुंझुनूं, (निसं.)। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के मंत्री रमेश मीणा इन दिनों पूरे एक्शन में है और अधिकारियों की क्लास लगा रहे है। ऐसी ही क्लास उन्होंने झुंझुनूं में भी लगाई। दरअसल करीब पांच घंटे तक उन्होंने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें मीणा ने कुछ बीडीओ को योजनाओं के पूरे नाम पूछे तो उन्हें योजनाओं के पूरे नाम तक पता नहीं था। जिस पर मीणा नाराज हुए और उन्होंने कहा कि आप पढ़े-लिखे लोग हैं।

आपको बाबू के आकंड़ों के आधार पर पारंपरिक तरीके से कार्य करने की जगह विभाग की गाइडलाइन व बुक का ज्ञान होना चाहिए। इसके लिए मीणा ने जिला परिषद सीईओ जवाहर चौधरी को भी जिम्मेदार ठहराया और कहा कि सीईओ की सही मॉनेटरिंग और लापरवाही के कारण जिले में ऐसे हालात हो रहे है। जो सही नहीं है। विकास अधिकारी अपने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की भी सही जानकारी नहीं दे पाए। उन्होंने कहा कि विभाग की कोशिश है कि नई गाइडलाइन से आमजन को फायदा मिल सके। विकास अधिकारी बाबूओं द्वारा दिए गए आंकडे व पारंपरिक कार्य शैली के आधार पर बैठे-बैठे साइन करने काम कर रहे हैं।

पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली।

मंत्री मीणा ने मनरेगा योजना के कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को नियमित रूप से नरेगा कार्यों का नियमित निरीक्षण करने व महिला मेट बढ़ाने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री के सलाहकार व खेतड़ी विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह, जल ठाहण एवं भू संरक्षण के निदेशक रश्मि गुप्ता, नवलगढ़ प्रधान दिनेश सुंडा, झुंझुनूं प्रधान पुष्पा चाहर, बुहाना प्रधान हरिकिशन यादव, अलसीसर प्रधान घासीराम पूनिया, जिला परिषद के सीईओ जवाहर चौधरी, एडीएम जेपी गौड, एसीईओ रामनिवास, उपवन संरक्षक राजेंद्र हुडा, पीडब्लूडी के एसई शंकरलाल आदि मौजूद थे।

दूसरी जगह भेजने और नोटिस की चेतावनी :- ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की विभिन्न योजनाओं से जुडे सवाल, धरातल पर किए जा रहे कार्यों व विभिन्न योजनाओं के तहत रुपए खर्च नहीं करने से नाराज शासन सचिव नवीन जैन ने उदयपुरवाटी के बीडीओ

■ **शासन सचिव नवीन जैन ने दिए कार्रवाई के संकेत**

बाबूलाल रैगर, सूरजगढ़ के बीडीओ पवन शर्मा, मंडावा के बीडीओ नरेंद्र पूनिया, अलसीसर के बीडीओ महेश चंद्र, खेतड़ी के बीडीओ शिशुपाल सिंह, पिलानी की बीडीओ सुशीला यादव, वाटर शैड के अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार, स्वच्छ भारत मिशन की जिला कॉर्डिनेटर सुमन को सही तरह से काम नहीं करने पर दूसरी जगह भेजने व 16 सीसीए नोटिस देने की चेतावनी दी।

इधर, विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि यह शर्म की बात है कि बीडीओ को एक भी योजना के बारे में जानकारी नहीं है। बाबू जो आकड़े देते हैं उनके आधार पर बैठे-बैठे साइन करते हैं। इनको खुद का कोई नॉलेज ही नहीं है। उन्होंने बीडीओ को चेतावनी भी दी की जिनको काम नहीं करना है। उनको दूसरी जगह भेजा जाएगा और 16 सीसीए के तहत कार्रवाई भी की जाएगी।

रोडवेज कर्मचारी 21 सूत्रीय मांगों को लेकर करेंगे चक्का जाम

बीएमएस ने किया आंदोलन से किनारा, बसों के संचालन के लिए एसडीएम को दिया ज्ञापन

मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारी संगठन काफी दिनों से आंदोलन कर रहा है।

खेतड़ी, (निस)। रोडवेज कर्मचारी संगठन पिछले काफी समय से अपने विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे है। तो गुरूवार से रोडवेज का चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी ओर भारतीय मजदूर संघ ने आंदोलन से किनारा करते हुए आंदोलन में शामिल नहीं होकर रोडवेज के संचालन को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर सुरक्षा की मांग की है।

राजस्थान रोडवेज के श्रमिक संगठन एटक के अध्यक्ष ओमप्रकाश ने बताया कि रोडवेज कर्मचारियों की ओर से रोडवेज बचाओ रोजगार बचाओ अभियान के तहत 21 सूत्री मांगों को लेकर पिछले काफी समय से आंदोलन किया जा रहा है। वहीं पिछले दो दिन से खेतड़ी, आगार परिसर में धरना भी दिया जा रहा है। रोडवेज कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर सरकार व निगम प्रशासन को कई बार अवगत करवा चुके हैं। वहीं परिवहन मंत्री बृजेंद्र सिंह ओला के साथ सचिवालय में बैठक कर समस्याओं का समाधान करने की मांग कर चुके हैं। लेकिन सरकार द्वारा कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से कर्मचारियों में आक्रोश है। जिसके चलते चक्का जाम करने का निर्णय लिया गया है। वहीं दूसरी ओर भारतीय मजदूर संघ ने आंदोलन से अलग होते हुए रोडवेज बसों के संचालन को लेकर सुरक्षा मुहैया करवाने की मांग की है। संघ के तहसील संयोजक शीशराम गुर्जर ने बताया कि संयुक्त मोर्चा द्वारा प्रस्तावित हड़ताल का भारतीय मजदूर संघ समर्थन नहीं करता है।

वैवाहिक सीजन होने के कारण निगम के वाहनों पर यात्री भार का अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथा निगम को राजस्व की हानि भी उठानी पड़ेगी। इसी को लेकर भारतीय मजदूर संघ आंदोलन में शामिल नहीं होगा तथा बसों का संचालन प्रभावी रूप से किया जाएगा। इस दौरान होने वाली किसी प्रकार की अप्रिय घटना को देखते हुए सुरक्षा मुहैया करवाने की मांग की है तथा डिपो मैनेजर व एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर रोडवेज बसों का नियमित संचालन करवाए जाने की मांग की है। इस मौके पर दोनों पक्षों के सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

सहायक निदेशक (पॉलीग्राफ डिवीजन), लेक्चरर अगद तंत्र विचारित सूची जारी

अजमेर, (कास)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा गृह (ग्रुप-1) विभाग में सहायक निदेशक (पॉलीग्राफ डिवीजन) एवं आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग में अगद तंत्र विषय के लेक्चरर पदों हेतु पात्रता की जांच के लिए अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी की गई है। साक्षात्कार के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के बाद जारी की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सचिव एचएल अटल ने बताया कि आयोग द्वारा सहायक निदेशक (पॉलीग्राफ डिवीजन) पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के लिए संवीक्षा परीक्षा-2021 का आयोजन 10 जून 2022 को किया गया था। 13 नवंबर 2021 को लेक्चरर अगद तंत्र विषय की संवीक्षा परीक्षा-2021 आयोजित की गई थी। परीक्षाओं के फलस्वरूप 6-6 अभ्यर्थियों को पात्रता की जांच के लिए विचारित सूची में अस्थाई रूप से शामिल किया गया है।

अटल ने कहा कि लेक्चरर- अगद तंत्र का परिणाम माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर में दायर याचिका संख्या 12013/2021 में पारित अंतरिम आदेश 7 मार्च 2022 की पालना में उक्त याचिका में पारित होने वाले अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उन्होंने बताया कि जारी की गई विचारित सूची साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। इसका उद्देश्य मात्र दस्तावेज सत्यापन के माध्यम से चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करना है।

अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों/नियमों के अनुसार की जाएगी। पात्रता की समस्त शर्तें नियमानुसार पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता आयोग द्वारा रद्द कर दी जाएगी। पात्र पाए गए अभ्यर्थियों में से ही साक्षात्कार हेतु परिणाम जारी किया जाएगा। विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन एवं दस्तावेज सत्यापन के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जाएगा।

चैक अनादरण के आरोपी को सजा

भीलवाड़ा, (निसं)। न्यायालय विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट (एन.आई. एक्ट प्रकरण संख्या-1) भीलवाड़ा ने चैक अनादरण के आरोपी/अभियुक्त को एक प्रकरण में 1 वर्ष के कारावास तथा 9,00,000/- रूपयें के प्रतिकर से दण्डित किया।

परिवादी लक्ष्मणलाल आत्मज इंदरमल सिंघवी निवासी भीलवाडा ने अधिवक्ता ललित सांखला के मार्फत एक परिवाद न्यायालय में अभियुक्त बाबूलाल आत्मज धननदेव आचार्य, निवासी ईरास, भीलवाडा के विरूद्ध 4,50,000/- के चैक अनादरण बाबत प्रस्तुत किया, जिसमें न्यायालय ने आरोपी/ अभियुक्त बाबूलाल को धारा 138 एन.आई. एक्ट के तहत चैक अनादरण के अपराध का दोषी मानते हुए प्रकरण में 1 वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई।

बिजली विभाग ने नगरपालिका के करीब 110 कनेक्शन काटे

■ **बिजली विभाग के करीब 80 लाख रूपए बकाया**

सुमेरपुर, (निसं)। आमजन को पेयजल की सुविधा के लिए सुमेरपुर नगरपालिका क्षैत्र में स्थापित हैण्डपम्पो को हटाकर इलेक्ट्रिक मोटर स्थापित कर बिजली विभाग से कनेक्शन लेकर आमजन को राहत प्रदान की थी। लेकिन यह राहत कुछ सालों तक ही आमजन को मिली। नगरपालिका प्रशासन ने बिजली विभाग के करीब 80 लाख रूपए बकाया होने के चलते नगरपालिका के करीब 110 टंकियो से बिजली कनेक्शन काट दिए।

बिजली विभाग के सहायक अभियंता ने बताया कि नगरपालिका को पिछले दो महिनों से लगातार पत्र के माध्यम से बिजली बकाया जमा कराने के लिए आग्रह किया था, लेकिन पालिका प्रशासन ने किसी भी प्रकार का कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देने के कारण उच्चाधिकारियों की सहमति से पालिका के करीब 110 कनेक्शन काटे हैं और आगे भी कार्रवाई जारी है। बिजली विभाग के कार्मिको ने भी आमजन को पेयजल के लिए राहत देने के लिए कनेक्शन तब काटे जब ईओ प्रकाश डूडी को विभाग ने एपीओ कर दिया। बिजली विभाग ने उनके पद पर रहते हुए बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई नहीं की। वर्तमान में ईओ का पद खाली होने के चलतें किसी ईओ का चार्ज असमंजस स्थिति में है।

नगरपालिका क्षैत्र के वार्ड संख्या 1 व 2 जाखानगर में पालिका की करीब 10 टंकिया लगाई गई थी। उक्त क्षैत्र कच्ची बस्ती होने के कारण यहां गरीब तबके के लोग निवासरत हैं जिनके घरो में पानी का कनेक्शन नहीं होने के चलते नगरपालिका प्रशासन की ओर से करीब 10 हैण्डपम्पों को हटाकर वहां इलेक्ट्रिक मोटर स्थापित कर बिजली विभाग के कनेक्शन लेकर आमजन के लिए पेयजल की व्यवस्था शुरू की थी लेकिन अब पालिका प्रषासन द्वारा पिछले लम्बे समय से बिजली का बिल भुगतान नहीं करने पर बिजली विभाग ने उक्त टंकियो से बिजली कनेक्शन काट दिए। वहीं क्षेत्र के वासिन्दों ने बताया कि अगर बिजली कनेक्शन का बिल बकाया चल रहा है तो पालिका को मोटरे ही नहीं लगानी थी हम हैण्डपम्प से ही पानी भर लेते।

नगरपालिका सुमेरपुर की अध्यक्ष उषा कंवर ने बताया कि वर्तमान में पालिका में फण्ड नहीं है, राज्य सरकार ने चुंगी नाका मद का करीब एक करोड़ नहीं उपलब्ध कराया है। मैने बिजली विभाग के एसई से निवेदन किया है कि जल्द ही बकाया भुगतान आपको कर देगें। शाम तक दोबारा कनेक्शन हो जाएंगे।

डिस्कॉम सुमेरपुर के एईएन अशोक कुमार मीणा ने बताया कि नगर पालिका के करीब 80 लाख बकाया होने चलतें उच्चाधिकारियों से सहमति लेकर कार्रवाई की गई है।

युवक की मूंछे और बाल काटे, वीडियो वायरल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के निकटवर्ती खारडा भांडू में युवक की मूंछे और बाल काटने जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने हालांकि अभी तक पुलिस के पास में उपस्थित होकर कोई रिपोर्ट नहीं दी है। मगर युवक जिस घर में परिचित से मिलने गया उसके पड़ौसियों को मिलना नागवार लगा और बाल मूंछे काट डाले।

पुलिस ने फिलहाल किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। एक महिला ने अपने पड़ौसियों के खिलाफ लज्जा भंग की रिपोर्ट दी है। बोरानाडा थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि खारडा भांडू की रहने वाली एक महिला ने अपने पड़ौस के चार लोगों कुने खां, हाकम खां, शाहरूक खां एवं कालू खां के खिलाफ घर में घुसकर छेड़छाड़ एवं लज्जा भंग की रिपोर्ट दी है। घटना 20 नवंबर की है। थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि जिस महिला की तरफ से यह रिपोर्ट दी गई उसके घर में जीतू नाम का एक शख्स आया हुआ था। जो कि उनके मिलने वाला है। जीतू के घर में आने की जानकारी मिली तो पड़ौसियों को उसका वहां आना नागवार लगा। पड़ोसियों ने उसे पकड़ कर बाल और मूंछे काट दी गई। यह घटना भी 20 नवंबर को ही हुई थी। बाल मूंछे काटे जाने का वीडियो वायरल होने पर पुलिस भी सकते में आ गई।

आरोपी पकड़ा

करौली, (निसं)। बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री देखने और सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में करौली कोतवाली पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। करौली थाना अधिकारी डॉ. उदय भान ने बताया कि बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री देखने और सोशल मीडिया पर प्रसारित करने को लेकर साइबर सेल एनसीआरबी दिल्ली पूरे देश में विशेष निगरानी कर रही। सोशल मीडिया की निगरानी के दौरान चाइल्ड पोर्नोग्राफी का मामला पकड़ में आया। जिस पर एनसीआरबी साइबर टिप लाइन दिल्ली द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर एसपी नारायण टोगस ने युवक को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। एसपी के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने रुपेश सिंहल 20 निवासी सत्यवती विहार कॉलोनी करौली को गिरफ्तार किया है।

ओड़ा रेलवे ब्रिज ब्लास्ट मामले में रिमांड बढ़ाया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर-असारवा (अहमदाबाद) रेलमार्ग पर उदयपुर से 35 किमी खारवा-चांदा रेलवे ट्रेक की ओड़ा रेलवे ब्रिज ब्लास्ट के आरोपियों की कोर्ट ने रिमांड अवधि पांच दिन और बढा दी है। वहीं अवैध विस्फोटक बेचने वालों की रिमांड अवधि बढा दी गई है। एक नाबालिग आरोपी को किशोर न्यायालय में पेश किया गया।

ओड़ा रेलवे ब्रिज पर ब्लास्ट मामले में आरोपियों धूलचंद और प्रकाश मीणा की रिमांड अवधि बुधवार को पूरी होने पर एटीएस, उदयपुर यूनिट के एएसपी अनंत कुमार के नेतृत्व में कोर्ट में पेश किया। जहां पुलिस ने अनुसंधान में और भी साक्ष्य और कबूलात के लिए पांच दिन और रिमांड अवधि बढ ाने की गुजारिश की। जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इस मामले में डेटोनेटर बेचने वाले अकुंश और उसके पिता बिहारीलाल सुहालका को भी पांच दिन के रिमांड पर सौंपा गया है। अब पुलिस धूलचंद, प्रकाश अकुंश और उसके पिता बिहारीलाल सुहालका से संयुक्त रूप से पूछताछ करेगी।

आपको बतादें कि इस केस में अब तक टीम सभी आरोपियों के घरों की तलाशी ले चुकी हैं। एटीएस को नक्सली या आतंकी एंगल जैसा कुछ नहीं मिला है। किसी के उकसावे जैसी कुछ बात सामने बात सामने नहीं आई है।

पुष्कर के पंडित गोताखोर राहुल पाराशर ने बताया की बाबाजी मोहन गिरी के सानिध्य में रूस की रहने वाली दो विदेशी महिलाओं ने अपने पूर्वजों के पिंडदान किये। रिना व कातिया ने पुष्कर सरोवर की पूजा करके बहुत ही शान्ति महसूस की। इसके बाद दोनों महिलाओं ने सर्दी से बचाव के लिए सौ कम्बल सड़क पर सोने वाले बाबा, साधुओं को वितरित किये।

पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने का जुनून

नागौर से पप्पू चौधरी ने शुरू की साइकिल यात्रा, झुंझुनूं पहुंचा

झुंझुनूं, (निसं)। पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने के लिए माउंट एवरेस्ट तक साइकिल यात्रा पर निकले पप्पू चौधरी झुंझुनूं पहुंचे। यहां पहुंचने पर युवाओं ने पप्पू का स्वागत किया और उनके हौसले की सराहना करते हुए कहा कि अगर हर व्यक्ति में पप्पू चौधरी जैसी सोच पैदा हो जाए, तो पर्यावरण संरक्षण के लिए किसी को जागरूक करने की आवश्यकता नहीं होगी।

पप्पू ने 1 सितंबर को नागौर से साइकिल यात्रा की शुरू की थी। अब तक राजस्थान के 11 जिलों की साइकिल पर यात्रा कर चुके है। पप्पू चौधरी नागौर से होते हुए जोधपुर, पाली, सिरोही, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू के बाद झुंझुनूं पहुंचे। वह अब तक चार हजार किलोमीटर की दूरी तय कर चुके है। माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए लगभग डेढ़ साल तक यात्रा करेंगे। माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए बीस हजार किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करेंगे। पप्पू के इस काम हर जगह सराहना हो रही है, जगह जगह स्वागत किया जा रहा है।

पर्यावर संरक्षण की अलख जगाने के लिए पप्पू चौधरी झुंझुनूं पहुंचे।

पप्पू चौधरी नागौर जिले के खींवसर के रहने वाले है। उनका सपना है कि माउंट एवरेस्ट कैंप तक साइकिल यात्रा निकालकर पर्वतारोहण का प्रशिक्षण हासिल कर एवरेस्ट अभियान दल का हिस्सा बने। पप्पू को राजस्थान में तीन महीने और लगेंगे उसके बाद साल भर तक यात्रा कर माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचेंगे। पप्पू बताते है कि उन्हें पर्यावरण बचाने का जुनून है और इसके लिए वे काम कर रहे हैं, ताकि लोग उन्हें देखेंगे तो पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होंगे।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

बीकानेर, (कासं)। लूणकरनसर में ईंट भट्टों पर काम करने वाले तीन मजदूर बाइक पर जा रहे थे, तभी सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। तीनों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सड़क पर चारे से भरी दो पिकअप खड़ी थी। इसी कारण सामने से आ रहा ट्रक नजर नहीं आया। लूणकरनसर के चक 264 के पास हरियासर गांव में ईंट का भट्टा है। इसी भट्टे पर हनुमानगढ़ के पीलीबंगा निवासी तीन दोस्त काम करते हैं। बुधवार को अमावस्या के कारण अवकाश था। ऐसे में तीनों दोस्त लूणकरनसर घर का सामान लेने गए थे। वापसी के दौरान सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। बाइक पर सवार राजू पुत्र बृजलाल नायक, मदन लाल पुत्र चौथराम मेघवाल और श्योपत पुत्र बृजलाल नायक की मौके पर ही मौत हो गई। राजू और श्योपत सगे भाई थे। इन तीनों के ऊपर से ट्रैक्टर निकल गया। ऐसे में तीनों दूर-दूर सड़क पर गिरे मिले। आसपास के लोग अस्पताल भी लेकर गए लेकिन तीनों मृत थे। अब तीनों की बॉडी लूणकरनसर अस्पताल में रखी गई है, जहां तीनों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। मौके पर दो पिकअप गाड़ियां खड़ी थी। इसी कारण ट्रैक्टर और बाइक सवार दोनों को कोई भी नजर नहीं आया।

महिला बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने केन्द्र सरकार पर लगाए आरोप

प्रदेश में 5 हजार नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की नहीं दे रहा केंद्र मंजूरी, मानदेय भी नहीं बढ़ा रहा

झुंझुनूं, (निस)। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश केंद्र सरकार पर हमलावर हो गई है। उन्होंने केंद्र सरकार पर सौतेला व्यवहार का आरोप लगाने के साथ-साथ कहा है कि प्रदेश की जनता ने 25 के 25 सांसद जीताकर दिल्ली भेजे थे। लेकिन वो सभी के सभी मूक बधिर हो गए। पीएम के सामने बोलने की उनकी हिम्मत तक नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले सात सालों में प्रदेश में एक भी नया आंगनबाड़ी केंद्र नहीं खुला है।

पांच हजार नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने के लिए कई बार बातचीत हुई और चिट्ठी लिखी गई। लेकिन ना तो कोई जवाब आता है और ना ही स्वीकृति आती है। जिसके चलते आंगनबाड़ी जैसी सुविधाओं का विस्तार अटका हुआ है। वहीं केंद्र खुलेंगे तो महिलाओं को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में गहलोत सरकार तीन बार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और साथिनों का मानदेय बढाया दिया है।

मंत्री ममता भूपेश

लेकिन केंद्र सरकार बढे हुए मानदेय के आधार पर अपना हिस्सा नहीं दे रही है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच नीतिगत निर्धारण है कि मानदेय का 60 फीसदी हिस्सा केंद्र तथा 40 फीसदी हिस्सा राज्य सरकार देगी। लेकिन विडंबना है कि हम 70 फीसदी पैसा दे रहे है। वहीं केंद्र सरकार 30 फीसदी राशि भी समय पर नहीं दे रहा है। इसलिए केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारियों से विमुख हो रहा है। नीतिगत समझौतों पर काम नहीं कर रहा है। बावजूद इसके भाजपा के सांसद केंद्र में कुछ बोलते नहीं।

ईआरसीपी और मानगढ़ पर बरसी ममता :- मंत्री ममता भूपेश ने केंद्र सरकार को केवल अपने विभागीय कार्यों में सौतेले व्यवहार को लेकर ही नहीं घेरा। बल्कि उन्होंने कहा कि ईआरसीपी और मानगढ़ का क्रेडिट गहलोत सरकार ना ले जाए। इसके कारण ना तो ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जा रहा है और ना ही मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक बनाया जा रहा है। केंद्र सरकार को एक अभिभावक की तरह सभी राज्यों को देखना चाहिए। लेकिन पॉलिटिकल माइलेज गहलोत सरकार को ना मिल जाए। इसलिए ना तो ईआरसीपी और ना ही मानगढ़ पर कोई निर्णय लिया जा रहा है। जबकि हम स्पष्ट कर चुके है कि ईआरसीपी और मानगढ़, दोनों में जो भी खर्चा आएगा। राज्य सरकार खर्च करेगी। फिर भी केंद्र सरकार पॉलिटिकल माइलेज कांठोस को ना मिले। इसलिए ना केवल चुप है। बल्कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी राजस्थान के होते हुए भी कोई कदम नहीं उठा रहे है।

भाजपा की नौटंकी है जनाक्रोश रैली, फ्लॉप शो साबित होगी :- भाजपा की जनाक्रोश रैली को लेकर ममता भूपेश ने कहा कि चार साल में भाजपा ने विपक्ष की भूमिका को तो नहीं निभाया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को देखते हुए चुनावी स्टंट के लिए भाजपा जनाक्रोश रैली की नौटंकी कर रही है। जो एक फ्लाप शो साबित होगी। भारत जोड़ो यात्रा पर उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल में पहली बार कोई नेता पौने 4 हजार किलोमीटर की यात्रा कर रहे हैं। इसकी सफलता से बौखला कर ही भाजपा जनाक्रोश रैली निकाल रही है। प्रदेश की जनता राहुल गांधी की यात्रा के स्वागत के लिए तैयार है।

जिसने हाल में इस खेल को खेला है वह टी20 में कोचिंग के काम के लिए बेहतर है। आशीष और राहुल दोनों मिलकर 2024 विश्व कप के लिए टीम को बनाने के लिए काम कर सकते है।
– हरभजन सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, आशीष नेहरा को टी-20 कोच बनाने की वकालत करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने फुटबॉलरक्रिस्टियानो रोनाल्डो को बाहर का रास्ता दिखा दिया। रोनाल्डो ने भी ट्वीट करते हुए इसकी पुष्टि की। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने मंगलवार रात अपने सोशल मीडिया के माध्यम से घोषणा की कि रोनाल्डो तत्काल प्रभाव से आपसी समझौते से क्लब छोड देंगे।यह घोषणा तब हुई जब पुर्तगाली स्टार ने इससे पहले कतर में चल रहे फीफा विश्व कप में पुर्तगाल का प्रतिनिधित्व करने के लिए रवाना होने से ठीक पहले एक टीवी साक्षात्कार में क्लब और मुख्य कोच एरिक टेन हैग के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेदु ताएब ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

एक और उलटफेर जापान ने पिछड़ने के बाद जर्मनी को दिया जोर का झटका

कतर, 23 नवम्बर। फीफा विश्व कप 2022 के तीसरे दिन जापान ने जर्मनी को 2-1 से हराकर एक बड़ा उलटफेर किया है। चार बार की चैंपियन जर्मनी की टीम पहले हाफ में एक गोल के बढ़त के साथ खेल रही थी लेकिन दूसरे हाफ के आखिरी मिनट में जापान ने बेहतरीन वापसी करते हुए मैच को पूरी तरह से पलट दिया। जापान के लिए मैच के 75वें मिनट में रित्सु दोआन और 83वें मिनट में तकुमा असानों ने 83वें मिनट में गोल दागकर जर्मनी को बड़ा झटका दे दिया। फीफा विश्व कप ग्रुप ई में जर्मनी के ऊपर जापान की ये ऐतिहासिक जीत है। मैच में जर्मनी ने पहले हाफ में शानदार शुरुआत की थी। जर्मनी लगातार जापान के गोल पोस्ट में आक्रमण करती रही और 33वें मिनट में एल्काई गुंडोअन ने पेनल्टी पर टीम के लिए पहला गोल दागा था। हालांकि इसके बाद जर्मनी की टीम मौके बनाने में नाकाम रही। इस दौरान कई बार जर्मनी के खिलाड़ियों जापानी खेमे पर दबाव बनाने की कोशिश लेकिन रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों ने विरोधी की हर कोशिश को नाकाम किया।

दूसरे हाफ में बदला खेल

एक गोल के बढ़त के साथ जर्मनी की टीम जब वापस लौटी तो उसकी रणनीति दूसरे हाफ में लगातार आक्रामक खेल के साथ गोल करने की थी ताकि जापान पर और अधिक दबाव दिखे। जर्मन खिलाड़ी लगभग अपने प्रयास में कामयाब होते हुए दिखे लेकिन जापानी गोलकीपर की चपलता के आगने उनकी एक ना चली। वहीं 70वें मिनट के बाद जापानी टीम को खुद को झोंक दिया और टीम के लिए पहला गोल दागकर मैच को बराबरी पर कर दिया। इसके बाद 83वें मिनट में एक और गोल के साथ जापान ने 2-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद जापान ने रक्षात्मक खेल दिखाते हुए जर्मनी को बराबरी का एक भी मौका नहीं दिया।

दो दिन में दो एशियाई टीमों ने किया उलटफेर

फीफा विश्व कप में लगातार दूसरे दिन भी एशियाई टीमों का प्रदर्शन धमाकेदार रहा। इससे पहले सऊदी अरब ने लियोनल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर सनसनी मचा दी। इस मैच में भी अर्जेंटीना 1-0 से आगे चल रही थी लेकिन सऊदी की टीम ने दमदार वापसी करते हुए खेल पलट दिया था। वहीं 23 नवंबर को जापान ने जर्मनी को हराकर खेल को पूरी तरह से बदल दिया।

जर्मनी के खिलाड़ियों ने विरोध स्वरूप विश्व कप मुकाबले से पूर्व चेहरे ढके

दोहा, 23 नवंबर। जर्मनी के खिलाड़ियों ने फुटबॉल विश्व कप में टीम के पहले मैच से पूर्व तस्वीर खींचे जाने के दौरान अपने चेहरे ढक लिए जो मेजबान देश कतर में भेदभाव का विरोध करने के लिए आर्मबैंड (बांह पर पट्टी बांधना) पहनने की योजना पर फीफा के कड़े रुख की निंदा का तरीका है। जापान के खिलाफ बुधवार के मैच से पहले टीम पारंपरिक तरीके से खड़ी हुई लेकिन सभी 11 खिलाड़ियों ने अपने दाहिने हाथ से अपना मुंह ढक लिया। ऐसा लगता है कि यह जर्मनी सहित सात यूरोपीय संघों को फीफा की चेतावनी पर प्रतिक्रिया थी। फीफा ने कहा था कि समावेश और विविधता के प्रतीक के रूप में रंगीन 'वन लव' आर्मबैंड पहनने पर खिलाड़ियों को दंडित किया जाएगा। इन सात टीम के कप्तानों ने आर्मबैंड पहनने की योजना बनाई थी। कतर अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड और समलैंगिकता को अपराध बताने वाले कानूनों के कारण समीक्षा के दायरे में रहा है। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने सोमवार को उस समय चेतावनी जारी की जबकि कुछ घंटों बाद इन सात में से पहली टीम के कप्तान को आर्मबैंड पहनकर उतरना था। फीफा ने कहा कि खिलाड़ियों को तुरंत पीला कार्ड दिखाया जाएगा।

मोरक्को ने क्रोएशिया को ड्रॉ पर रोका

अल खोर, 23 नवंबर। विश्व रैंकिंग में 22वें नंबर की टीम मोरक्को ने गुरुवार को फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप-एफ मुकाबले में 2018 की उपविजेता क्रोएशिया को ड्रॉ पर रोक दिया। अल-बैत स्टेडियम पर आज खेले गये मुकाबले के शून्य गोल पर ड्रॉ होने के बाद दोनों टीमों ने एक-एक अंक बांटा। मोरक्को विश्व कप 2018 में अपना खाता नहीं खोल सकी थी लेकिन यहां उसने क्रोएशिया से एक अंक छीन लिया। लुका मॉड्रिक की कप्तानी वाली क्रोएशिया ने इस मुकाबले में स्कोर करने के कई प्रयास किये लेकिन मोरक्को के डिफेंस ने सभी कोशिशों को असफल किया। कप्तान मॉड्रिक को 81वें मिनट और अतिरिक्त समय में फ्रीकिक मिली लेकिन वह इन्हें गोल में तब्दील नहीं कर सके। दूसरी ओर, ला लीगा में ओसासुना क्लब के लिये खेलने वाले अब्दे एज़लज़ूली ने दूसरे हाफ में मैदान पर आकर मोरक्को के लिये कई अवसर बनाये, हालांकि क्रोएशिया ने उनके सभी प्रयासों को विफल करते हुए उन्हें फेरबदल करने का अवसर नहीं दिया। इस ड्रॉ के साथ क्रोएशिया और मोरक्को ग्रुप-एफ में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर आ गये हैं।

स्पेन ने विश्व कप में अपनी सबसे बड़ी जीत हासिल की, कोस्टारिका को 7-0 से रौंदा

कतर, 23 नवम्बर। स्पेन ने फुटबॉल विश्व कप के चौथे दिन कोस्टारिका के खिलाफ ऐतिहासिक जीत हासिल की। उसने ग्रुप-ई में अपने पहले मैच में कोस्टारिका को 7-0 से हरा दिया। यह विश्व कप इतिहास में उसकी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 24 जून 1998 को उसने बुल्गारिया को 6-1 से हराया था। स्पेन की टीम इस मैच को जीतने के बाद ग्रुप-ई में जापान को पीछे छोड़कर शीर्ष पर पहुंच गई है। यह कोस्टारिका की संयुक्त रूप से फुटबॉल इतिहास में सबसे बड़ी हार है। उसे 1975 में मैक्सिको के खिलाफ 0-7 से हार मिली थी। हालांकि, वह विश्व कप का मैच नहीं था। स्पेन के लिए मैच में पहला गोल दानी ओल्मो ने 11वें मिनट में किया। उनके बाद मार्को असेंसियो ने 21वें मिनट में दूसरा गोलकर टीम की बढ़त को दोगुनी कर दी। फेरान टोरेस ने 31वें मिनट में पेनल्टी पर अपना पहला गोल किया। इस तरह स्पेन की टीम हाफटाइम तक 3-0 से आगे थी। उसने दूसरे हाफ में अपनी आक्रमकता और ज्यादा बढ़ा दी। इस दौरान चार गोल दागे। फेरान टोरेस ने अपना दूसरा गोल 54वें मिनट में किया। यह टीम का चौथा गोल था। उनके बाद युवा स्टार गावी ने 74वें, कार्लोस सोलर ने 90वें और अल्वारो मोराट ने इंजरी टाइम (90 2वें) मिनट में गोल किया। स्पेन की टीम ग्रुप-ई में अपना दूसरा मुकाबला 28 नवंबर को जर्मनी के खिलाफ खेलेगी। वहीं, कोस्टारिका का सामना 27 नवंबर को जापान से होगा।

जडेजा बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर, कुलदीप सेन, शाहबाज को टीम में

नयी दिल्ली, 23 नवंबर। अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा घुटने की चोट से उबरने में नाकाम रहने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए बुधवार को चुनी गई टीम से बाहर हो गए। जडेजा के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल भी पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण इस श्रृंखला से बाहर हो गए। जडेजा ने अगस्त-सितंबर में एशिया कप के बाद घुटने की सर्जरी करवाई थी और फिर अनिश्चित काल के लिए टीम से बाहर हो गए है। टीम में इन दोनों की जगह तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और ऑलराउंडर शाहबाज अहमद को शामिल किया गया है। भारत को बांग्लादेश में तीन एकदिवसीय और दो टेस्ट मैच खेलने हैं और रोहित शर्मा के नेतृत्व में मजबूत टीम पड़ोसी देश का दौरा करेगी। टेस्ट मैच चटगांव में 14 से 18 दिसंबर और मीरपुर में 22 से 26 दिसंबर तक खेले जायेंगे। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की एकदिवसीय टीम: शिखर धवन (कप्तान), शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शारदुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर, उमरान मलिक। बांग्लादेश वनडे के लिए भारत की टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, राहुल त्रिपाठी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, अक्षर पटेल , वाशिंगटन सुंदर, शारदुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, कुलदीप सेन। पहले चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए टीम: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), रोहन कुन्नुमल, यशस्वी जायसवाल, यश ढुल, सरफराज खान, तिलक वर्मा, उपेंद्र यादव (विकेटकीपर), सौरभ कुमार, राहुल चाहर, जयंत यादव, मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, अतीत सेठ। दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए टीम: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), रोहन कुन्नुमल, यशस्वी जायसवाल, यश ढुल, सरफराज खान, उपेंद्र यादव (विकेटकीपर), सौरभ कुमार, राहुल चाहर, जयंत यादव, मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, अतीत शेठ, चेतेश्वर पुजारा, उमेश यादव, केएस भरत (विकेटकीपर)।

अमेरिका के खिलाफ मैच से पहले टखने का स्कैन करवायेंगे केन

दोहा, 23 नवंबर। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन फीफा विश्व कप 2022 में अमेरिका के विरुद्ध मैच से पहले बुधवार को अपने टखने का स्कैन करवायेंगे। फीफा विश्व कप 2018 के गोल्डन बूट विजेता केन ने ईरान के विरुद्ध सोमवार को खेले गये मैच के दौरान अपने टखने का उपचार करवाया था। वह मैच के 75वें मिनट में मैदान से बाहर चले गये थे और डगआउट में टखने पर पट्टी के साथ नज़र आये थे। केन ने मंगलवार को अभ्यास किया, लेकिन सूत्रों के अनुसार बुधवार के सत्र में उन्होंने हिस्सा नहीं लिया। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के प्रबंधक गैरेथ साउथगेट ने सोमवार के मैच के बाद कहा था, मेरे अनुसार हैरी ठीक हैं। देखने से लगा था कि टक्कर बुरी है लेकिन वह इसके बाद भी खेलते रहे।

राउंड ग्लास पंजाब और राजस्थान यूनाइटेड का मुकाबला बराबरी पर छूटा

पंचकुला, 23 नवंबर। राउंड ग्लास पंजाब एफसी और राजस्थान यूनाइटेड के बीच बुधवार को यहां खेला गया आई-लीग फुटबॉल का मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। डेनियल लालमपुइया ने मैच के 13वें मिनट में ही गोल कर मेजबान आरजीपीएफसी को बढ़त दिला दी। टीम जीत की ओर बढ़ रही थी लेकिनग्यामर निकुंभ ने आखिरी क्षणों में गोल दाग राजस्थान यूनाइटेड के लिए एक अंक पक्का कर दिया। इस नतीजे से तीन मैचों के बाद आरजीपीएफसी के खाते में सात अंक है तो वहीं इतने ही मुकाबले में राजस्थान के नाम चार अंक है।

पुर्तगाल और घाना के मैच में रोनाल्डो पर टिकी रहेंगी निगाहें

दोहा, 23 नवंबर। पुर्तगाल और घाना के बीच गुरुवार को यहां होने वाले मैच में सभी की निगाहें स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर टिकी होंगी जो कि अपना पांचवां और संभवतः अंतिम विश्वकप खेल रहे हैं।

यह 37 वर्षीय खिलाड़ी मंगलवार से बिना क्लब का है क्योंकि मैनचेस्टर यूनाइटेड ने उनका अनुबंध रद्द कर दिया है। रोनाल्डो ने यूनाइटेड के कोच एरिक टेन हैग, क्लब के मालिक और साथी खिलाड़ियों की आलोचना की थी।

रोनाल्डो के पास क्लब स्तर पर अभी कोई टीम नहीं है और ऐसे में विश्वकप में उनका प्रदर्शन यह तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा यह दिग्गज खिलाड़ी भविष्य में किस टीम से जुड़ेगा। पांच बार वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोनाल्डो का चरम संभवतः बीत चुका है लेकिन जब वह अपने रंग में होते हैं तो फिर उनके सामने कोई भी टीम नहीं टिक पाती है।

रोनाल्डो ने यूनाइटेड से आपसी सहमति से नाता तोड़ने से पहले कहा था कि पुर्तगाल की तरफ से विश्वकप अभियान के दौरान उनके क्लब से जुड़े मसले उन्हें प्रभावित नहीं करेंगे। रोनाल्डो अभी तक विश्वकप नहीं जीत पाए हैं और पहली बार ट्रॉफी हासिल करना ही इस विश्वकप में उनके लिए प्रेरणा होगी। इसके अलावा किसी नये क्लब को आकर्षित करना उनके लिए बोनस जैसा होगा। पुर्तगाल का सामना पहले मैच में ही उस टीम घाना से है जो कि विश्व कप में भाग ले रही सबसे कम रैंकिंग की टीम है लेकिन उसे छुपा रुस्तम माना जा रहा है। घाना की विश्व रैंकिंग 61 है। इस ग्रुप में उरूग्वे और दक्षिण कोरिया जैसी उलटफेर करने में सक्षम टीमें भी हैं।

इसके अलावा सऊदी अरब ने लियोनेल मेसी की अगुवाई वाले अर्जेंटीना को हराकर कमजोर टीमों को यह संदेश दे दिया है कि विश्वकप में कुछ भी असंभव नहीं है और वे अपने दिन पर उलटफेर कर सकती हैं। घाना के पास थामस पार्टे और मोहम्मद कुदुस जैसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने यूरोपीय क्लबों में अच्छा प्रदर्शन किया है। पुर्तगाल को इन खिलाड़ियों से सतर्क रहना होगा।

उरूग्वे के खिलाफ विश्व कप मैच में सुरक्षा मास्क पहनकर उतर सकते है कोरिया के सोन

दोहा, 23 नवंबर। दक्षिण कोरिया विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप एच के अपने पहले मैच में गुरुवार को जब उरूग्वे का सामना करने के लिए उतरेगा तो निगाहें उसके स्टार स्ट्राइकर सेन ह्यूंग मिन पर टिकी रहेंगी जो कि सुरक्षा मास्क पहनकर मैदान पर उतर सकते हैं।

सोन ने अभी तक 104 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 35 गोल किए हैं लेकिन इस स्ट्राइकर ने दो नवंबर के बाद कोई मैच नहीं खेला है क्योंकि चैंपियंस लीग के एक मैच में मार्सेली के चानसेल मबेंबा से टकराने के कारण उनकी बांयी आंख के पास फ्रैक्चर हो गया था।

पिछले सत्र में प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे सोन ने कहा कि वह सुरक्षा मास्क पहनकर उतर सकते हैं लेकिन उन्हें इस को लेकर चिंता है कि यह कितना प्रभावी हो सकता है तथा इसे पहनकर खेलने से क्या खतरे हो सकते हैं। उन्होंने कतर पहुंचने के बाद मास्क पहनकर ही अभ्यास सत्रों में भाग लिया है।

दक्षिण कोरिया की अग्रिम पंक्ति सोन की तेजी, उनके दोनों पांव से शॉट मारने की क्षमता और उनकी सटीकता पर टिकी रहेगी। उरूग्वे के स्ट्राइकर लुई सुआरेज और उनके साथी एडिनसन कवानी का यह चौथा विश्वकप होगा। सुआरेज अब तक विश्वकप में सात गोल कर चुके हैं और वह ऑस्कर मिगुएज के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से एक गोल पीछे हैं।

उरूग्वे की टीम अनुभव और युवा का मिश्रण है तथा सुआरेज और कवानी जैसे खिलाड़ी संभवतः अपना आखिरी विश्वकप खेल रहे हैं।

उसकी टीम में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं जैसे कि ऑस्कर तबरेज की जगह डिएगो अलोंसो को चुना गया है जिन्हें इस स्तर पर खेलने का बहुत कम अनुभव है। तबरेज तीन विश्व कप में खेले हैं लेकिन लगातार खराब प्रदर्शन के कारण वह इस साल के शुरू में टीम से बाहर हो गए थे। उन्होंने विश्वकप 2010 में टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

दक्षिण कोरिया और उरूग्वे इस मैच में पूरे अंक हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे क्योंकि आगे उनका मुकाबला ब्राजील जैसी मजबूत टीम से होगा जिसे खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। ग्रुप एच की चौथी टीम सर्बिया है।

गिरोड-एमबापे ने दिलाई फ्रांस को ऑस्ट्रेलिया पर 4-1 से जीत

अल वकराह (कतर), 23 नवंबर। ओलिवियर गिरोड और काइलन एमबापे के शानदार प्रदर्शन से फ्रांस ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने अभियान का जोरदार आगाज किया। करीम बेनजेमा की अनुपस्थिति में एमबापे ने एक गोल किया जबकि गिरोड के दो गोल में से एक गोल करने में मदद की। गिरोड ने 71वें मिनट में एमबापे के क्रॉस पर हैडर से गोल करके थियरे हेनरी के 51 गोल के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की। गिरोड पिछले विश्व कप में गोल करने में नाकाम रहे थे लेकिन उन्होंने 2014 में गोल किया था। फ्रांस जब शनिवार को डेनमार्क का सामना करेगा तो उनके पास हेनरी के रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका होगा। फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा, " यह केवल रिकॉर्ड का पीछा करने से नहीं जुड़ा है लेकिन मैदान पर उनके प्रदर्शन से जुड़ा है। वह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी है।" गिरोड के इस गोल से तीन मिनट पहले एमबापे ने ओस्मान डेम्बेले के क्रॉस पर गोल किया था। इससे पहले क्रेग गुडविन ने नौवें मिनट में ही गोल करके फ्रांस के समर्थकों को सकते में डाल दिया था। एड्रियन रैबियोट ने 27वें मिनट में गोल करके फ्रांस को बराबरी दिलाई थी। रैबियोट ने इसके चार मिनट बाद गिरोड के पहले गोल में मदद की। फ्रांस अपने स्टार स्ट्राइकर बेनजेमा के बिना खेल रहा है जो चोटिल होने के कारण विश्वकप से बाहर हो गए थे।

फ्रांस के लुकास हर्नाडिज चोटिल होने के कारण विश्वकप से बाहर

दोहा, 23 नवंबर। फ्रांस की 2018 की विश्व कप विजेता टीम के एक अन्य सदस्य लुकास हर्नाडिज चोटिल होने के कारण वर्तमान टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और उनका इस सत्र में आगे खेलने की भी संभावना नहीं है। चार साल पहले फ्रांस को विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले हर्नाडिज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को अपनी टीम के पहले मैच के दौरान केवल आठ मिनट ही मैदान पर रहे और दाहिने घुटने की चोट के कारण उन्हें बाहर जाना पड़ा।

फ्रांसीसी फुटबॉल महासंघ के बयान में कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा," हमने एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी गंवा दिया है। लुकास कभी हार नहीं मानने वाला खिलाड़ी है।" लग रहा था की हर्नाडिज का दाहिना घुटना मुड़ गया है जिसके कारण उन्हें तुरंत ही मैदान छोड़ना पड़ा। फ्रांस ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।फ्रांस की टीम पिछले कुछ समय से चोटों की समस्या से जूझ रही है।

तिर्की ने पटनायक को सौंपा हॉकी विश्व कप का पहला टिकट

भुवनेश्वर 23 नवंबर। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने जनवरी 2023 में होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप भुवनेश्वर-राउरकेला का पहला टिकट बुधवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के सुपुर्द किया। तिर्की ने ट्वीट किया, माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने राउरकेला और भुवनेश्वर में होने वाले एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 का पहला टिकट खरीदा। ओडिशा के मुख्यमंत्री को टिकट देकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। ओडिशा दूसरी बार पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2018 का आयोजन भी भुवनेश्वर में हुआ था। पटनायक ने तिर्की के साथ तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की से ओडिशा हॉकी विश्व कप का पहला टिकट पाकर खुशी हुई। आशा है कि दुनिया भर के प्रशंसक ओडिशा में एक और हॉकी महाकुंभ देखने के लिए तैयार हैं। कार्रवाई में हमारी टीम को खुश करने के लिए आप सभी से जुड़ने के लिए तत्पर हैं। विश्व कप 2023 का आयोजन 13 जनवरी 2023 से भुवनेश्वर और राउरकेला में होगा। भारत को इंग्लैंड, वेल्स और स्पेन के साथ पूल-डी में रखा गया है।

पुणेरी पल्टन की जयपुर पिंक पैंथर्स में जीत पर चमके असलम इनामदार

हैदराबाद, 23 नवंबर। पुणेरी पल्टन ने बुधवार को यहां प्रो कबड्डी लीग में जयपुर पिंक पैंथर्स को 39-32 से हरा दिया। पुणे की टीम के लिए असलम इनामदार ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए नौ अंक जुटाए। पुणे की टीम मध्यांतर तक 20-16 से आगे थी और उसने दूसरे हाफ में भी इस बढ़त को बरकरार रखा। इस जीत से पुणे की टीम ने अंक तालिक के शीर्ष पर अपना स्थान मजबूत कर लिया है। टीम के 17 मैच में 64 अंक हैं। जयपुर की टीम 16 मैच में 54 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

चमिका करूणारत्ने 1 साल के लिए निलंबित

कोलंबो, 23 नवंबर। श्रीलंका क्रिकेट ने हरफनमौला चमिका करुणारत्ने को टी20 विश्व कप के दौरान खिलाड़ियों के करार के कई नियमों का उल्लंघन करने परबुधवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से एक साल के लिए निलंबित कर दिया। एसएलसी की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यीय पैनल द्वारा की गई 'अनुशासनात्मक जांच' के बाद यह सजा सुनायी। इसके साथ ही उन पर पांच हजार डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। एसएलसी से जारी बयान के मुताबिक, करुणारत्ने के उल्लंघनों की गंभीरता को देखते हुए जांच समिति ने एसएलसी की कार्यकारी समिति से सिफारिश की है कि खिलाड़ी को कड़ी चेतावनी दी जाए कि वह आगे से ऐसा ना करे। इसके साथ ही ऐसी सजा दी जाए जिसका ज्यादा प्रभावउसके क्रिकेट करियर पर ना पड़े। ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में समाप्त हुए टी20 विश्व कप में इस 26 साल के खिलाड़ी ने सात मैचों में तीन विकेट चटकाए थे। उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को स्वीकार कर लिया।

लैंगर ने कुछ खिलाड़ियों को कायर बताया

मेलबर्न, 23 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कोच जस्टिन लैंगर ने बुधवार को मीडिया में कोचिंग को लेकर शिकायत करने वाले टीम के 'कायर' खिलाड़ियों को फटकार लगायी। लैंगर ने बैकचैट पॉडकास्ट पर कहा, सभी मेरे सामने अच्छा व्यवहार कर रहे थे, लेकिन मैं साथ ही अखबार भी पढ़ रहा था और अपने बच्चों की कसम, आधे से ज्यादा चीजों पर विश्वास करना मुश्किल है। कई पत्रकार 'सूत्र' शब्द का प्रयोग करते हैं। मैं कहता हूं कि उस शब्द को बदलकर 'कायर' कर देना चाहिये।

उल्लेखनीय है कि टी20 विश्व कप 2021 से पहले कई मीडिया रिपोर्टों में सूत्रों का हवाला देते हुए कहा गया था कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी लैंगर के कोचिंग के तरीके से नाराज हैं। उन्होंने कहा, सूत्रों का क्या मतलब होता है? या तो उन्हें किसी से कुछ परेशानी है और वे आकर इसे आपके सामने नहीं कहेंगे, या वे सिर्फ अपने एजेंडे के लिए चीजें लीक कर रहे हैं। मुझे इससे नफरत है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को 2021 में पहला टी20 विश्व कप जिताने और एशेज़ 2021 में दमदार विजय के बावजूद उनका कार्यकाल न बढ़ाया जाना उनके लिये हैरान करने वाला था। लैंगर का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों के बीच मनमुटाव बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वह ज्यादा 'भावुक' कोच नहीं थे और कई खिलाड़ियों को उन्हें समझने में भूल हुई। उन्होंने कहा कि कई मैचों में हार मिलने के बाद ड्रेसिंग रूम में उनकी खामोशी का गलत मतलब निकाला गया और ऑस्ट्रेलिया की सफलता के लिये उन्हें बेहतर परिणाम मिलने चाहिये थे।

लैंगर ने छह महीने के अनुबंध विस्तार की पेशकश के बाद फरवरी में कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों, स्टाफ और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड का समर्थन खोने के कारण उन्होंने अपना इस्तीफा दिया है।

न्यूज़ीलैंड क्रिकेट ने गुप्टिल को केंद्रीय अनुबंध से बाहर किया

क्राइस्टचर्च, 23 नवंबर। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनज़ेडसी) ने अनुभवी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल के निवेदन को पूरा करते हुए उन्हें केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया है। एनज़ेडसी ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। बोर्ड के अनुसार, 36 वर्षीय गप्टिल ने खुद को अनुबंध से बाहर करने का अनुरोध किया था ताकि वह अन्य जगहों पर खेलने के अवसरों का लाभ उठा सकें।

एनज़ेडसी ने यहां जारी बयान में कहा, एनजेडसी के साथ विचार-विमर्श के बाद, यह सहमति हुई कि अनुबंध से रिहाई के लिये गप्टिल के अनुरोध को तत्काल प्रभाव से स्वीकार किया जाना चाहिये। केंद्रीय या घरेलू अनुबंध वाले खिलाड़ियों को टीम में चयन के लिये प्राथमिकता दिया जाना जारी रहेगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले गप्टिल हाल ही में समाप्त हुए टी20 विश्व कप में 15-सदस्यीय स्क्वाड का हिस्सा थे, लेकिन एक भी मैच में एकादश का हिस्सा नहीं बन सके। उन्हें भारत के खिलाफ चल रही घरेलू सीरीज में टीम में शामिल नहीं किया गया।गप्टिल इस साल न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंध से बाहर निकलने की इच्छा जताने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले ट्रेंट बोल्ट और कॉलिन डी ग्रैंडहोमे भी ऐसा कर चुके हैं। गप्टिल ने हालांकि यह स्पष्ट किया कि वह टी20 अंतरराष्ट्रीय से सन्यास नहीं ले रहे हैं और अवसर मिलने पर राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना चाहेंगे।

गप्टिल ने कहा, अपने देश के लिए खेलना एक बड़ा सम्मान रहा है, और मैं ब्लैककैप्स और एनजेडसी के भीतर उनके समर्थन के लिए सभी का आभारी हूं। लेकिन साथ ही मैं वर्तमान परिस्थितियों में अपने विकल्पों पर विचार करने की जरूरत को समझता हूं। अनुबंध से बाहर निकलने के बाद भी मैं न्यूजीलैंड के लिए उपलब्ध हूं। मेरे पास अन्य अवसरों का पता लगाने का मौका है, और मुझे अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने का भी मौका मिला है जो महत्वपूर्ण है।

'माही सागर बांध का पानी जालोर, बाड़मेर व सिरोही आयेगा'

हाई कोर्ट ने अपने निर्णय में राज्य सरकार को निर्देशित किया कि, जनवरी 2023 तक, इस पानी को राजस्थान लाने के लिए विस्तृत प्रोजैक्ट रिपोर्ट पेश करे

- राजस्थान के बांसवाड़ा जिले से शुरू होने वाली माही नदी, जिस पर माही सागर बांध बना है, में सात नदियों का संगम होता है। वर्ष 1966 में राजस्थान सरकार व गुजरात के बीच समझौता हुआ था कि, इसका 9 टी.एम.सी. फीट (थाउज़ेंड मिलियन क्यूबिक फीट) पानी राजस्थान को तथा 4 टी.एम.सी. फीट पानी गुजरात को दिया जाएगा।
- गुजरात के कडाणा बांध के संबंध में डी.एन. खोसला की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने 1965 में कडाणा बांध का दो तिहाई पानी राजस्थान को देने का फैसला दिया था।
- 1988 में नर्मदा टर्मिनल की स्थापना की गई। हाई कोर्ट के दो पूर्व न्यायाधीशों की उपस्थिति में समझौता हुआ। इस समझौते के अनुसार गुजरात के खेड़ा जिले में जब नर्मदा का पानी आ जाएगा, तब कडाणा बांध से 40 टी.एम.सी. फीट पानी टनल के जरिए जालोर, सिरोही, बाड़मेर को दिया जाएगा।
- विडम्बना यह रही कि, 1988 से लेकर वर्ष 2000 तक इस समझौता पत्रावली पर किसी भी सरकार द्वारा ध्यान नहीं दिया गया, वर्ष 2002 में मुख्य अभियंता, बजाज सागर परियोजना, ने गुजरात सरकार को एक राजकीय पत्र भेजा, उसके पश्चात 3 मार्च 2005 को राजस्थान सरकार की टीम सर्वे करने गुजरात गई।
- वर्ष 2008 से 2013 के बीच यह महत्वपूर्ण भागीरथी परियोजना ठंडे बस्ते में चली गई थी, लेकिन अब राजस्थान किसान संघर्ष समिति का पिछले 14 साल का संघर्ष रंग लाने लगा है। राजस्थान उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को योजना बनाने के लिए निर्देश दिए हैं, ताकि माही बांध का पानी बाडमेर, जालोर के लोगों को उपलब्ध करवाया जाए।

जालोर, 23 नवम्बर (कासं)। राजस्थान किसान संघर्ष समिति जालोर के अध्यक्ष सेवानिवृत्त तहसीलदार ब्रदीदान ने बताया कि संघर्ष समिति की ओर से मैंने गुजरात के विभागों में 446 बार आरटीआई लगाकर सूचनाएं मांगी। उन दस्तावेजों के आधार पर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई। उसके आधार पर उच्च न्यायालय ने अब राज्य सरकार को जनवरी के दूसरे सप्ताह में योजना बनाकर पेश करने के निर्देश दिए है। यह किसानों की पहली जीत है, हम प्रयास करेंगे कि सरकार इस सत्र में माही परियोजना के लिए बजट जारी करे।

ब्रद्रीदान ने कहा जालोर समेत बाड़मेर और सिरोहीवासियों के लिए खुशखबरी है। पिछले लंबे समय से माही बजाज सागर परियोजना को लेकर राजस्थान किसान संघर्ष समिति की ओर से किए जा रहे प्रयासों को कुछ हद तक राहत मिली है। दरअसल, समिति की ओर से माही बांध के पानी को जालोर, सिरोही व बाड़मेर को उपलब्ध करवाने को लेकर राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर में मार्च 2021 में एक जनहित याचिका दायर की थी, उसमें अब हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जनवरी 2023 के दूसरे सप्ताह तक एक प्लान बनाकर पेश करने के निर्देश दिए है। समिति के पदाधिकारियों ने बुधवार को जालोर में प्रैसवार्ता के दौरान कहा, राज्य सरकार को किसान संघर्ष समिति की ओर से दिए गए चार सुझावों के साथ-साथ खुद का विकल्प भी शामिल करने को निर्देश दिया हैं।

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि अब न्यायालय का सहयोग मिलने से भरोसा बढ़ गया है, इसके कार्य की योजना को लेकर समिति की ओर से 28 नवम्बर को नरपुरा में एक बड़ी बैठक भी बुलाई गई है, ताकि सरकार माही बजाज योजना के लिए इस बजट सत्र में बजट जारी कर सके। उन्होंने बताया कि राजस्थान के बांसवाड़ा जिले का माही बांध एवं गुजरात में बने कडाणा बांध के पानी के वितरण का समझौता हुआ था। जिसमें प्रथम व पंचम बिंदु में साफ लिखा है कि माही व कडाणा बांध के पानी पर पश्चिमी राजस्थान का हक है। इस समझौते पर राजस्थान के तत्कालीन कृषि मंत्री नाथूराम मिर्धा, गुजरात के जल संसाधन सिविल एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री विजय त्रिवेदी के हस्ताक्षर भी थे। माही नदी राजस्थान के बांसवाड़ा जिले से शुरू होती है, जिसमें सात नदियों सुकडी, अनास, सोम, अंबा, पामडी, माही, साबरमती का संगम होता है। माही सागर बांध की बांसवाडा शहर से ऊपर 7-10 किलोमीटर ऊपर 1960 में स्थापना की गई थी।

1966 में राजस्थान सरकार व गुजरात के बीच समझौता हुआ था कि 9 टीएमसी फीट (थाउजैंड मिलियन क्युबिक फीट) पानी राजस्थान को तथा 40 टीएमसी पानी गुजरात को दिया जाएगा। इस परियोजना का नाम माही बजाज सागर परियोजना रखा गया। बांसवाड़ा बांध के कार्य शुरू होने पर माही सागर जिले में गुजरात सरकार ने कडाणा बांध का काम शुरू किया। जिस पर बांसवाडा डूंगरपुर क्षेत्र के किसानों ने आंदोलन किया। कडाणा डैम के डूब क्षेत्र में राजस्थान के 132 गांव और गुजरात के 52 गांव प्रभावित हुए। जिस पर डीएन खोसला की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित हुई थी, जिसने 1965 में अपना निर्णय दिया कि कडाणा बांध के 1/3 पानी का गुजरात उपभोग करेगा तथा 2/3 पानी का पश्चिमी राजस्थान के जालोर, सिरोही व बाडमेर उपयोग करेगा। वर्ष 1983 में राजस्थान सरकार ने अपने हक का पानी पाने के लिए आवाज उठायी पर गुजरात सरकार ने पानी देने पर राजी नहीं हुई। वर्ष 1988 में नर्मदा टर्मिनल की स्थापना की गई। जिसमें दो हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीशों की उपस्थिति में समझौता हुआ। इस समझौते के अनुसार जब गुजरात के खेडा जिले में नर्मदा का पानी आ जाएगा, तब 40 टीएमसी पानी व कडाणा बांध का पानी जालोर सिरोही बाडमेर को टनल द्वारा दिया जाएगा।

विडंबना यह रही कि 1988 से लेकर 2000 तक इस समझौता पत्रावली पर किसी भी सरकार पार्टी द्वारा ध्यान नहीं दिया गया, 2002 में मुख्य अभियंता बजाज सागर परियोजना द्वारा गुजरात सरकार को एक राजकीय पत्र दिया गया, उसके पश्चात 3 मार्च 2005 को राजस्थान सरकार की टीम गुजरात में सर्वे पर गई। इसके पश्चात 2006 में राजस्थान सरकार द्वारा संज्ञान लिया गया कि जिसमें पूरी परियोजना का अध्ययन कर अरावली पर्वतमाला में सुरंग कर विशाला भीनमाल के पास लाने के लिए निविदा आमंत्रित करने के आदेश दिए और 1 से 3 फरवरी 2006 तक माही, बनास, साबरमती डायवर्ज़न टनल की प्रगति के लिए सर्वे हुआ, जिसकी अनुमानित लागत 6500 करोड़ तय की गई। परंतु रिपोर्ट आने तक सरकार बदल गई और 2008 से 2013 तक यह फिर से जालोर सिरोही बाडमेर की महत्वपूर्ण भागीरथी परियोजना ठंडे बस्ते में चली गई थी। लेकिन अब राजस्थान किसान संघर्ष समिति को पिछले 14 साल का संघर्ष अब रंग लाने लगा है। राजस्थान उच्च न्यायालय की ओर से राज्य सरकार को इन सुझावों पर योजना बनाने को लेकर निर्देश दिए गए हैं ताकि माही बांध का पानी बाड़मेर जालोर के लोगों को उपलब्ध करवाया जाए

भारतीय किसान संघ समिति के संयोजक विक्रमसिंह पुनासा ने बताया कि आर.टी.आई. से प्राप्त जानकारी के आधार पर उच्च न्यायालय में रिट पेश करने के बाद हाईकोर्ट ने राज्य व केंद्र सरकार दोनों से जवाब मांगा, लेकिन केंद्र सरकार ने तो यह कह दिया कि हमें इस सम्बंध में जानकारी तक नहीं है। राज्य सरकार ने कुछ सहयोग जरूर किया क्योंकि, इस पानी की जालोर व बाड़मेर को जरूरत है। अब हाईकोर्ट के निर्देश से हमें कुछ हौसला मिला है। उम्मीद है सरकार भी योजना बनाकर बजट जारी करेगी।

आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा प्रदेश भर की 200 विधानसभा सीटों पर जनाक्रोश यात्रा करने जा रही है, जिसकी तैयारी के सम्बंध में जयपुर में आयोजित कार्यशाला में प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने भाजपा के प्रदेश व जिला पदाधिकारियों को संबोधित किया।

भाजपा की 200 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाली जन आक्रोश यात्रा की तैयारियों को लेकर जयपुर में हुई कार्यशाला

डॉ. सतीश पूनिया ने कहा, आपको भरोसा देता हूँ कि 2023 और 2023 के बाद अनंतकाल तक भाजपा राजस्थान में सत्ता का माध्यम बनेगी और राजस्थान की 8 करोड़ जनता राज करेगी और इसलिए यह संघर्ष कांग्रेस के जंगलराज के खिलाफ आपातकाल जैसा ही है

- कार्यशाला में प्रदेशभर से 500 से अधिक जिला व विधानसभा संयोजक एवं सह संयोजक जुटे।
- राजस्थान के भाजपा अध्यक्ष ने कहा, भाजपा और कमल के फूल के छाते के नीचे आपकी पहचान, आपका स्वाभिमान, आपका गौरव, आपकी खूबी, आपका वर्तमान, आपका भविष्य यह भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा है, मिशन 2023 के विजय संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध होकर जुट जाएं।

जयपुर, 23 नवम्बर (का.सं.)। प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों की भाजपा जन आक्रोश यात्रा की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, वरिष्ठ सांसद घनश्याम तिवारी और राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने जयपुर सी स्कीम स्थित महावीर स्कूल सभागार में जिला व विधानसभा संयोजक व सह संयोजकों की कार्यशाला को संबोधित किया।

जन आक्रोश यात्रा कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि, प्रदेश में कांग्रेस सरकार के शासन में जनविरोधी नीतियों व वादाखिलाफी से हर वर्ग प्रताड़ित है, कोई नौजवान केवल 35 सौ रूपये कर्जे के कारण ना केवल अपनी जीवन लीला को समाप्त करता है, बल्कि उसका पूरा परिवार अपने प्राणों को त्यागने को मजबूर हो जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसा दृश्य कभी देखा नहीं होगा कि श्रीगंगानगर के रायसिंह नगर का सोहनलाल कडेल अपना लाइव वीडियो बनाकर यह कहा कि "मैं अपनी मौत को इसलिए गले लगा रहा हूं क्योंकि मैं कर्जे से तंग आकर आत्मदाह कर रहा हूं, जिस प्रदेश के मुखिया को किसी अबला के 35 टुकड़े किए जाने पर सामान्य घटना लगती है, महिलाओं के खिलाफ अपराधों का 1 वर्ष का आंकड़ा 6337 हो, प्रतिदिन औसत 17 बलात्कार, 7 हत्या, जिसके खाते में दर्ज हो, चार वर्षों में सवा 8 लाख से अधिक मुकदमे राजस्थान की धरती पर पहली बार दर्ज होते हों, आपके घर नवजात पैदा होता होगा आप लोग खुशियां मनाते होंगे, लेकिन इसी कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरपरस्ती में जब कर्जे का आंकड़ा 5 लाख करोड़ के लगभग पहुंचता है तो वह बेटा-बेटी 80 हजार का कर्जा लेकर पैदा होता होगा।

उन्होंने कहा कि करोना त्रासदी के 2 साल बहुत ही मुश्किल से निकले, लेकिन इस दौरान भाजपा के 685 कार्यकर्ताओं ने सेवा करते करते अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया।

पूनिया ने कहा कि हिंदुस्तान की सबसे ज्यादा बेरोजगारी राजस्थान में 30 प्रतिशत से ज्यादा है, 70 लाख से ज्यादा युवाओं ने परीक्षा दी थी, 4 साल में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत यही कहते घूम रहे हैं कि हमने 1 लाख लोगों को रोजगार दिया है, 69 लाख का क्या होगा यह रोडमैप राज्य सरकार के पास नहीं है। हर 12 किलोमीटर पर भ्रष्टाचार की रफ्तार है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी राजस्थान की धरती पर जब पहला कदम रखेंगे, मेरा पहला सवाल होगा किसान कर्जमाफी के वादे को लेकर। पता नहीं वर्ष 2018 की जनसभा में किसने राहुल गांधी को पर्ची पहुंचाई और जब वो कह रहे थे कि 1 से 10 तक गिनती गिनूंगा किसानों का पूरा कर्जा माफ कर दूंगा, राजस्थान के 60 लाख किसान 1 लाख 20 हजार करोड़ के कर्जे की माफी का आज भी इंतजार करते हैं।

पूनिया ने कहा कि "मुझे पता लगा कि राहुल की मालाखेड़ा में सभा है, अलवर के मालाखेडा में बड़ा रोचक वाक्या हुआ राहुल गांधी भाषण दे रहे थे कि उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार आई तो तुरंत नौकरी, एक नौजवान को खड़ा किया और पूछा आपका क्या नाम है उसने कहा कि, रूपसिंह, रूपसिंह की नौकरी पक्की। अब 4 साल हो गए रूपसिंह बेचारा चक्कर काटते ही घूम रहा है। इसलिए जब राजस्थान की धरती पर राहुल गांधी कदम रखें तो इन बातों का जवाब जरूर लेकर आएं।"

उन्होंने कहा "मित्रों आपमें से बहुत लोगों ने वर्ष 1975 की इमरजेंसी को सुना होगा और यहां कुछ लोगों ने उस इमरजेंसी को देखा व भुगता भी है। आज राजस्थान का वही दृश्य है, राजस्थान की 8 करोड़ जनता आपसे न्याय मांगती है, हम लोग राजस्थान की जनता के लिए, उसके लोक कल्याण के लिए केवल सत्ता के लिए नहीं, उनकी सेवा के लिए संकल्पित हैं, राजस्थान की राजनीति के अजातशत्रु स्वर्गीय भैरोसिंह शेखावत की जन्म शताब्दी है, उनकी सरकार से लेकर भाजपा सरकारों में हुए अबतक के विकास कार्यों से राजस्थान की दिशा को दशा को बदलने का काम किया, पिछले दिनों रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव आए, उन्होंने बताया कि अकेले राजस्थान में 56 हजार करोड़ रूपए रेल नैटवर्क को विकसित करने के लिए मोदी सरकार ने दिए।

पूनिया ने कहा कि "मुझे पिछले दिनों मुख्यमंत्री के गृह जिले में जाने का मौका मिला, मैंने एक लाइव वीडियो जारी किया था, जोधपुर के नजदीक कहीं किसी शोक सभा में गया था। कार्यकर्ताओं ने कहा कि ज्यादा समय नहीं लगेगा आधा घंटा लगेगा जाकर आ जाओगे। सफर 30 किलोमीटर था और मुझे एक घंटा लगा, पता नहीं लग रहा था कि सड़क में गड्ढा है या गडडे में सड़क, इतने खड्डे थे जितने कांग्रेस पार्टी के शासन में और कांग्रेस पार्टी में हैं, बिजली और पानी की दशा आपको पता है, पानी का हाहाकार आपको पता है, अस्पताल और स्कूलों की दशा आपको पता है।"

"अशोक गहलोत ने खोल दिए खूब सारे कॉलेज खोलें, लेकिन ना बिल्डिंग है, ना फैकल्टी है, स्कूल खोल दिए संसाधन नहीं है। इसलिए ऐसी अराजक, आततायी सरकार के खिलाफ यह दृश्य वैसा ही है जैसा वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई। उसके खिलाफ संघर्ष हुआ, जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में पूरे देश में नव निर्माण आंदोलन शुरू हुआ, जो गुजरात से शुरू हुआ और बिहार से समग्र क्रांति का आंदोलन शुरू हुआ।"

उन्होंने कहा कि "यह अराजकता के खिलाफ लड़ाई है, उस मानसिकता के खिलाफ लड़ाई है, जिस मानसिकता में तुष्टिकरण की पराकाष्ठा है। यह कैसा प्रदेश है कैसा शासन है, रामनवमी के जूलूस पर प्रतिबंध लग जाए, हिंदू नववर्ष पर अत्याचार हो, रमजान का गुणगान किया जाए। मैं कोई सियासी बात नहीं कर रहा, भीलवाड़ा, जोधपुर, करौली यह वो सारे स्थान हैं जिसमें अत्याचारों और तुष्टिकरण की आपने पराकाष्ठा देखी होगी, केवल वोट बैंक की राजनीति, केवल सियासी रोटी सेकना, केवल केन्द्र सरकार को बदनाम करने का काम करना, इसके अलावा धरातल पर कुछ नहीं है।"

इस दौरान प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह, हेमराज मीणा, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, गजेंद्र सिंह खींवसर, सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, महेंद्र जाटव, मधु कुमावत इत्यादि भी उपस्थित रहे।

'मोटर यान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि वर्ष 2016 में संघ के पत्र पर न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लेकर नोटिस जारी किए थे, लेकिन छह साल बाद भी सिर्फ स्टेनोग्राफर और लेखाधिकारी ही नियुक्त किए गए, लेकिन सभी जगह ये पद भी पूर्ण रूप से नहीं भरे गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य श्रेणी के खाली पदों को भरने के लिए सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के प्रशासनिक आदेशों से श्रम न्यायालय और अन्य न्यायालयों को भी मोटर वाहन के लम्बित दावे हस्तांतरित कर दिए गए हैं, लेकिन वहां पर लेखाधिकारी और स्टेनोग्राफर तथा अन्य स्टाफ की नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं, जिससे अधिकरण का काम ठीक से नहीं हो रहा है। राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह ने कहा कि हाईकोर्ट ने विभिन्न निर्देशों में सिर्फ स्टेनोग्राफर और लेखाधिकारी के पद ही भरने का कहा था, जो अधिकांश जगह भर दिए गए हैं। हाईकोर्ट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डा सचिन आचार्य ने पैरवी की।

मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल और न्यायाधीश रेखा बोराणा की खंडपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिए कि दो सप्ताह में तालिका और शपथ पत्र पेश कर बताएं कि राज्य में मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरणों में विभिन्न श्रेणी के कितने पद स्वीकृत हैं और इनकी संख्या कितनी है। राज्य सरकार स्पष्ट रूप से बताएं कि रिक्त पदों को कब तक भर दिया जाएगा।

ई.डब्ल्यु.एस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"निष्प्रभावी करने" के लिये आधारभूत सैद्धान्तिक ढाँचे का प्रयोग "तलवार" के रूप में करने का अनुमोदन नहीं किया जा सकता। बैंच ने 3:2 के बहुमत 103वें संविधान संशोधन के पक्ष में फैसला दिया था।

महाराष्ट्र का एम.बी.ए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सफलता नहीं मिल रही। लेकिन अगर पार्टी बिहार के मौजूदा महागठबंधन, जो जे.डी.यू., आर.जे.डी. तथा कांग्रेस से मिलकर बना है, के साथ अपने चुनाव-पूर्व गठबंधन को औपचारिक रूप दे देती है तो पार्टी की संभावनाएं कुछ बेहतर हो सकती हैं। शिव सेना को साथ लेकर, महागठबंधन के नेता ऐसा मान सकते हैं कि शिव सेना उनके लिये वैसी सिद्ध हो सकती है, जैसे चिराग पासवान भाजपा के लिये सिद्ध हुये थे, क्योंकि शिव सेना स्वयं को भाजपा की तुलना में, कहीं ज्यादा निष्ठावान हिन्दुत्व-पार्टी के रूप में प्रोजैक्ट करने की कोशिश करेगी।

महागठबंधन नेताओं तथा शिव सेना यू.बी.टी. के बीच सामंजस्य बैठाने के मामले में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन, माहौल अनुकूल दिखाई दे रहा है। आदित्य के साथ हुई मीटिंग के बाद, तेजस्वी ने कहा, "वर्तमान चुनौती कानून एवं लोकतंत्र को बचाने की है तथा हम इन्हें बचाने के लिये सब कुछ करेंगे।" आदित्य ठाकरे ने कहा, "हम एक-दूसरे से सम्पर्क में रहे हैं लेकिन कोविड की स्थिति के कारण हमारी मुलाकात एवं मीटिंग नहीं हो सकीं। हमने कई बिन्दुओं पर चर्चा की, लेकिन राजनीति पर नहीं। हमारी मित्रता बनी रहेगी।"

बिहार के मुख्यमंत्री तथा उनके उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सहित, अन्य राज्यों में गैर-भाजपा गठबंधन सुनिश्चित करने के प्रयासों में लगे हुये हैं तथा उन्होंने समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव सहित, बहुत विपक्षी नेताओं के मन टटोले हैं। नीतीश कुमार ने तो अधिकृत वक्तव्य के रूप में कह भी दिया है कि अलग-अलग राज्यों में क्षेत्रीय राजनीतिक गठबंधन भाजपा को हरा सकते हैं। शिव सेना यू.बी.टी. का विपक्षी गठबंधन में शामिल होना सैद्धांतिक रूप से विरोधाभासी प्रतीत हो सकता है। लेकिन जे.डी.यू. नेताओं का कहना है कि इस प्रकार के समायोजन से विपक्षी नेताओं का यह दृढ़ निश्चय बेहतर तरीके से सम्प्रेषित हो सकता है कि विपक्ष एकजुट होकर भाजपा से लड़ने के कलये उद्यत है।

भारत जोड़ो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आकर बताना चाहिए कि आखिर इस पूरे षडयंत्र के पीछे कौन-कौन लोग हैं। उन्होंने यह भी कहा कि "मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे जी से मिलकर आया हूं और मेरी उनसे वन टू वन बात हुई है और जल्द ही इस बातचीत का नतीजा निकलेगा।"

'विद्युत नियामक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिये गये सिद्धांतों को लागू करने वाले आवश्यक नियम तैयार नहीं किये हैं, जबकि केन्द्र तथा राज्यों ने विद्युत-क्षेत्रों के नियमन के लिये नीतियाँ तथा गाइडलाइनें तैयार कर दी हैं।

मुख्य न्यायाधीश डॉ. धनंजय वाई. चन्द्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना एवं जे.बी. पार्दीवाला की बैंच ने कहा कि जहाँ-जहाँ आयोगों ने नियम तैयार कर दिये हैं, उनमें संशोधन किये जायेंगे ताकि उनमें शुल्क-निर्धारण की रीति-नीति के चयन के लिये मानकों से संबंधित प्रावधान शामिल किये जा सकें।

बैंच ने कहा कि नियामक आयोग को इन नियमों को तैयार करते समय राज्य की विशिष्ट जरूरतों का ख्याल रखना होगा। बैंच ने यह भी कहा कि शुल्क निर्धारण के लिये लम्बे समय तक चलने वाली प्रभावी व्यवस्था बनानी होगी, जिससे इस प्रकार लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुँच सकें।

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर काफी तीखी टिप्पणी की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के लिये गये इस बहुत बड़े मुद्दे के तुरन्त बाद यह बात कही।

भूषण ने कहा, "अरूण गोयल अभी गुरुवार तक सरकार में सचिव-स्तर के ऑफिसर के रूप में काम कर रहे थे। एकाएक शुक्रवार को उन्हें वी.आर.एस. दे दिया गया तथा चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया गया।" उन्होंने कहा कि वे 60 वर्ष की उम्र पूरा करने पर 31 दिसम्बर को सेवानिवृत्त होने को थे।

अदालत ने सरकार के वकील, अटॉर्नी जनरल आर. वैंकटरमानी की इस आपत्तियों को खारिज कर दिया कि व्यक्तिगत उदाहरण लेना अच्छी बात नहीं है।

अदालत ने सरकारी वकील से कहा, "हम यह देखना चाहते हैं कि यह मैकनिज्म क्या है। हम इसे प्रतिकूल अर्थ में नहीं लेंगे तथा इसे अपने रिकॉर्ड के लिये रखेंगे, लेकिन हम यह जानना चाहते हैं, जैसा कि आपका दावा है कि सब कुछ बहुत अच्छा है। आपके पास कल तक का समय है।"

आयोग की वेबसाइट के अनुसार, अरूण गोयल ने इसी सोमवार को, 21 नवम्बर को ही पदभार ग्रहण किया है। पंजाब कैडर से 1985 के बैंच के आई.ए.एस. ऑफिसर रहे गोयल, 37 साल से अधिक अवधि तक सेवाएं देने के बाद, केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव पद से रिटायर हुये हैं।

फरवरी 2025 में राजीव कुमार द्वारा पद त्याग किये जाने के बाद, गोयल मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की कतार में होंगे।

इससे पहले, अदालत ने कहा कि "संविधान की खामोशी" का सरकारें अनुचित लाभ लेते रही हैं। न्यायमूर्ति के.एम. जोसफ ने कहा कि 2004 के बाद, किसी भी सी.ई.सी. ने छः वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं किया।

अदालत ने कहा कि एक के बाद एक, सरकारों ने ई.सी.आई. की स्वतंत्रता "पूरी तरह नष्ट कर दी" है तथा किसी भी मुख्य चुनाव आयुक्त 1996 के बाद आयोग के प्रमुख के रूप में, अपना छः वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं किया।

अदालत ने कहा, "यह बहुत ज्यादा व्याकुल कर देने वाली प्रवृत्ति है। टी.एन. शेषन (जो 1990 से 1996 तक छः साल सी.ई.सी. रहे थे) के बाद, यह पतन शुरु हो गया तथा किसी भी व्यक्ति को पूरा कार्यकाल नहीं दिया गया। सरकार यह कर रही है कि चूँकि उसे जन्मतिथि ज्ञात होती है, इसलिये वह सुनिश्चित कर लेती है कि सी.ई.सी. नियुक्त किये जाने वाले किसी भी व्यक्ति को पूरे छः साल का कार्यकाल नहीं मिल सके।" अदालत ने कहा कि "चाहे यू.पी.ए. सरकार रही हो या यह सरकार, रीति-नीति यही रही है।"

बैंच ने कहा, "यू.पी.ए. सरकार के 10 वर्षों में, छः सी.ई.सी. रहे तथा मौजूदा एन.डी.ए. सरकार के करीब आठ वर्षों में आठ सी.ई.सी. रह चुके हैं। जहाँ तक अपने देश का संबंध है, यह तौर-तरीका चिन्तित कर देने वाला है। संविधान में इस बावत कोई "चैक्स एवं बैलेन्सेज़" नहीं है। इस तरह से संविधान की खामोशी का अनुचित लाभ लिया जा रहा है। चूँकि कोई कानून ही नहीं है, अतः कानूनी रूप से वे (सरकारें) सही हैं। कानून के अभाव में कुछ भी नहीं किया जा सकता।"

बैंच ने अटॉर्नी जनरल आर. वैंकटरमानी से कहा, "2004 के बाद सी.ई.सी. की सूची देखें, उनमें से अधिकांश का कार्यकाल दो वर्ष से ज्यादा नहीं रहा। कानून के अनुसार, सी.ई.सी. का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु जो भी पहले हो, तक रहना तय है। इनमें से अधिकांश लोग पूर्व अफसरशाह थे तथा सरकार को उनकी उम्र मालूम थी। उन्हें उम्र के उस बिन्दु पर नियुक्त किया गया कि वे किसी भी सूरत में 6 वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं कर सकें तथा इस प्रकार उन्हें छोटा कार्यकाल ही मिला।"

बैंच ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 324 में सी.ई.सी. तथा ई.सी. की नियुक्ति के बारे में बताया गया है लेकिन इसमें इन नियुक्तियों की प्रक्रिया के प्रावधान के बारे में कुछ नहीं कहा गया तथा इस बाबत कानून बनाने का काम संसद के लिये छोड़ दिया गया। लेकिन पिछले 72 सालों में यह काम नहीं किया गया, जिसके परिणाम स्वरूप, केन्द्र द्वारा कानून न होने का अनुचित फायदा उउठाया जाता रहा हैं।"

यह बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति अजय रस्तौगी, अनिरुद्ध बोस, ऋषिकेश रॉय तथा सी.टी. रवि कुमार भी शामिल हैं, उन याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी, सी.ई.सी. तथा ई.सी. के नियुक्ति के लिये कोलीजियम जैसी किसी व्यवस्था की माँग की गई है।

सी.ई.सी. की नियुक्ति के वर्तमान व्यवस्था में किसी प्रकार के परिवर्तन का विरोध करते हुये, केन्द्र सरकार ने दलील दी कि अदालत इसमें दखल देने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि नियुक्ति प्रक्रिया ठीक तरह सम्पादित हुई है। पिछले सप्ताह, केन्द्र ने इसका जबरदस्त विरोध किया था तथा कहा था कि ऐसी कोई भी कोशिश संविधान को संशोधित करने के बराबर होगी।

इस बिन्दु पर अदालत ने कहा: "इसका कारण सत्तारूढ़ पार्टी की दुराग्रही प्रकृति तथा जिद ही है, चाहे पार्टी कोई भी हो, लेकिन वह वर्तमान स्थिति को समाप्त करना नहीं चाहेगी, क्योंकि इस स्थिति में सरकार कुछ भी करने के लिये स्वतंत्र होती है। यह सैल्फ-सर्विंग है तथा सरकार इसे समाप्त नहीं होने देगी। सत्ता में आने वाली प्रत्येक पार्टी इस पर अपनी पकड़ बनाये रखना चाहेगी।"

बैंच ने चिन्ता व्यक्त करते हुये कहा, "अब प्रश्न यह उठता है कि जब चुनावों की शुद्धता तथा निष्पक्षता, लोकतंत्र के साथ गुंथी हुई हों तो क्या अदालत को खामोश रहना चाहिये।

'फुटबॉल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया है जिसमें कोर्ट ने 18 मई और 3 अगस्त के आदेश को बदलने की मांग की गई थी ताकि फीफा निलम्बन को वापस ले ले और भारत को अण्डर-17 वीमैनस वर्ल्ड कप फुटबॉल के आयोजन का अधिकार मिले। देश में पहली बार 11-30 अक्टूबर को फीफा इवैंट का आयोजन किया गया।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908